हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, सोमवार, 13 अप्रैल, 2026 वर्ष : 13 अंक : 317 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news

अमेरिका और इजराइल पर ईरान को रत्ती भर भरोसा नहीं?
तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और लाभांश घोषणाओं से बाजार...

12,000 गानों की आवाज खामोश! नहीं रहीं आशा भोसले

92 साल की उम्र में निधन, चेस्ट इंफेक्शन के बाद अस्पताल में भर्ती थीं, आज शाम अंतिम संस्कार

सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था। ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डॉ. प्रतीत समदानी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर यानी कई अंग फेल होने के कारण उनका निधन हुआ। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे सोमवार सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार सोमवार शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा। 12,000 से ज्यादा गाने गाए आशा भोसले ने अपने करियर में 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी लोकप्रिय हैं।

आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी। आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत जगत के लिए एक युग के अंत जैसा है। उन्होंने अपने लंबे करियर में हिंदी फिल्मों के गीतों के साथ-साथ ग़ज़ल, भजन, क़व्वाली और पॉप संगीत में भी अपनी आवाज दी। उन्होंने करीब आठ दशकों से अधिक समय तक संगीत की दुनिया में सक्रिय रहते हुए 20 से ज्यादा भाषाओं में 12,000 से अधिक गीत गाए, जिससे वे भारतीय संगीत की सबसे बहुमुखी और प्रभावशाली आवाजों में शामिल हो गईं।

हेमंती शुक्ला बोलीं- आशा भोसले जैसी कलाकार फिर नहीं आएंगी

सिंगर हेमंती शुक्ला ने आशा भोसले के निधन पर कहा, 'ऐसी कलाकार फिर कभी नहीं आएंगी। वह हर तरह के गीत गाती थीं, चाहे हिंदी हो या बंगाली, हर भाषा में उनकी पकड़ अद्भुत थी। वह एक महान कलाकार थीं। 92 साल की उम्र में उनका निधन हो गया, लेकिन मेरा मन इसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है।'

सांगली से मुंबई तक का सफर

सांगली से मुंबई तक का सफर तय करने वाली दिग्गज गायिका आशा भोसले का जीवन भारतीय संगीत इतिहास की एक प्रेरणादायक कहानी है। 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में जन्मी आशा भोसले, प्रसिद्ध संगीतकार और रंगमंच कलाकार दीनानाथ मंगेशकर की बेटी थीं। पिता के निधन के बाद उनका परिवार मुंबई आ गया। परिवार की जिम्मेदारियों को संभालने के लिए आशा और उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर ने कम उम्र में ही गायन शुरू कर दिया। शुरुआती दौर में आशा भोसले पर उनकी बहन लता मंगेशकर की भारी लोकप्रियता का असर साफ दिखाई देता था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी अलग पहचान बना ली। 1950 और 1960 के दशक में संगीतकार ओ. पी. नय्यर के साथ उनकी जोड़ी बेहद सफल रही। इस सहयोग ने उन्हें हिंदी फिल्म संगीत में एक मजबूत प्लेबैक सिंगर के रूप में स्थापित किया। इसके बाद आर. डी. बर्मन के साथ उनकी साझेदारी ने उनके करियर को नई दिशा दी। आशा भोसले को और भी व्यापक लोकप्रियता दिलाई और उनकी गायन क्षमता को नए आयाम दिए।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जताया दुख, कहा- मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा

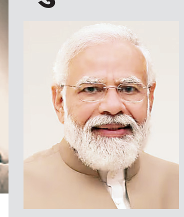

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, भारत की सबसे आइकॉनिक और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं दुखी हूं। दशकों तक चली उनकी असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे।'

सीएम हेमंत सोरेन ने जताया शोक, कहा- देश और कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मशहूर गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे देश और कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। सीएम ने उन्हें केवल एक गायिका नहीं, बल्कि "संगीत की एक युगधारा" बताया, जिनकी हर प्रस्तुति में जीवन के रंग, भावनाओं की गहराई और आत्मा की सच्चाई झलकती थी। मुख्यमंत्री ने मरांग बुरु से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों, प्रशंसकों और देशवासियों को इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

मोदी बोले- टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए:अब 15 साल का हिसाब देना होगा

कोलकाता: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए, लेकिन विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने टीएमसी के शासन काल में बंगाल की बर्बादी देखी है। अब उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल से टीएमसी का जाना तय है। कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा टीएमसी की नींद उड़ा देगी। पीएम का आज पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने सिलीगुड़ी में जनसभा की। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। पीएम मोदी ने सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का भी जिक्र किया। उन्होंने 'कमल खिलाओ, घुसपैठिया भगाओ' के नारे लगाते हुए कहा कि टीएमसी की सरकार निर्मम है, लेकिन हमने सीएए की मदद से आपको वोटिंग की गारंटी दी है।

पीएम की रैली की 3 मुख्य बातें...

- दार्जिलिंग समेत उत्तर बंगाल का एक बड़ा हिस्सा चाय उत्पादक क्षेत्र है। आपकी चाय का स्वाद मुझसे बेहतर कौन जान सकता है, लेकिन टीएमसी सरकार चाय बागानों को भी नष्ट कर रही है। देश में एक 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को बंद करने की धमकी दी है।

- असम आपके पड़ोस में है। वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम किया गया है। श्रमिकों को भूमि पट्टे दिए जा रहे हैं। बंगाल में भी श्रमिक परिवारों को भूमि पट्टे दिए जाएंगे।
- नॉर्थ बंगाल में टीएमसी की राजनीति हमेशा डर पैदा करने की रही है। लोगों को भयभीत रखना और उनकी उपेक्षा करना यहां आम बात है। यहां राजनीतिक हिंसा होती है, लोगों को डराया-धमकाया जाता है। नेताओं की हत्या तक करवाई जाती है।

दार्जिलिंग में बीजेपी मजबूत, जलपाईगुड़ी में मुकाबला

दार्जिलिंग की सभी 5 सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। जिले में 66% हिंदू और 24% बौद्ध आबादी है। पहाड़ों पर गोरखा पहचान की राजनीति चलती है, जबकि सिलीगुड़ी जैसे मैदानी इलाकों में शहरी मुद्दे और व्यापार मुख्य हैं। वहीं, जलपाईगुड़ी की 7 में से 4 सीटों पर टीएमसी और 3 पर बीजेपी के विधायक हैं। राजबंशी और ST समुदाय यहां किंगमेकर रहे हैं। जिले में 82% हिंदू, 13% मुस्लिम और 3% ईसाई आबादी है।

बंगाल प्रेरणा की भूमिः योगी

पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बंगाल प्रेरणा की भूमि है और यह भारत को दिशा देती है। इसी धरती पर एक सन्यासी ने वैश्विक मंच पर सनातन धर्म का झंडा गाढ़ने का काम किया था।

पूर्व बर्धमान में गरजीं ममता कहा... मोदी-शाह के षड्यंत्र से रहें सावधान

खंडघोष (पूर्व बर्धमान): पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का प्रचार करने पूर्व बर्धमान में खंडघोष पहुंची ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर प्रहार किया है. खंडघोष विधानसभा सीट के तृणमूल उम्मीदवार नवीन चंद्र बाग के समर्थन में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 'आमोदी-प्रमोदी' कहकर संबोधित किया. उन्होंने जनता को आगाह किया कि मोदी-शाह चुनाव में बड़ा षड्यंत्र रच सकते हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा को किसी के खाने-पीने की आदतों पर पाबंदी लगाने का कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है. लोदना फुटबॉल ग्राउंड में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने खाने-पीने की पसंद पर छिड़ी बहस को आगे बढ़ाया. उन्होंने कहा- मोदी बाबू, आप विदेश से मशरूम मंगाकर खाते हैं. बंगाल का बच्चा चावल और मछली का झोल खाकर स्कूल जाता है. आप कौन होते हैं हमें यह सिखाने वाले कि हम क्या खाएं और क्या नहीं? प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का लोगों की थाली पर पहरा देना न तो इंसाफ है, न ही संविधान इसकी इजाजत देता है. उन्होंने 'जल भरो जल धरो' योजना के जरिये बंगाल में मछली उत्पादन की सफलता के बारे में भी दुनिया को बताया.

SIR को बताया महा-स्कैम, चुनाव बाद होगा हिसाब

वोटर लिस्ट से नाम हटाये जाने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा- एसआईआर (SIR) का मतलब सर्वनाश है. यह भाजपा का बहुत बड़ा स्कैम है. 2024 में इन्हीं वोटरों ने आपको दिल्ली की सत्ता तक पहुंचाया और आज 2026 में वे अवैध हो गये? जो लोग 50-100 साल से यहां रह रहे हैं, उनके नाम डिलीट किये जा रहे हैं. हम इसके खिलाफ अंतिम सांस तक लड़ेंगे. उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अभी चुनाव आयोग के हाथ में सब कुछ है, लेकिन चुनाव के बाद सबका हिसाब होगा.

जेएसएससी परीक्षा पेपर लीक में बड़ी कार्रवाईः रांची पुलिस ने 5 सोल्वर और 160 अभ्यर्थी का दबोचा

रांचीः जेएसएससी यानी झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा 2023 से जुड़े पेपर लीक मामले में रांची पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय सोल्वर/पेपर लीक गैंग के मुख्य सरगना समेत कुल 164 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 5 लोग गैंग के सदस्य बताए जा रहे हैं, जबकि 159 लोग परीक्षा के अभ्यर्थी हैं, जिनमें 7 महिला अभ्यर्थी भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह अभ्यर्थियों से 10 से 15 लाख रुपये लेकर परीक्षा पास कराने का दावा करता था और उन्हें प्रश्न-उत्तर का सेट उपलब्ध कराकर रटवाया जा रहा था।

गुप्त सूचना पर देर रात छापेमारी

रांची पुलिस को 11 अप्रैल 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि तमाड़ थाना क्षेत्र में एक अर्द्धनिर्मित भवन में 150 से अधिक जेएसएससी अभ्यर्थियों का जमावड़ा है और उनकी गतिविधियां संदिग्ध हैं। सूचना के बाद पुलिस ने विशेष छापामारी दल का गठन किया और 11 अप्रैल की देर रात उक्त भवन पर छापेमारी की।

पुलिस को देखते ही भागने लगे लोग

छापेमारी के दौरान पुलिस ने देखा कि भवन के बाहर कई गाड़ियां खड़ी थीं। जैसे ही पुलिस टीम वहां पहुंची, करीब 150 से अधिक लोग इधर-उधर भागने लगे। कई लोग अपने सामान को फेंकने और छिपाने लगे। पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए सभी को भवन के दो कमरों में सीमित किया और तलाशी अभियान चलाया।

प्रिंटर, प्रश्न-उत्तर सेट और संदिग्ध मोबाइल बरामद

पुलिस की तलाशी में मौके से कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। इनमें—प्रिंटर, तैयार किए गए प्रश्न-उत्तर सेट, फटे हुए एडमिट कार्ड, संदिग्ध मोबाइल फोन, बैंक चेक। पुलिस का कहना है कि गैंग के सदस्य अभ्यर्थियों को प्रश्न-उत्तर के सेट रटवा रहे थे।

10 से 15 लाख रुपये में परीक्षा पास कराने का सौदा

प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ कि इस गैंग के अलग-अलग एजेंट अभ्यर्थियों से 10 से 15 लाख रुपये प्रति उम्मीदवार की दर से पैसे लेते थे। इसके बदले उन्हें परीक्षा के प्रश्न और उत्तर उपलब्ध कराए जाते थे और उन्हें याद कराया जाता था। पुलिस के अनुसार, कई अभ्यर्थियों ने पुलिस से बचने के लिए अपने मोबाइल फोन और एडमिट कार्ड गिरोह के सदस्यों को दे दिए थे। कुछ अभ्यर्थियों ने गिरोह के नाम पर बैंक चेक भी सौंप दिए थे।

बिहार का कौन होगा अगला मुख्यमंत्री, शिवराज सिंह करेंगे ऐलानः 14 को नीतीश कुमार सीएम पद से दे सकते हैं इस्तीफा

पटनाः बिहार में नई सरकार को लेकर हलचल तेज है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 14 अप्रैल को कैबिनेट की आखिरी बैठक करेंगे। इसी दिन सीएम पद से इस्तीफा भी दे सकते हैं। इन सब के बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक यानि ऑब्जर्वर बनाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, 15 अप्रैल को शिवराज सिंह नए सीएम फेस का ऐलान करेंगे। इधर, 12 घंटे में सम्राट चौधरी दूसरी बार नीतीश कुमार से मिलने सीएम हाउस पहुंचे। इस दौरान विजय चौधरी भी साथ थे। तीनों के बीच करीब 20 मिनट बातचीत हुई।

मीटिंग के बाद मंत्री विजय चौधरी ने सीएम फेस पर कहा, "ये तो बीजेपी को तय करना है, उसके बाद एनडीए की बैठक में सहमति बनेगी।" संजय झा भी सीएम से मिलने पहुंचे।

नीतीश कुमार को बीजेपी जबरन हचा रही है- तेजस्वी

इधर, तेजस्वी ने नई सरकार पर तंज कसते हुए कहा, 'नए सीएम के नाम से हमको क्या लेना देना है, जनता का मैंडेट इन लोगों के पास नहीं है। जब से सरकार बनी है, सरकार ही फिर से सरकार बनवा रही है। 2 महीने से कैबिनेट की मीटिंग नहीं हुई, कोई निर्णय नहीं हुआ। बिहार पीछे जा रहा है।'

'नीतीश कुमार चाहते थे कि मुख्यमंत्री वही रहें, लेकिन अब उनके चाहने से कुछ भी नहीं होगा। लेकिन जिस प्रकार से भाजपा ने उनके साथ किया, उनको पहले से मालूम था। नीतीश को पद से भाजपा हटा रही है।'

14 अप्रैल को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। इसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नए नेता का चयन किया जाएगा। इसके बाद 15 अप्रैल को नई सरकार के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

नए सीएम के साथ ही आधा दर्जन मंत्री भी शपथ लेंगे। ये शपथ राज्यपाल रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन के मौजूदगी में लोक भवन में होगा। हालांकि, नई सरकार बनने और शपथ ग्रहण के लिए अधिकारिक रुप से कोई सूचना जारी नहीं हुई है। लेकिन, सभी विभागों के अधिकारियों को इसके लिए अलर्ट किया गया है।

ईरान बोला- होर्मुज हमारे कंट्रोल में:यहां से गुजरना है तो टोल दो; ट्रम्प ने कल इस रास्ते से माइंस हटाने का दावा किया था

इस्लामाबादः अमेरिका-ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर बयानबाजी तेज हो गई है। ईरान के उप संसद अध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा है कि यह स्ट्रेट ईरान के कंट्रोल में है। उन्होंने इसे तेहरान की रेड लाइन बताया और कहा कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी करेंसी रियाल में टोल देना होगा। इससे पहले कल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया था कि अमेरिका इस रास्ते से बिछी बारूदी माइंस हटा रहा है। उन्होंने कहा था कि यह समुद्री रास्ता जल्द ही खुल जाएगा। अमेरिकी सेना ने भी दावा किया था कि उनके जहाज इस रास्ते से गुजर चुके हैं।

हालांकि कुछ देर बाद ही ईरान ने अमेरिका के इन दावों को गलत बताया था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई सैन्य जहाज यहां से गुजरने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ईरान और अमेरिका के बीच कल पाकिस्तान में 21 घंटे चली शांति वार्ता बेनतीजा रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है।

- पाकिस्तान में बातचीत बेनतीजाः अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस्लामाबाद में ईरान के साथ बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। वेंस ने कहा कि हमें पूरी तरह भरोसा चाहिए कि ईरान न तो परमाणु हथियार बनाएगा और न ही ऐसी तैयारी करेगा जिससे वह जल्दी हथियार बना सके।
- अमेरिका ने माइंस हटाने का अभियान शुरू कियाः अमेरिकी सेना के सेंटकॉम ने कहा है कि अमेरिकी युद्धपोत समुद्री रास्ते को सुरक्षित बनाने की तैयारी कर रहे हैं। आरोप है कि ईरान ने इस अहम समुद्री मार्ग में बारूदी सुरंगें बिछाई हैं।
- नेतन्याहू बोले- अभियान अभी खत्म नहींः इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। उनका कहना है कि हमले इसलिए किए गए क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब था। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा नुकसान पहुंचा है।
- इमोशनल मैसेजः ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ शुक्रवार रात प्लेन में बच्चों की तस्वीरें रखकर पाकिस्तान पहुंचे। ये बच्चे 28 फरवरी को मिसाइल हमले में मारे गए थे। इसका इल्जाम अमेरिका-इजराइल पर लगा था।
- लेबनान में हमले जारीः लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, तुफाहता इलाके में हुए हमलों में 9 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 5 की हालत गंभीर है।

ईरान में इंटरनेट ब्लैकआउट के 44 दिन पूरे हो चुके हैं. यह दुनिया का सबसे लंबा इंटरनेट ब्लैकआउट है. ईरान ने सूडान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. 2019 में सूडान में 37 दिनों तक इंटरनेट ब्लैकआउट किया गया था. इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्था नेटब्लॉक्स के आंकड़ों के अनुसार यह किसी भी देश का अब तक का सबसे लंबा राष्ट्रव्यापी इंटरनेट शटडाउन है. पिछले 44 दिनों से यानी 1056 घंटों से ईरान में इंटरनेट बैन है. जिससे 93 मिलियन लोग पूरी दुनिया से कट गए हैं.

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से, 57 दिन चलेगीः 28 अगस्त को खत्म होगी; 15 से रजिस्ट्रेशन

श्रीनगरः अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को बताया कि इस साल यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। 57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैम्प से पहला जत्था रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। LG सिन्हा ने यात्रा की जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि 13 से 70 साल की उम्र वाले यह यात्रा कर सकते हैं। गुफा में पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर की जाएगी। यात्रा के लिए अनंतनाग से पारंपरिक 48 किमी लंबा नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबा बालटाल रूट खुला रहेगा।

देशभर में 556 बैंक ब्रांच से होगा ऑफलाइन रजिस्ट्रेशनः LG सिन्हा ने बताया कि देशभर में लगभग 556 तय बैंक शाखाओं के जरिए यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए यस बैंक, ICICI बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक की ब्रांचेस में यात्रा के रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध रहेंगे।

यात्रा में इस बार क्या नया

- मनोज सिन्हा के मुताबिक पिछले सालों की तुलना में व्यवस्थाओं में 25% की वृद्धि की गई है। ट्रैकिंग और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए RFID कार्ड की शुरुआत की गई है।
- तीर्थयात्रियों के लिए ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस कवर को दोगुना करके 5 लाख से 10 लाख कर दिया गया है।
- यात्रा के दौरान इस्तेमाल होने वाले टट्टुओं (पोनीज) की मौत होने पर 50,000 का मुआवजा दिया जाएगा। यात्रा के दौरान मेडिकल सर्टिफिकेट, 4 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, RFID कार्ड, ट्रैवल एप्लिकेशन फॉर्म अपने साथ रखें। फिजिकल फिटनेस के लिहाज से हर रोज 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलने की प्रैक्टिस करें।

संक्षिप्त खबरें...

पाकुड़ में 15.345 लीटर नकली विदेशी शराब बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार, उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज

पाकुड़ः पाकुड़ जिले के महेशपुर थाना अंतर्गत अमलागाछी स्थित एक होटल में अवैध शराब के खिलाफ उत्पाद विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। यह छापेमारी अवर निरीक्षक उत्पाद बिक्रम कुमार साह के नेतृत्व में की गई। छापेमारी के दौरान होटल की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कुल 15.345 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। कार्रवाई के क्रम में मौके से वोना पहाड़िया को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। अवर निरीक्षक बिक्रम कुमार साह ने बताया कि बरामद की गई सभी शराब डुप्लीकेट (नकली) है। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने ससुराल में फांसी लगा कर किया आत्महत्या

हजारीबाग। हजारीबाग जिला अंतर्गत बरही के ग्राम रसोईया धमना में शनिवार शाम एक विवाहित महिला अंजलि कुमारी 28 वर्ष के फांसी लगा कर आत्महत्या कर लेने का मामला सामने आया है। बताया गया कि सास ससुर गेहूं काटने खेत पर व मृतिका के दोनो बच्चे ट्यूशन पढ़ने गए हुए थे और घटना के समय वह घर में अकेली थीं। ट्यूशन पढ़कर बच्चें लौटे व घर दरवाजा अंदर से बंद पाया माँ को दरवाजा खोलने के लिए आवाज लगाई न अंदर से आवाज आई न दरवाजा खुला। शाम को ससुराल के लोग खेत से लौटे व दरवाजा तोड़ा तों मृतिका को घर के अंदर पंखे से झूलता पाया। उसे पंखे से तुरत उतार कर बरही अनुमण्डलीय अस्पताल ले गए जहाँ डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।किसी को समझ नहीं आ रहा है कि उसने फांसी क्यों लगाई।घटना से बच्चों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा है। बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया घटना की वजह की जानकारी नहीं हो पाई है। मायके वालों व मृतिका के पति प्रदीप कुमार को घटना की सुचना दे दी गई है पति मुंबई में काम करता है।

कलहाबाद पारटांड़ में एक सप्ताह बाद बिजली आपूर्ति सेवा हुई बहाल

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कलहाबाद पारटांड़ में एक सप्ताह बाद बिजली आपूर्ति सेवा बहाल हुई। पारटांड़ टोला में लगा एक सौ केवीए ट्रांसफार्मर के जलने से उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। खासकर बिजली के बिना विद्यार्थियों की पढ़ाई और किसानों के पटवन नहीं किए जाने से फसल बर्बाद हो जा रहा था।जिसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा विधायक अमित कुमार यादव को दिये जाने पर बिजली विभाग के अधिकारियों से बात कर सौ केवीए का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया।इस कार्य के लिए ग्रामीण बैजनाथ पांडेय, मुन्ना प्रसाद, लालमणि प्रसाद, तालेश्वर महतो, महादेव महतो, टेकामनी प्रसाद, निर्पत प्रसाद, संजय प्रसाद, बादल राम, मुंशी राम, सुरेश राम, कैलाश प्रसाद, लिलधारी महतो, चेतलाल महतो, टहल महतो, रामेश्वर प्रसाद, झारखंड महतो, राजू प्रसाद, रूपलाल प्रसाद, गंगाधर प्रसाद, सुनील कुमार, रामचंद्र प्रसाद, विनोद प्रसाद समेत अन्य लोगों ने विधायक का आभार प्रकट किया है।

धारधार हथियार और पत्थर से कूच कर युवक की हत्या, लोगों ने किया सड़क जाम, जांच में जुटी पुलिस

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र अंतर्गत बानादाग गांव के पास एक युवक की धारधार हथियार और पत्थर से कूच कर हत्या कर देने का मामला सामने आया है।मृतक के पहचान राजेश कुमार साव 40 वर्ष पिता मुंशी साव ग्राम पसई के रूप में कई गयी। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की रात 9:30 बजे मोबाइल पर किसी का फोन आया और राजेश घर से बिना किसी को कोई बात बताये निकल गया। जब देर रात घर नही लौटा तो उसकी खोजबीन करने के बाद रविवार की सुबह बानादाग साइडिंग के समीप उसका शव मिला। शव के साथ मुआवजे की मांग को लेकर आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में भाई-बहन समेत पांच लोग घायल

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में भाई-बहन समेत पांच लोग घायल हो गए। रविवार को हुई मारपीट की घटना में ग्राम बरकनगांगों निवासी अभिषेक कुमार 16 वर्ष, रौशनी कुमारी 11 वर्ष दोनों पिता महेन्द्र महतो, भगीया देवी 40 वर्ष पति रामेश्वर प्रसाद, कृष्णा कुमार 10 वर्ष पिता बालेश्वर प्रसाद तथा दूसरी घटना में ग्राम गंगटियाही निवासी दीपक शर्मा 26 वर्ष पिता बद्री ठाकुर घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया।

बाहर मजदूरी करने गया एक मजदूर की मौत, चोरटिया गांव में शोक की लहर

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : बाहर रामपुर मजदूरी करने गया विश्रामपुर थाना क्षेत्र के चोरटिया गांव के एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक का शव रविवार को पैतृक गांव चोरटिया जैसे ही पहुंचा गांव में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार चोरटिया गांव निवासी सुदर्शन यादव (45) बाहर काम करने रामपुर गया था। जहां उसका ब्रेन हैमरेज के कारण उसकी मौत हो गई। घटना की खबर जैसे ही परिजनों को मिली, परिवार में कोहराम मच गया। रविवार को जब मृतक का शव चोरटिया गांव पहुंचा, तो पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों की भारी भीड़ मृतक के घर पर उमड़ पड़ी और सभी ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इधर आज ही मृतक सुदर्शन यादव का दाह संस्कार गांव के ही श्मशान घाट पर किया गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही विधायक प्रतिनिधि कृष्णकांत यादव उर्फ मुन्ना यादव मृतक के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर परिवार वालों को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि इस दुखद घड़ी में पूरा समाज परिवार के साथ खड़ा है। मौके पर देवनाथ यादव, उदय यादव, उपेंद्र यादव, नारायण यादव, कमल यादव, राजेंद्र यादव और नंदू यादव सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बदलेगा भारत का लोकतांत्रिक चेहरा- विधायक पूर्णिमा दास साहू

जमशेदपुर। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू ने रविवार को जमशेदपुर परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम आरक्षण के प्रावधान के साथ महिलाओं को 'नीति की लाभार्थी' से 'नीति निर्माता' बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने बताया कि सितंबर 2023 में पारित यह संवैधानिक संशोधन लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों का आरक्षण सुनिश्चित करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की सीटें भी शामिल हैं।

विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण सिर्फ प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं है। यह तय करता है कि देश किस प्रकार का समाज बनाना चाहता है। जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो समाज के हर वर्ग को लाभ मिलता है। वैश्विक शोध का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती है, आय में समानता आती है और समावेशी विकास को गति मिलती है। यदि लैंगिक अंतर कम किया जाए, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि संभव है। पिछले एक दशक में महिलाओं की स्थिति में आए बदलाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 72% घर महिलाओं के नाम, एसटीईएम STEM क्षेत्र में 43% महिलाएं, मुद्रा योजना के 69% ऋण महिलाओं को, स्टैंड-अप इंडिया के 84% लाभार्थी महिलाएं शामिल हैं। पूर्णिमा साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाई गई कई प्रभावी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं ने महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार किया है। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ गैस कनेक्शन जल जीवन मिशन के जरिए 14.45 करोड़ घरों तक पानी, स्वच्छ भारत मिशन से खुले में शौच से मुक्ति, महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र, मातृत्व अवकाश 26 सप्ताह एवं मातृ मृत्यु दर में कमी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार भी इन प्रयासों का परिणाम है। विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि आज महिलाएं बड़ी संख्या में मतदान कर रही हैं। 2024 तक कुल मतदाताओं में 48.62% महिलाएं हैं और 65.78% महिलाओं ने मतदान किया, जो कई जगह पुरुषों से अधिक है। इसके बावजूद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या अभी भी सीमित है। 1952 में लोकसभा में 22 महिलाएं थीं, जो 2024 में बढ़कर 75 हो गई हैं, जबकि राज्यसभा में यह आंकड़ा लगभग 17% है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में 46% महिला प्रतिनिधित्व और लगभग 14.5 लाख महिला जनप्रतिनिधियों ने यह साबित कर दिया है कि महिलाएं अवसर मिलने पर बेहतर शासन दे सकती हैं। गांवों में पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, साफ-सफाई और पोषण जैसे क्षेत्रों में हुए सुधार इसका उदाहरण हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बढ़ती भागीदारी के बावजूद प्रतिनिधित्व अपने आप नहीं बढ़ता, इसलिए नीति के माध्यम से संतुलन जरूरी है। इस अधिनियम के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण, एससी / एसटी सीटों में भी महिला आरक्षण और नीति निर्माण में महिलाओं की सीधी भागीदारी होगी। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में 32 करोड़ महिलाओं के जन धन योजना के तहत बैंक खाते खुले, 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं, लड़कियों की शिक्षा और पीएचडी में भागीदारी बढ़ी, स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और पोषण 2.0 जैसे कार्यक्रमों से करोड़ों महिलाओं को लाभ मिला है। विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि महिला नेतृत्व से शासन की प्राथमिकताएं बदलती हैं। पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण पर अधिक ध्यान दिया जाता है और जवाबदेही मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत को अधिक समावेशी, संतुलित और दीर्घकालिक विकास की दिशा में आगे ले जाएगा। कहा कि यह अधिनियम विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। प्रेस वार्ता के अंत मे उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक कानून मात्र नहीं है। यह बदलते और नए भारत के निर्माण की आधारशिला है, जहां महिलाएं सिर्फ मतदाता नहीं रहेंगी। बल्कि वे देश की नीति और भविष्य तय करने वाली शक्ति भी बनेंगी। प्रेस वार्ता में पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष कल्याणी शरण, भाजपा जमशेदपुर महानगर महिला मोर्चा अध्यक्ष नीलू मछुआ, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा मुख्यरूप से मौजूद रहे।

सांसद मनीष जायसवाल ने नवनिर्मित राधा- कृष्ण मंदिर का किया निरीक्षण

जातिगत भेदभाव से उठे ऊपर, एकसूत्र में पिरोकर ही समाज में हो सकेंगे मजबूत - मनीष जायसवाल

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के दुलमी प्रखंड अंतर्गत ग्राम उकरीद में आगामी 18 से 26 अप्रैल तक आयोजित होने वाले श्री श्री 1008 राधा-कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा सह श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ के ठीक पहले हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने गाँव का दौरा किया। ग्रामीणों ने अपने सांसद मनीष जायसवाल स्वागत अत्यंत उल्लास और गर्मजोशी के साथ पुष्पगुच्छ भेंट कर और माला पहनाकर किया। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने नवनिर्मित मंदिर और यज्ञ मंडप का निरीक्षण किया और आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए ग्रामीणों के साथ गहन विचार-विमर्श किया एवं कई यथोचित राय भी दिया। संवाद के क्रम में ग्रामीणों ने मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण और पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ गाँव की सड़कों, नालियों और सिंचाई सुविधाओं की बहाली की मांग रखी। इन विषयों पर सांसद मनीष जायसवाल ने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार ने पंचायतों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक पंचायत को लगभग 52 लाख रुपए आवंटित किए हैं, जिससे स्थानीय स्तर की छोटी विकास योजनाएं सुगमता से पूर्ण की जा सकती हैं। बड़ी परियोजनाओं के लिए उन्होंने ग्रामीणों से औपचारिक आवेदन देने का आग्रह किया ताकि उन पर त्वरित कार्रवाई की जा सके, साथ ही मंदिर के सौंदर्यीकरण में निजी तौर पर भी सहयोग का पूर्ण आश्वासन दिया। अपने संबोधन में सांसद मनीष जायसवाल ने सांस्कृतिक चेतना को जागृत करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में हमारी सनातन संस्कृति पर चौतरफा प्रहार हो रहे हैं। उन्होंने समाज को आगाह किया कि जात-पात के नाम पर विभाजन और धर्म परिवर्तन जैसी कुत्सित कोशिशों के माध्यम से सनातन को कमजोर करने के प्रयास निरंतर जारी हैं। उन्होंने पुरजोर अपील की कि ऐसे समय में समस्त समाज को जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर एक सूत्र में बंधना होगा। मौके पर रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, दुलमी भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेश साव, भाजपा विजय जायसवाल, रामगढ़ कैंट में सांसद प्रतिनिधि अनमोल सिंह, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, रामगढ़ विधानसभा के सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटुस, सहित सैकड़ों स्थानीय महिला पुरुष मौजूद रहें।

बड़कागांव पीएम श्री मध्य विद्यालय में नए विद्यार्थियों स्वागत समारोह

बड़कागांव(हजारीबाग)। बड़कागांव के पीएम श्री मध्य विद्यालय के प्रांगण में नए विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रधानाध्यापक अशोक कुमार एवं संचालन शिक्षक चेतलाल राम ने किया। उक्त कार्यक्रम में नए विद्यार्थियों को शिक्षकों ने तिलक लगाया एवं पुराने विद्यार्थियों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मौके पर प्रधानाध्यापक अशोक कुमार ने कहा कि आदर्श मध्य विद्यालय की अच्छी पढ़ाई व योग्यता को देखते हुए सरकार द्वारा विद्यालय को पीएम श्री मध्य विद्यालय के रूप में विकसित किया गया है। इस विद्यालय में पढ़ाई लिखाई के अलावा खेल, झारक्रॉफ्ट, क्विज ,पेंटिंग, गीत , संगीत व लेखन प्रतियोगिता होता रहता है। हमारे विद्यालय के बच्चे प्रखंड स्तर से लेकर राज्य स्तर तक कई उपलब्धियां हासिल की हैं।यहां तक कि हमारे विद्यालय के विद्यार्थी तीरंदाजी के क्षेत्र में नेशनल स्तर पर भी पहचान बना चुके हैं।शिक्षक चेतलाल राम ने कहा कि विद्यालय में नामांकन अभियान शुरू हो गई है। यहां हर दिन विद्यार्थियों की नामांकन की जा रही है।मौके पर शिक्षक विनोद रजक, हेमेंद्र कुमार , शिक्षिका नीलू कुमारी, निगार सुलताना, निधि सिन्हा, कमलेश श्रीवास्तव ,रामवृक्ष राम ,राजू कुमार ,देवेंद्र कुमार , संजय सागर, तुलसी महतो ,जमशेद अंसारी, कार्तिक सोनी ,रवि कुमार रवि, बसंती देवी कैसर अंजुम, पुष्पा कुमारी ,संतोषी कुमारी आदि शामिल थे।

शिक्षा की बढ़ावा को लेकर एकजुट हुए शिक्षाविद, नैतिक शिक्षा पर दिया जोर

बड़कागांव(हजारीबाग)। शिक्षा के बढ़ावा को लेकर विभिन्न क्षेत्र के शिक्षाविद एकजुट हुए।बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत के मोहडरवा नर्सरी में शिक्षाविदों के द्वारा झारखंड कॉलेज एवं मॉडर्न पब्लिक स्कूल बड़कागांव के अगुवाई में एक विशेष बैठक कर नैतिक शिक्षा पर जोर दिया गया।और एक स्वर में सभी ने व्यावसायिक शिक्षा का जोरदार विरोध किया।लोगों ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा को आज के समय में शिक्षा को पतन की ओर ले जा रही है।आए दिन अक्सर यह देखा जा रहा है कि गुरु और छात्र की कड़ी को व्यावसायिक शिक्षा कमजोर कर रही है।जब से ऑनलाइन शिक्षा की शुरुआत हुई है।करोना काल के बाद से बच्चों की नैतिक शिक्षा के ज्ञान नहीं मिलने के कारण गुरु और छात्रों के बीच दिन प्रतिदिन दूरी बढ़ती जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम , भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय यादव , समाजसेवी विनोद यादव , शमशेर अंसारी , रंजीत विश्वकर्मा , विपिन कुमार , युवा नेता सोनू इराकी , कुलदीप कुमार , मुदस्सर आलम , जानिसार आलम , विजय ठाकुर , धर्मनाथ कुमार , मोहम्मद रूहुल्ला , पारस कुमार , मोहम्मद मौसूफ , सत्यनारायण कुमार , संतोष कुमार , असेश्वर राम , वीरेंद्र कुमार , उपेंद्र कुमार , नंदू रविदास , बालदेव कुमार , किरण कुमार, सूरज कुमार , मनोज कुमार ,मोहम्मद मंसूर , राजकुमार साव , दर्जनों लोग शामिल हुए।

होटल हर्षित राज में संदिग्ध अवस्था में मिला शव, सहकर्मी पर हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

हजारीबाग। हजारीबाग जिला अंतर्गत बरही के करसो स्थित होटल हर्षित राज में मगध मोटर्स के सेल्समैन की संदिग्ध अवस्था में शव मिला है। हत्या का आरोप सहकर्मी पर लगाया गया है। मृतक के मुंह और नाक से खून निकल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल पर प्रभारी एसडीपीओ प्रशांत कुमार, थानाप्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार समेत पुलिस अधिकारी घटना के संबंध में होटल संचालक और मगध मोटर्स गयाजी के कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे थे। मगध मोटर्स गयाजी में सेल्समैन मृतक मणिकांत सोलंकी के पिता कपिलदेव सिंह ग्राम बूढ़ी, थाना मुफस्सिल जिला गया के निवासी हैं। बरही थाना में अपने पुत्र मणिकांत सोलंकी की हत्या का आरोप लगाते हुए बरही थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। कपिल देव सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका छोटा पुत्र मणिकांत सोलंकी उर्फ मंजय कुमार उम्र 35 वर्ष टाटा मोटर्स के अधीन मगध मोटर्स गयाजी में सेल्समैन के रूप में कार्यरत था। 11 अप्रैल को मगध मोटर्स ने अपने 40 कर्मचारियों के साथ बरही करसो स्थित एक होटल में मीटिंग और पार्टी का आयोजन किया था। 12 अप्रैल को सुबह 3 बजे टीम लीडर वैष्णव कुमार और हर्ष उर्फ शिवम वर्मा ने मणिकांत सोलंकी के साला आयुष कुमार को सूचना दिया कि मणिकांत की मृत्यु हो गई है। यह खबर मिलते ही वे परिवार और गांववालों के साथ करसो स्थित होटल पहुंचे तो देखा कि मणिकांत के मुंह और नाक से खून निकला हुआ है, शरीर काला हो गया है। उन्होंने होटल के संचालक से सीसीटीवी फुटेज दिखाने के लिए कहा तो उन्होंने दो दिन पहले सीसीटीवी कैमरा खराब होने का हवाला दिया। मगध मोटर्स के कर्मचारियों से पूछने पर पता चला कि कार्यक्रम में शामिल कर्मचारियों में से रवि उर्फ रवीन्द्र कुमार और मुन्ना ड्राइवर सुबह से ही गायब है। उसके पुत्र मणिकांत का मोबाइल फोन भी नहीं मिला है।कपिल देव सिंह ने बताया कि 15 दिन पहले मणिकांत जब घर आया तो उसका चेहरा सूजा हुआ था। पुछने पर उसने बताया कि रवि उर्फ रवीन्द्र कुमार जो मगध मोटर्स में कार्यरत है ने उसे मारा है। उसे पूर्ण विश्वास है कि उसके पुत्र मणिकांत सोलंकी की हत्या रवि उर्फ रवीन्द्र कुमार ने ही की है। बरही थाना पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

गोलमुरी में 49 लाख से अधिक की विभिन्न योजनाओं का सांसद विद्युत महतो एवं विधायक पूर्णिमा साहू ने किया शिलान्यास

जमशेदपुर। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा अंतर्गत गोलमुरी क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए सांसद विद्युत वरण महतो एवं विधायक पूर्णिमा साहू ने रविवार को नगर विकास एवं आवास विभाग की निधि से स्वीकृत विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया। इन योजनाओं पर कुल 49 लाख 6 हजार रुपये की लागत आएगी। शिलान्यास के तहत गोलमुरी के नेपाली सेवा समिति परिसर स्थित सांस्कृतिक भवन के ऊपरी तल्ले में बच्चों के लिए पुस्तकालय भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही, ओल्ड केबल टाउन में दो बोरिंग एवं इस्कॉन मंदिर के पीछे एक डीप बोरिंग अधिष्ठापित किया जाएगा। विकास कॉलोनी, गोलमुरी में हाई मास्ट लाइट, न्यू केबल टाउन में तीन बोरिंग एवं केबुल हरिजन बस्ती में दो बोरिंग अधिष्ठापित किए जाएंगे। साथ ही सरना स्थल, दुईलाडुंगरी, गोलमुरी में हाई मास्ट लाइट एवं बोरिंग की स्थापना, न्यू लाइन, पंजाबी रिफ्यूजी कॉलोनी में सड़क निर्माण कार्य कराया जाएगा। इस अवसर पर सांसद विद्युत वरण महतो और विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास और आम नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इन योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में भी विकास कार्यों की रफ्तार इसी तरह जारी रहेगी।

शिलान्यास समारोह में सांसद प्रतिनिधि संजीव कुमार, विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, भाजपा गोलमुरी मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय, खेमलाल चौधरी, अशोक कुमार सामंत, अनिल ठाकुर, बिपिन झा, मंजीत सिंह, दशमी पूर्ति, सतीश शर्मा, अमिश अग्रवाल, प्रोबिर चटर्जी, समरेश शुक्ला, बी श्रीनिवास राव, सीनू राव, राकेश गिरी, हरेराम यादव, सोनू चौधरी, अनिल सिंह, नवजोत सिंह सोहल, सुरेंद्र सिंह शिंदे, सत्री सिंह चौहान, नौशाद खान, जसवंत सिंह, संदीप आईच, सुरा बिरुली व अन्य मौजूद रहे।

आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ ने अपनी मांगों को लेकर विधायक के नाम दिया ज्ञापन

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव के नाम आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ ने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन दिया है। राज्य स्तरीय संघ के निर्देशानुसार मांगों को लेकर सहायक अध्यापकों ने बरकट्ठा स्थित विधायक आवास पर जाकर उनकी अनुपस्थिति में कार्यालय प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। बरकट्ठा विधायक से मोबाइल फोन पर संपर्क कर आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापकों की समस्या से अवगत कराया गया। विधायक ने कहा आप सभी का मांग जायज है, वर्तमान सरकार आप लोगों के साथ धोखेबाजी कर रही है।आप लोगों की समस्याओं को विधानसभा में अवश्य उठाई जाएगी।मौके पर सहायक अध्यापक संजय पांडेय ने कहा हम लोग पिछले 25 वर्षों से लगातार शिक्षा का अलख जगाते आ रहे हैं, लेकिन यह माटी की सरकार जो चुनाव के पूर्व वादा की थी कि आप सभी का समस्या का समाधान तीन माह के अंदर कर लिया जाएगा, लेकिन अभी तक हम लोगों की समस्या का समाधान नहीं किया गया है। यदि हम लोगों की समस्या का समाधान जल्द नहीं हुआ तो मजबूरन हम लोग आंदोलन करने के लिए बाध्य हो जाएंगे।प्रखंड अध्यक्ष महेश गुप्ता ने कहा 18 अप्रैल को हम लोग रांची में मुख्यमंत्री का आवास का घेराव करेंगे, जिसमें बरकट्ठा के तमाम सहायक अध्यापक इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।मौके पर सचिव अरुण कुमार मंडल, मुकेश पांडेय, चंदन पांडेय, श्याम किशोर पांडेय, भुनेश्वर सिंह, राघवेंद्र लाल, चांद अंसारी, राजन चौधरी, संतोष बर्नवाल, राजेंद्र गुप्ता, घनश्याम सिंह, उमा कुमारी, मंजू कुमारी, सरिता कुमारी, रेखा कुमारी, ललिता कुमारी, अनुराधा कुमारी, चाईना कुमारी, ममता कुमारी, ललिता कुमारी, किशुन हंसदा, मुस्तकीम अंसारी, राजकुमार यादव, कपिल देव यादव, मुकेश कुमार, हरिहर दास, मनमोहन दास, प्रभु सिंह, बालेश्वर सिंह, प्रदीप कुमार, नारायण रविदास, राजकुमार सिंह, अनिल कुमार, राजकुमार यादव, मुंशी महतो, संजय कुमार मेहता, बालेश्वर सिंह, नारायण महतो, रामकृष्ण प्रसाद, प्रभु सिंह, राजू साव समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड आंदोलनकारी समन्वय समिति की बैठक

संवाददाता, रांचीः झारखंड आंदोलनकारी समन्वय समिति की एक अहम बैठक रविवार को धुर्वा स्थित कांशी विश्वनाथ मंदिर परिसर की धर्मशाला में डॉ. अजय नाथ शाहदेव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में राज्यभर के प्रमुख आंदोलनकारी नेताओं ने संगठन को मजबूत करने और आंदोलन को धार देने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि अगले दो महीनों के भीतर राज्य के सभी पांच प्रमंडलों में बैठक आयोजित कर समन्वय समिति का विस्तार किया जाएगा। साथ ही एक संयोजक मंडली गठित कर मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों को 15 सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें 'गुरूजी मॉडल' लागू करने और झारखंड आंदोलनकारी कल्याण बोर्ड के गठन की मांग प्रमुख रहेगी। समिति ने आंदोलनकारियों की उपेक्षा पर नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। अगस्त में 'दिशोम गुरु' की पहली पुण्यतिथि पर मोरहाबादी मैदान में वृहद श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में रमेश कुमार साहु, राजू महतो, मो. कय्यूम खान सहित कई वरिष्ठ आंदोलनकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं का शोषण बंद करे सरकारः राज्य सम्मेलन में उठी दमदार आवाज

संवाददाता, रांचीः ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ आंगनबाड़ी वर्कर्स एण्ड हेल्पर (आइफा) एवं सीटू से संबद्ध झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन का चतुर्थ राज्य सम्मेलन सफदर हाशमी सभागार, मेन रोड रांची में संपन्न हुआ। सम्मेलन की शुरुआत झंडोत्तोलन व शहीद वेदी पर माल्यार्पण के साथ हुई। उद्घाटन करते हुए आइफा की राष्ट्रीय महासचिव उषा रानी ने एफआरएस के नाम पर आंगनबाड़ी कर्मियों के शोषण, मानदेय रोके जाने और टीएचआर आपूर्ति बाधित होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बावजूद 2018 के बाद मानदेय में वृद्धि नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद ग्रेच्युटी नहीं मिलना गंभीर अन्याय है। वक्ताओं ने चुनाव और अतिरिक्त कार्यों से सेविकाओं को मुक्त करने की मांग की। सम्मेलन के अंत में नई राज्य कमिटी का गठन किया गया, जिसमें मीरा देवी अध्यक्ष और मीनू मुर्मू महासचिव चुनी गईं।

14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती, सामाजिक न्याय के प्रतीक को नमनः प्रवक्ता संजय सर्राफ

संवाददाता, रांचीः हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर वर्ष 14 अप्रैल को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाती है। यह दिन सामाजिक समानता, न्याय और मानव अधिकारों के लिए उनके ऐतिहासिक संघर्ष को स्मरण कराता है। 14 अप्रैल 1891 को जन्मे डॉ. अंबेडकर ने जातिगत भेदभाव की चुनौतियों के बावजूद शिक्षा को अपना शस्त्र बनाया और कानून, अर्थशास्त्र व राजनीति में अद्वितीय योगदान दिया। वे भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार रहे, जिनके प्रयासों से समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय के मूल्य सुदृढ़ हुए। वंचितों, महिलाओं और श्रमिकों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष प्रेरणास्रोत है। स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री के रूप में उन्होंने न्याय व्यवस्था को मजबूत आधार दिया। डॉ. अंबेडकर का जीवन शिक्षा, संगठन और संघर्ष की प्रेरणा देता है—उनके आदर्शों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

श्री श्री विवि में यौन उत्पीड़न रोकथाम पर प्रशिक्षण

संवाददाता, रांचीः ओडिशा के कटक स्थित श्री श्री विश्वविद्यालय में शनिवार को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति और मानव संसाधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों को संबंधित कानूनों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी कार्य वातावरण के निर्माण पर बल देना था। कार्यक्रम में रोकथाम, निषेध और संरक्षण के सिद्धांतों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही कार्यस्थल पर उत्पन्न शिकायतों के समाधान में आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका, दायित्व और प्रक्रिया को स्पष्ट किया गया। नेशनल लॉ विश्वविद्यालय की विधि विशेषज्ञ डॉ. निकिता पाटजोशी और डॉ. प्रियंका आनंद ने सत्र का संचालन करते हुए विधिक ढांचे और व्यवहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण में संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर कुलाध्यक्ष प्रो. राजिता कुलकर्णी, कुलपति प्रो. डॉ. तेजप्रताप तथा कार्मिक निदेशक स्वामी सत्यचैतन्य ने सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी।

भारतीय संगीत की अमर धरोहर आशा भोसले के निधन से युग का अवसान : डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा

संवाददाता रांचीः भारतीय संगीत जगत की महान सुर-साधिका, पद्म विभूषण से सम्मानित सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोसले के निधन पर राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आशा भोसले जी का निधन भारतीय संगीत जगत के एक युग का अवसान है। उन्होंने अपने आठ दशकों के शानदार संगीत सफर में हजारों गीतों के माध्यम से भारतीय सिनेमा और संगीत को नई पहचान दी। डॉ. वर्मा ने कहा कि आशा ताई की गायकी हर पीढ़ी के दिलों में बसती है और उनका योगदान सदैव अमिट रहेगा। उनकी आवाज भारतीय संस्कृति की आत्मा बनकर हमेशा गूंजती रहेगी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

रांची में गिफ्ट डीड की जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का जीरो टॉलरेंस अभियान

सार्वजनिक उपयोग की जमीन पर अवैध कब्जा हटाने के लिए नगर निगम ने तेज की कार्रवाई

रांचीः राजधानी में गिफ्ट डीड की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर रांची नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए जीरो टॉलरेंस नीति लागू कर दी है. निगम ने साफ कर दिया है कि गिफ्ट डीड के तहत प्राप्त जमीन केवल सार्वजनिक उपयोग और निर्धारित उद्देश्यों के लिए है. इस पर किसी भी तरह का अतिक्रमण, दुकान संचालन या व्यावसायिक गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित है.

नगर निगम द्वारा हाल के दिनों में चलाए गए सघन अभियान के तहत शहर के अलग-अलग हिस्सों में गिफ्ट डीड की जमीन पर किए गए अवैध कब्जों की पहचान कर उन्हें हटाया गया. 10 अप्रैल 2026 को कर्बला चौक स्थित खलील रेजिडेंसी के पास गिफ्ट डीड की जमीन पर बने पांच दुकानों को हटाया गया.

इसके बाद 11 अप्रैल 2026 को लालपुर और आसपास के इलाकों में भी कार्रवाई तेज की गई. निजी बैंक के पास बनी अवैध दुकान, कोचिंग के पास बनी गुमटी, सर्कुलर रोड स्थित बैंक्वेट हॉल के सामने की संरचना और हरिओम टावर के सामने बनी दुकान को हटाया गया.

इससे पहले 20 मार्च 2026 को अशोक नगर से अरगोड़ा मार्ग स्थित साईं निजी बिल्डिंग के पास गिफ्ट डीड की जमीन पर टाइल्स और फ्लोरिंग का काम किया जा रहा था, जिसे निगम ने जेसीबी की मदद से तत्काल हटवा दिया. वहीं 20 अगस्त 2025 को हिनू मेन रोड स्थित गिफ्ट डीड की जमीन पर अस्थायी रूप से बनाए गए एक दुकान को भी हटाया गया.

नगर आयुक्त ने इस मामले में स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि यदि किसी भी भवन स्वामी, भू-स्वामी या बिल्डर की सहमति से गिफ्ट डीड की जमीन पर अतिक्रमण या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित के खिलाफ ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई की जाएगी. इसके साथ ही कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी.

नगर निगम का कहना है कि गिफ्ट डीड की जमीन सार्वजनिक संपत्ति है और इस पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा कानूनन दंडनीय अपराध है. शहर के सुव्यवस्थित विकास, यातायात व्यवस्था और सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए निगम इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रखेगा.

नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि गिफ्ट डीड की भूमि पूरी तरह सार्वजनिक उपयोग के लिए है और इस पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. यदि किसी की संलिप्तता पाई जाती है, तो ब्लैकलिस्टिंग सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी. शहर के सुव्यवस्थित विकास और पारदर्शिता के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे.

स्वयं हटाएं अतिक्रमण, वरना होगी सख्त कार्रवाईः निगम

निगम ने शहर के सभी भवन स्वामियों, बिल्डर्स और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे अपने दस्तावेजों की जांच करें और यदि कहीं गिफ्ट डीड की जमीन पर अतिक्रमण किया गया है, तो उसे स्वयं हटा लें. अन्यथा नगर निगम द्वारा सख्त और विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी.

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने डाक कर्मचारियों को दिया हर संभव सहयोग का आश्वासन

रांचीः रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भारतीय डाक कर्मचारियों को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया है। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ न केवल देश बल्कि विश्व का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है और यह कर्मचारियों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। रविवार को रांची में आयोजित भारतीय डाक कर्मचारी संघ, रांची प्रमंडल के द्वितीय द्विवार्षिक सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने यह बातें कहीं। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डाक विभाग में संघ की संबद्धता को और मजबूत किया जाएगा तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता देने की बात भी दोहराई। इस दौरान संगठन की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। नई कमेटी में श्याम सुंदर कुमार को अध्यक्ष, शशि शेखर को सचिव और जितेंद्र कुमार ठाकुर को कोषाध्यक्ष चुना गया। साथ ही पोस्टमैन और एमटीएस संबंधक की नई टीम का भी गठन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम सुंदर कुमार ने की, जबकि संचालन परिमंडलीय सचिव अरुण कुमार सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ डाक अधीक्षक बी.के. पंडित ने भी कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। सम्मेलन में परिमंडलीय सचिव प्रभात रंजन, भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह, प्रदेश मंत्री रामा शंकर और जिला मंत्री सुबोध कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

रांची में 'स्कूल रूआर-2026' अभियान की शुरुआत

» ड्रॉपआउट खत्म करने पर जोर

रांचीः जिले में बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन, पारगमन और ड्रॉपआउट रोकथाम के उद्देश्य से 'स्कूल रूआर-2026 (बैक टू स्कूल)' अभियान की शुरुआत शनिवार को समाहरणालय सभागार में की गई. इस कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया.

अभियान के तहत 13 अप्रैल को सभी प्रखंडों में प्रखंड स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जिनकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी करेंगे. वहीं 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जिले के सभी विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां चलाई जाएंगी. इस दौरान स्कूल से बाहर (आउट ऑफ स्कूल) और पढ़ाई छोड़ चुके (ड्रॉपआउट) बच्चों की पहचान कर उनका नामांकन नजदीकी विद्यालयों में सुनिश्चित किया जाएगा.

इस बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अभियान अवधि के दौरान शिक्षक घर-घर जाकर अनामांकित और ड्रॉपआउट बच्चों को चिन्हित करें और उनका शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें.

आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों का भी विद्यालयों में पारगमन कराया जाएगा. कक्षा 1 से 11 तक के सभी विद्यार्थियों का अगली कक्षा में सुचारू रूप से पारगमन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया. साथ ही यू-डाइस (U-DISE) पोर्टल पर दर्ज ड्रॉपआउट बच्चों को संबंधित विद्यालयों से जोड़ने का निर्देश दिया गया.

अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में किसी भी बच्चे को शिक्षा से वंचित न रहने देना और ड्रॉपआउट की समस्या को समाप्त करना है. कार्यक्रम में जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्रखंड स्तर के शिक्षा कर्मी और विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे.

रांची में घरेलू काम करने वाली नाबालिग की पीट-पीटकर हत्या

रांचीः कांके थाना क्षेत्र में घरेलू काम करने वाली 16 वर्षीय नाबालिग लड़की की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने महिला सुपरवाइजर और उसके भाई को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है, जिसमें नाबालिग के साथ लगातार मारपीट की पुष्टि हुई है। पुलिस के अनुसार, एक सरकारी कार्यालय में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत सुषमा कुमारी ने नाबालिग को घरेलू सहायिका के रूप में रखा था। आरोप है कि वह अक्सर नाबालिग के साथ मारपीट करती थी। शनिवार को

अत्यधिक पिटाई के कारण लड़की की मौत हो गई। इसके बाद आरोपित ने अपने भाई और ड्राइवर के साथ मिलकर शव को उसके गांव पहुंचाया और फरार हो गई। जब परिजनों ने शव देखा तो शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने रात में कांके थाना पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर और डीएसपी अमर पांडेय ने जांच की। सीसीटीवी फुटेज में मारपीट की पुष्टि हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को देगा नेतृत्व का अधिकारः गीता कोड़ा

रांचीः झारखंड में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बताया है। रविवार को रांची स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के नाम में ही उसका उद्देश्य निहित है—नारियों का सम्मान और उन्हें नेतृत्व की मुख्यधारा में भागीदारी देना। गीता कोड़ा ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वह महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी के बिना संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज महिलाएं केवल सरकारी योजनाओं की लाभार्थी नहीं रह गई हैं, बल्कि समाज और देश की 'सारथी' बनकर नेतृत्व कर रही हैं। राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल को उन्होंने ऐतिहासिक बताया और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुरू से ही महिला सशक्तिकरण के पक्षधर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में नारी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और यह माना जाता है कि जहां नारियों का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। गीता कोड़ा के अनुसार, इस अधिनियम से देश की लगभग 70 करोड़ और झारखंड की करीब पौने दो करोड़ महिलाएं प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लाभान्वित होंगी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अचानक नहीं मिली है, बल्कि इसके पीछे महिलाओं के वर्षों के संघर्ष और निरंतर प्रयास छिपे हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा पिछले एक दशक में महिलाओं के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए बताया कि 33 करोड़ महिलाओं के बैंक खाते खोले गए, मुद्रा योजना के तहत 69 प्रतिशत महिलाओं को ऋण मिला, 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया। इसके अलावा जल जीवन मिशन के तहत 14.45 करोड़ घरों में स्वच्छ पानी, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन और प्रधानमंत्री आवास योजना में 74 प्रतिशत से अधिक स्वामित्व महिलाओं को दिया गया है।

गीता कोड़ा ने कहा कि पंचायत और हालिया निकाय चुनावों में महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लागू होने से विधानसभा से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे नीति निर्माण में उनकी भूमिका और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने विपक्षी दलों से संसद के विशेष सत्र में इस विधेयक का समर्थन करने की अपील की। इस अवसर पर अधिनियम के समर्थन में 9667173333 नंबर पर मिस्ड कॉल देने का आह्वान भी किया गया।

नवकार मंत्र से विश्व कल्याण का संदेश

संवाददाता, रांचीः नवकार मंत्र के माध्यम से विश्व कल्याण का संदेश देते हुए रांची में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। दिगंबर जैन भवन में आयोजित विश्व नवकार मंत्र दिवस के अवसर पर जैन संत श्री पदम मुनि जी महाराज ने प्रवचन के दौरान इसे मानव कल्याण का वैश्विक अभियान बताया और इसके लिए संगठित प्रयासों पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. एवं उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. ने जीतो संस्था द्वारा शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की है तथा विश्व शांति और कल्याण के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया है। इस अवसर पर "प्राकृतिक व्याकरण" पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसमें मानव जीवन के मूल्यों और विश्व शांति से जुड़े विचार प्रस्तुत किए गए हैं।

प्रवचन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिससे पूरा वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। कार्यक्रम में समता युवा संघ के अध्यक्ष राकेश जैन, अशोक सुराणा, विमल दस्सानी, घेवरचंद नाहटा और अमरचंद बेगानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि नवकार मंत्र केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश देने वाला एक सार्वभौमिक मंत्र है।

पारस एचईसी हॉस्पिटल ने आयोजित किया वर्कशॉप

मैकेनिकल वेंटिलेशन वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने साझा किये अनुभव

संवाददाता, रांचीः पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची के तत्वावधान में "मैकेनिकल वेंटिलेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम एवं हैंड्स-ऑन वर्कशॉप" का सफल आयोजन किया गया। होटल ली लेक में आयोजित इस एक दिवसीय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्रिटिकल केयर से जुड़े चिकित्सा पेशेवरों को वेंटिलेटर के सुरक्षित, प्रभावी और उन्नत उपयोग की जानकारी देना था।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से मैकेनिकल वेंटिलेशन के सिद्धांत, प्रोटोकॉल और आधुनिक तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों को न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी गई, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप वेंटिलेटर संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। हैंड्स-ऑन वर्कशॉप के जरिए वेंटिलेटर के विभिन्न मोड, अलार्म सिस्टम, मरीज की स्थिति के अनुसार सेटिंग में बदलाव और जटिल परिस्थितियों के प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई।

क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ शिव अक्षत ने कहा कि मैकेनिकल वेंटिलेशन एक अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है, जिसमें मरीज की स्थिति के अनुसार निरंतर मॉनिटरिंग और सही सेटिंग बेहद जरूरी होती है। समय पर सही तकनीक का उपयोग गंभीर मरीजों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाता है और इससे मृत्यु दर को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि निजी अस्पतालों द्वारा ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे चिकित्सा क्षेत्र में जागरूकता और दक्षता बढ़े। उन्होंने पारस हॉस्पिटल के प्रयासों को उम्मीद से कहीं बेहतर बताया।

पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. ओंकार कुमार झा ने कहा कि नियमित प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुभव से चिकित्सक जटिल परिस्थितियों में बेहतर निर्णय ले पाते हैं। वहीं, फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. नीतेश कुमार ने कहा कि तेजी से बदलती चिकित्सा तकनीक के दौर में स्वास्थ्यकर्मियों का निरंतर अपडेट रहना आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम टीमवर्क और प्रोटोकॉल-आधारित उपचार को मजबूत करते हैं, जिससे अंततः मरीजों को बेहतर और सुरक्षित इलाज मिल पाता है।

कथा का छठा दिवस : 'रुक्मणी मंगल' और महारास में डूबा श्रद्धालुओं का सागर

» गोपी संवाद ने दिया निष्काम प्रेम का संदेश

रांची के चुटिया स्थित पोद्दार धर्मशाला में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अनुपम संगम देखने को मिला। सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार स्मृति भवन न्यास मंडल एवं रघुनंदन टिबरेवाल–ऋषि टिबरेवाल परिवार के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे इस आयोजन में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरा पंडाल भक्ति रस में सराबोर नजर आया।

कथा व्यास माँ चैतन्य मीरा जी ने अपने श्रीमुख से भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का ऐसा भावपूर्ण वर्णन किया कि श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। छठे दिन की कथा का मुख्य आकर्षण 'गोपी संवाद', 'महारास' और 'रुक्मणी मंगल' रहा। माँ मीरा जी ने गोपी संवाद के माध्यम से समझाया कि गोपियों का प्रेम सांसारिक आकर्षण नहीं, बल्कि पूर्ण समर्पण और निष्काम भक्ति का प्रतीक है। महारास को

उन्होंने जीवात्मा और परमात्मा के मिलन का दिव्य स्वरूप बताया, जहां अहंकार के त्याग से ही ईश्वर प्राप्ति संभव होती है।

कथा के दौरान 'रुक्मणी मंगल' का प्रसंग सबसे अधिक भावुक और आनंदमयी रहा। माँ चैतन्य मीरा जी ने बताया कि किस प्रकार देवी रुक्मणी ने भगवान श्रीकृष्ण को पत्र लिखकर अपने हृदय की भावनाएं व्यक्त कीं और उन्हें अपना जीवनसाथी बनाने की प्रार्थना की। भगवान श्रीकृष्ण ने उनके प्रेम और विश्वास को स्वीकार कर उन्हें अपनी पटरानी बनाया। विवाह प्रसंग आते ही पूरा पंडाल उत्सव में बदल गया। आकर्षक झांकियों, पुष्प वर्षा और मंगल गीतों के बीच रुक्मणी विवाह संपन्न हुआ।

भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु झूमते और नृत्य करते नजर आए, जिससे वातावरण गोकुलधाम जैसा प्रतीत होने लगा। प्रवचन के दौरान माँ मीरा जी ने कहा कि भक्ति मार्ग में तर्क नहीं, बल्कि भाव और विश्वास का विशेष महत्व होता है। सच्चे हृदय से की गई भक्ति ही ईश्वर तक पहुंचने का सरल मार्ग है।

कार्यक्रम में वार्ड 14 की पार्षद अंजू देवी, उदय कुमार, संजय सर्राफ सहित कई गणमान्य अतिथियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने बताया कि कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित्र और श्रीकृष्ण के स्वधाम गमन के प्रसंग के साथ कथा का विश्राम होगा और श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई।

बीसीआइ प्लेटिनम की बैठक में नई कार्यकारिणी ने संभाला पदभार

रांचीः राजधानी रांची में रविवार को बीसीआइ प्लेटिनम की एक महत्वपूर्ण बिजनेस बैठक आयोजित की गई, जिसमें नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। बैठक के दौरान अध्यक्ष सुनील कालारा, सचिव रोहन साहा, उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश गुप्ता और कोषाध्यक्ष अरविंद आर्या ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियां संभालीं।

इस अवसर पर अध्यक्ष सुनील कालारा ने कहा कि बीसीआइ प्लेटिनम केवल एक व्यावसायिक मंच नहीं है, बल्कि यह एक सशक्त नेटवर्क है, जो सदस्यों के बीच विश्वास, सहयोग और नए अवसरों का सेतु बनाता है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में रेफरेंस आधारित कारोबार तेजी से बढ़ रहा है और इसे संगठित रूप देना समय की जरूरत है। संस्था इस दिशा में लगातार काम करेगी।

मेंटोर किशोर मंत्री ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी सदस्य मिलजुल कर कार्य करें, ताकि संस्था निरंतर प्रगति करती रहे। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास, सकारात्मक सोच और मजबूत नेटवर्किंग के जरिए बीसीआइ प्लेटिनम निश्चित रूप से नई ऊंचाइयों को छुएगा।

बीसीआइ के एमडी धीरज ग्रोवर ने कहा कि संस्था को एक नई पहचान दिलाने का लक्ष्य है और लोगों का जुड़ाव तेजी से बढ़ रहा है, जिससे यह एक बड़े परिवार का रूप लेता जा रहा है।

बैठक में पिछले माह के कारोबार की समीक्षा भी की गई और बेहतर प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अजय कुमार, शिव कुमार, रमेश कुमार, डॉ. सजीत कुमार, सुबोध कुमार वर्मा और राजीव शर्मा सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें...

मांडर–बुडमू मार्ग पर दो बाइक की टक्कर, तीन गंभीर

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के मांडर से बुडमू जाने वाले मुख्य मार्ग पर रविवार को लगभग 2 बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में रानीचाचो गांव निवासी 30 वर्षीय राहुल गोप, बुडमू थाना क्षेत्र के बुडमू गांव निवासी 38 वर्षीय विजय मुंडा तथा 30 वर्षीय आशा देवी शामिल हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत मांडर स्थित रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कोयलांचल टंडवा मनाई गई चौहरमल की 713वीं जयंती समाज ने लिया शिक्षा और एकता का संकल्प

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतरा : जिले के कोयलांचल क्षेत्र टंडवा प्रखंड में रविवार को वीरता, त्याग और सामाजिक न्याय के प्रखर पुरोधा वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल की 713वीं जयंती अत्यंत धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। अस्पताल के समीप स्थित पासवान टाउन हॉल में आयोजित इस भव्य समारोह में समाज के सैकड़ों लोगों ने जुटकर बाबा चौहरमल को नमन किया और उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। समारोह का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि सिमरिया विधानसभा के पूर्व विधायक किशुन कुमार दास, विशिष्ट अतिथि सुमित कुमार पासवान और कांग्रेस नेता सुभाष कुमार दास ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बाबा चौहरमल के चित्र पर माल्यार्पण के साथ-साथ संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर देवकी रजक,प्रोफेसर छोटन पासवान,विजय पासवान,पवन पासवान,मुकेश पासवान,संजय पासवान,अवध राज पासवान,सुधीर पासवान,बबलू पासवान,सचिन पासवान,आकाश पासवान,बिहारी पासवान, मदन पासवान,गोविंद पासवान,भोलाराम पासवान,अजीत पासवान,रंजन पासवान,राजू पासवान,रोहित पासवान, दिनेश पासवान,विनोद पासवान,अनमोल पासवान, राजेश पासवान,देवी रजक एवं सूरज पासवान सहित सैकड़ों की संख्या में बुद्धिजीवी,महिलाएं और युवा मौजूद थे।

चतरा में ब्राह्मण सामाजिक राजनीतिक मंच की हुई बैठक लिए गए अहम निर्णय

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः रविवार को स्थानीय बाबा पत्थलदास मंदिर के प्रांगण में ब्राह्मण सामाजिक राजनीतिक मंच की बैठक सुनिता मिश्रा जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ सभी विप्रों ने सस्वर स्वस्तिवाचन पाठ से प्रारंभ किया। तत्पश्चात सभी ने अपने परिचय के साथ बैठक के उद्देश्यों एवं संगठन विस्तार पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए सभी विप्रों ने अपना अपना मंतव्य प्रस्तुत किया।और सभी ने एकमत से सभी प्रखंडों में संयोजक और सह संयोजक कि नियुक्ति का प्रस्ताव दिया।

मेहनत लाई रंग :आकांक्षा योजना में चौपारण के नीतिश कुमार ने बनाई अपनी जगह

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी आकांक्षा योजना के तहत जारी फाइनल सूची में चौपारण प्रखंड के अमौली अपूर्व उच्च विद्यालय के छात्र नीतिश कुमार ने स्थान बनाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सूची में उनका नाम 85वें स्थान पर दर्ज है, जिससे विद्यालय परिवार और क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। जानकारी के अनुसार, आकांक्षा योजना के तहत पूरे राज्य से सरकारी विद्यालयों के मेधावी छात्रों का चयन प्रतियोगिता के आधार पर किया जाता है। इस कठिन चयन प्रक्रिया में नीतिश कुमार ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि को उनके व्यक्तिगत परिश्रम के साथ-साथ शिक्षकों के मार्गदर्शन का भी परिणाम माना जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मदन साव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं, बल्कि छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने कहा कि नीतिश की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और इससे विद्यालय में शैक्षणिक वातावरण और बेहतर होगा। विद्यालय के शिक्षकों ने भी नीतिश कुमार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद सरकारी विद्यालयों के छात्र लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। नीतिश कुमार की इस सफलता से उनके परिवार के साथ-साथ पूरे चौपारण क्षेत्र में खुशी की लहर है।

इंडियन पब्लिक स्कूल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक माहौल के लिए प्रसिद्ध है - मुजीब अली

कांके : इंडियन पब्लिक स्कूल चंदवे अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक माहौल के लिए प्रसिद्ध यह संस्थान अभिभावकों और विद्यार्थियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। संस्थान में आधुनिक शिक्षा पद्धति के साथ अनुशासित वातावरण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। यहां पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, घोड सवारी,सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नैतिक शिक्षा, इस्लामी की दीनियत पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।इस स्कूल में अनुभवी और प्रशिक्षित शिक्षकों की टीम विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन देती है, जिससे वे अपनी क्षमता के अनुसार बेहतर प्रदर्शन कर सकें। संस्थान में स्मार्ट क्लासरूम,आधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय और सुरक्षित परिसर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ ही नियमित परीक्षण, करियर काउंसलिंग तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जाती है।स्कूल के चेयरमैन मुजीब अली ने बताया कि इस स्कूल की स्थापना का उद्देश्य केवल शैक्षणिक सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को जिम्मेदार, आत्मनिर्भर और संस्कारी नागरिक बनाना है। महज एक साल के भीतर ही यह संस्थान अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से एक बेहतर पहचान बना चुका है। इंडियन पब्लिक स्कूल सीबीएसई स्कूल है,यहां नर्सरी से 9वीं कक्षा तक शिक्षा, आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ शिक्षा दी जाती है।संस्थान में सीबीएसई पैटर्न पर पढ़ाई कराई जाती है और विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल की भी विशेष व्यवस्था उपलब्ध है। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे समय रहते अपने बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करें।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन का उप चुनाव के लिए मतदान 17 अप्रैल को होगा

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन में सेवानिवृत्ति के बाद तीन रिक्त पदों (एक उपाध्यक्ष, एक सहायक सचिव तथा एक कमेटी मेंबर) पर उपचुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। उपचुनाव से संबंधित सूचना 10 अप्रैल को सूचना पट्ट पर चिपकाई गई थी। जबकि 11 अप्रैल को चुनाव नियमावली, चुनाव क्षेत्र संख्या, वोटर लिस्ट का प्रकाशन हुआ। वहीं 13 अप्रैल सोमवार को वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन होगा। साथ ही नामांकन फार्म का वितरण सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाएगा। 14 अप्रैल को नामांकन पत्र जमा लिया जाएगा , फिर नामांकन पत्रों के सूची का प्रकाशन होगा। उसी दिन जांचोपरांत वैध उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी।

लेक एवेन्यू मोहल्ला समिति का सम्मान समारोह एवं उद्घाटन कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न

मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रांची की महापौर श्रीमती रोशनी खलखो उपस्थित

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : कांके रोड स्थित लेक एवेन्यू मोहल्ला समिति द्वारा आयोजित सम्मान समारोह एवं उद्घाटन कार्यक्रम अत्यंत सफलतापूर्वक एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित लगभग 150 लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची के सांसद एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, रांची की महापौर श्रीमती रोशनी खलखो, डिप्टी मेयर श्री नीरज कुमार एवं स्थानीय पार्षद नकुल तिर्की का आगमन हुआ। समिति की ओर से सभी अतिथियों का पौधा एवं अंग वस्त्र भेंट कर पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों ने मोहल्ला समिति द्वारा किए जा रहे सुंदरीकरण एवं विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल समाज के लिए प्रेरणादायक है और नागरिक सहभागिता से ही क्षेत्र का समग्र विकास संभव है। साथ ही उन्होंने भविष्य में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को भी प्रभावी ढंग से उठाया गया। विशेष रूप से सड़क के कालीकरण एवं नाली निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को अतिथियों के समक्ष रखा गया, जिस पर उन्होंने सकारात्मक रुख अपनाते हुए शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। इसके अतिरिक्त मोहल्ले में यातायात पुलिस के लिए बैठने की विशेष व्यवस्था भी समिति द्वारा की गई, जिसकी सभी अतिथियों ने प्रशंसा करते हुए इसे एक अनुकरणीय पहल बताया।

बैठक में मोहल्ले के समग्र विकास को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें सुंदरीकरण अभियान, प्रत्येक मंगलवार हनुमान जी का महापाठ एवं भोग वितरण, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। साथ ही, मजार से संबंधित समस्या एवं उसके संभावित दुष्परिणामों पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया, जिसमें सभी ने मिलकर समाधान हेतु सहयोग देने का संकल्प लिया।यह भी उल्लेखनीय है कि पूर्व में श्री संजय सेठ द्वारा स्वप्रेरणा से सड़क निर्माण कार्य कराया गया था। इसके बाद मोहल्ला समिति ने स्वयं के संसाधनों एवं आपसी सहयोग से सुंदरीकरण, अतिक्रमण हटाने, पौधारोपण सहित कई विकास कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए हैं, जो क्षेत्रीय एकता एवं जागरूकता का प्रतीक है।कार्यक्रम का सफल संचालन समिति के सचिव श्री मुकेश काबरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन के पश्चात सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से अल्पाहार ग्रहण किया एवं हनुमान मंदिर में आयोजित सामूहिक पाठ में भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष विकास सिंह, रविंद्र मोदी, रूपेश भला, आनंद जलान, राहुल साहू, रोहित कटारुका, विवेक सिंघानिया, अशोक नारसरिया, रामप्रसाद जालान, संजय सर्राफ, अतुल मारू, जयंत नाथ शाहदेव, कैलाश सिंघानिया, सिद्धार्थ सिंघानिया, धर्मेंद्र कुमार, गौरव काबरा, प्रवीण राजगढ़िया, मेधावी लोहिया, श्रीमती उषा जालान, श्रीमती संगीता मोदी, शरद मोदी, कु. आयुषी काबरा सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।अंत में मोहल्ला समिति ने सभी निवासियों एवं सहयोगकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग एवं सहभागिता से यह कार्यक्रम सफल हो सका। समिति ने भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

युवा कांग्रेस कार्यालय लोहरदगा में सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत की गई

लोहरदगाः लोहरदगा के राजेंद्र भवन, कांग्रेस कार्यालय में युवा कांग्रेस के बैनर तले सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत की गई है। यह आंदोलन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा, जब तक कि किसानों, युवाओं और आम जनता के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ न्याय नहीं मिल जाता।

इस सत्याग्रह में युवा कांग्रेस लोहरदगा के जिला अध्यक्ष एम.डी. दानिश अली के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से प्रदेश महासचिव विशाल डुंगडुंग, जिला उपाध्यक्ष गुलाम जिलानी, इमरोज अंसारी, आफताब अंसारी, विधानसभा अध्यक्ष आसिफ इमाम, विधानसभा उपाध्यक्ष फारूक हुसैन, जिला महासचिव फैयाज अंसारी, अबशर खान, कैरो प्रखंड अध्यक्ष जाहिद अंसारी, सेन्हा प्रखंड अध्यक्ष मुदस्सर अंसारी, किस्को प्रखंड उपाध्यक्ष आदिल उमर, भंडारा प्रखंड उपाध्यक्ष मकदुम अंसारी, राजा अंसारी, हिफजुर रहमान, अमन खान, आयन खान, शिवम् सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में युवा कांग्रेस के साथी मौजूद रहे।

इस अवसर पर माननीय राष्ट्रीय सहसचिव प्रीति मांझी जी ने कहा- "युवा कांग्रेस का यह संघर्ष जनता की आवाज है। किसानों और युवाओं के हक की लड़ाई में हम हर स्तर पर उनके साथ खड़े हैं। यह आंदोलन आने वाले समय में और मजबूत होगा और सरकार को झुकने पर मजबूर करेगा।"

प्रदेश महासचिव विशाल डुंगडुंग ने अपने बयान में कहा "आज देश का किसान परेशान है, उसकी मेहनत का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। यह सरकार लगातार किसान विरोधी नीतियां लागू कर रही है। युवा कांग्रेस इस अन्याय को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रहेगा।"

जिला अध्यक्ष एम.डी. दानिश अली ने अपने तीखे और जोशीले बयान में कहा "आज का यह सत्याग्रह सिर्फ एक आंदोलन नहीं, बल्कि किसानों और आम जनता की हक की लड़ाई है। यह सरकार पूरी तरह किसान विरोधी बन चुकी है और उनके अधिकारों को लगातार कुचल रही है।

हम साफ कहना चाहते हैं कि जब तक किसान विरोधी फैसलों को वापस नहीं लिया जाता और किसानों को उनका हक नहीं मिलता, तब तक युवा कांग्रेस का यह आंदोलन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा।

हम डरने वाले नहीं हैं, हम झुकने वाले नहीं हैं।

हम लड़ेंगे, हम जीतेंगे — और किसानों को उनका अधिकार दिलाकर रहेंगे।"

पिठोरिया चौक में एनके इंटरप्राइजेज और फिटनेस सेंटर का विधायक सुरेश बैठा ने किया उद्घाटन

पिठोरियाः राजधानी के पिठोरिया स्थित कोनकी चौक पर एनके इंटरप्राइजेज और एनके फिटनेस का भव्य उद्घाटन रविवार को धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कांके विधायक सुरेश बैठा ने विधिवत फीता काटकर दोनों प्रतिष्ठानों का शुभारंभ किया। उद्घाटन करते हुए विधायक ने कहा कि स्थानीय स्तर पर इस तरह के आधुनिक फिटनेस सेंटर और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के खुलने से क्षेत्र के युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने का अवसर मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

इस खास मौके पर विशिष्ट अतिथियों में पूर्व जिला परिषद सदस्य ऐनुल हक अंसारी, महावीर मंडल के अध्यक्ष कृष्णा नायक, कांके के पूर्व मुखिया अभिषेक राज हिरेंज और पूर्व मुखिया सोमरा उरांव ने भी शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी फिरदोस आलम, असफाक अंसारी,अली हसन,नूर हसन, सदाक अंसारी,एनामुल हक, मोहम्मद माजित और सफीउल्ला अंसारी सहित भारी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग और ग्रामीण मौजूद रहे। उपस्थित सभी लोगों ने प्रतिष्ठान के संचालक को नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि पिठोरिया क्षेत्र के लोगों को अब बेहतर और आधुनिक सुविधाएं अपने ही इलाके में सुलभ हो सकेंगी।

भाजपा ने "गांव चले अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ जनसंघी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के ओरमांझी पंचायत में रविवार को जनता पार्टी द्वारा आयोजित "गांव चले अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ जनसंघी कार्यकर्ताओं को केसरिया गमछा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने वरिष्ठजनों के योगदान को याद करते हुए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को शून्य से शिखर तक पहुंचाने में इन समर्पित कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने बताया कि इन्हीं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने पार्टी की मजबूत नींव रखी, जिसके आधार पर आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है।अपने संबोधन में सुरेंद्र महतो ने कहा कि ऐसे अनुभवी और समर्पित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का आशीर्वाद आज भी पार्टी को दिशा देने का काम कर रहा है। उनका अनुभव और संघर्ष सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे वरिष्ठजनों के बताए मार्ग पर चलकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे।सम्मानित जनसंघ कार्यकर्ताओं में परमानंद तिवारी, रामावतार लाल गुप्ता,सुरजन महतो, कंदरू महतो, अमलु महतो, शिवचरण महतो, हरि महतो और आलो महतो शामिल थे। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष नरेश साहू, कार्यक्रम प्रभारी सिकंदर महतो, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिलीप मेहता, पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता, सत्यनारायण तिवारी, मंडल उपाध्यक्ष आनंद मेहता सहित कई लोग उपस्थित रहे।

ओरमांझी में अगरबत्ती,चप्पल एवं दोना-पत्तल फैक्ट्री का हुआ उद्घाटन

हर हाथ को रोजगार देना हमारी पहली प्राथमिकता है- पंकज कमल

ओरमांझी। ओरमांझी पंचायत में रविवार को BJJP ग्रुप के नए कॉर्पोरेट ऑफिस के साथ-साथ अगरबत्ती फैक्ट्री, चप्पल फैक्ट्री एवं दोना-पत्तल फैक्ट्री का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड कोऑपरेटिव लिमिटेड के चेयरमैन सत्येंद्र चौहान उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में ओरमांझी के मुखिया दीपक बड़ाइक एवं ओरमांझी पूर्वी की जिला परिषद सदस्य सरिता देवी ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी अतिथियों ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर नई इकाइयों का विधिवत शुभारंभ किया।

BJJP Group के संस्थापक पंकज कमल ने अपने संबोधन में कहा कि"हर हाथ को रोजगार देना हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस ग्रुप से जुड़कर कोई भी व्यक्ति कम लागत में अपना व्यवसाय शुरू कर सकता है और प्रतिमाह 30 से 40 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर सकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने BJJP ग्रुप की इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र में रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

इस उद्घाटन के साथ ही क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।इस अवसर पर दिनेश बारी,पवन कुमार दास, पवन सिंह वार्ड सदस्य सत्यम कुशवाहा कुमार सोरण, कुणाल कुमार, रंजित कुकार विकास कुमार,गोतम शाह, आरती कमल,अनुपमा अचार्या, अशोक कुमार,कामेश्वर प्रजापति शैलेन्द्र चौहान,अखीलेश सिंह,विनोद चौबे,उमेश कुमार महतो,प्रविण सिंह राठौर आदि उपस्थित आदि उपस्थित थे।

नेवरी रिंग रोड पर तेज रफ्तार ट्रक का कहर, तीन गाड़ियों की टक्कर में वैगनआर क्षतिग्रस्त

ओरमांझी। ओरमांझी क्षेत्र के नेवरी रिंग रोड गोल चक्कर के पास शनिवार की सुबह करीब 8:30 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक गाड़ी नंबर MH40(AK 3264) की टक्कर से सड़क हादसा हो गया। इस घटना में एक वैगनआर कार जे एच 01(एवी 5460) समेत तीन वाहन आपस में टकरा गए, जिससे वैगनआर गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वैगनआर चालक ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के पहुंच के रहने वाले राजधाम साहू अपनी गाड़ी लेकर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आगे दो गाड़ियाँ रुकी हुई थीं, जिसके कारण वैगनआर भी सड़क पर खड़ी थी। तभी पीछे एक इको गाड़ी आकर रुकी, जिसमें नर्सिंग की छात्राएं सवार थीं।

इसी बीच पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक (नंबरः MH-40 AK-3264) ने जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से इको गाड़ी आगे बढ़कर वैगनआर से टकरा गई, जिससे वैगनआर को भारी नुकसान हुआ।

घटना के बाद मौके पर मौजूद कुछ स्थानीय लोगों की मदद से स्थिति संभाली गई, लेकिन ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। बताया जाता है कि कुछ युवकों द्वारा ट्रक का पीछा करने की कोशिश की गई, लेकिन वह भागने में सफल रहा। पीड़ित भाजपा नेता राजधाम साहू द्वारा संबंधित बीईटी ओपी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है, हालांकि खबर लिखे जाने तक पुलिस उक्त ट्रक को पकड़ने में सफल नहीं हो पाई है।पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि मामले में तत्परता दिखाते हुए ट्रक और उसके चालक के खिलाफ शीघ्र कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

मंडा पूजा रविवार को झूलन सह मेला के साथ संपन्न

बुढ़मू : प्रखंड क्षेत्र के बंसरी गांव में शिव उपासना का पूजा मंडा पूजा रविवार को झूलन सह मेला के साथ संपन्न हो गया। इससे पूर्व शनिवार की देर शाम भक्तियों ने लोटनसेवा, धुँआसी आदि अनुष्ठान संपन्न किया। इसके बाद 210 भक्तियों ने पंडित देवेन्द्र गोसाई के नेतृत्व में शिव उपासना का परिचय देते हुए दहकते अंगारों पर चलकर फुलखुन्दी अनुष्ठान संपन्न किया। रात्रि में नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन भाजपा के वरीय नेता स्वामी देवेन्द्र प्रकाश, तेली समाज के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साहु व आजसू पार्टी के कांके प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव ने किया। मंडा पूजा के सफल आयोजन में समिति के दीपक सिंह,परिबा साहु, कृष्णा साहु, विश्वनाथ मुंडा,शंकर लोहरा,जनार्दन साहु, संदीप साहु, सुनील महतो,जयकुमार साहु आदि की सराहनीय भूमिका रही।

तेली साहू महासभा ने वर्तमान अध्यक्ष राकेश साहू पर पद का दुरुपयोग कर अवैध चंदा उगाही करने का लगाया आरोप

जमशेदपुर । साकची स्थित जानकी भवन कुम्हारपाड़ा में अखिल भारतीय तेली साहू महासभा द्वारा एक आम सभा का आयोजन किया गया जिसमें सभी सदस्यों ने वर्तमान जिला कमेटी के संचालन को लेकर चिंता व्यक्त किया । सदस्यों का कहना है कि अखिल भारतीय तेली साहू महासभा जिला इकाई का कार्यकाल संविधान में निहित प्रावधान के तहत 3 वर्षों का है , लेकिन वर्तमान कमेटी चुनाव के बाद 6 वर्ष 2 कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद भी सातवां वर्ष में प्रवेश कर चुका है । जिला कमेटी का चुनाव फरवरी वर्ष 2020 में संपन्न हुआ था इसके बाद भी वर्तमान अध्यक्ष राकेश साहू , कोषाध्यक्ष सुरेश साहू और महामंत्री पप्पू साहू के द्वारा ना तो किसी प्रकार का लेखा-जोखा एवं अंकेक्षक से ऑडिट रिपोर्ट दे रहे हैं ना तो चुनाव करवा रहे हैं और अवैध तरीके से पद में पदस्थापित हैं तथा भारी वित्तीय अनियमितता समाज के अंदर कर रहे हैं । अभी भी कार्यक्रमों के नाम पर चंदा की उगाही हो रही है एवं समाज के सदस्यों के बीच आमदनी एवं खर्चा का हिसाब नहीं प्रस्तुत किया जा रहा है । आमसभा में सभी सदस्यों ने एक स्वर में प्रस्ताव पारित किया कि वर्तमान कमेटी को दिनांक 19 अप्रैल 2026 तक वर्तमान कमेटी को ऑडिट रिपोर्ट आमदनी खर्चा डिटेल 19 अप्रैल 20 26 के पूर्व चुनाव संचालन समिति के पास जमा करें और दूसरा प्रस्ताव पारित किया गया , जिसमें चुनाव संचालन समिति का गठन किया गया । चुनाव संचालन समिति में मुख्य रूप से हरिहर प्रसाद , द्वारिका प्रसाद, विनोद गुप्ता , शशिकांत महाराज ,अधिवक्ता जवाहर साहू एवं प्रमोद साहू को चुनाव संचालन समिति में नाम प्रस्तावित किया गया जिसका सभी सदस्यों ने स्वागत किया । वहीं तीसरे प्रस्ताव में वर्तमान कमेटी को चंदा देने से सभी सदस्यों ने रोक लगाई , क्योंकि समाज के पैसे का उपयोग सही जगह पर नहीं हो रहा और समाज में वित्तीय अनियमित हो रही है । आमदनी खर्चा का ऑडिट रिपोर्ट वर्तमान कमेटी द्वारा जमा करने के बाद समाज का अभिलंब चुनाव संविधान में निहित प्रावधान के तहत करवाया जाएगा ।

मानगो नगर निगम चुनाव 2026 पर विवाद, मेयर परिणाम को कोर्ट में चुनौती , चुनाव रद्द करने की मांग

जमशेदपुर । मानगो नगर निगम चुनाव 2026 के परिणाम को लेकर विवाद अब गहराता जा रहा है। मेयर पद के चुनाव परिणाम को चुनौती देते हुए मामला अदालत तक पहुंच गया है। जमशेदपुर की निवासी संध्या सिंह ने झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 580 और 582 के तहत न्यायालय में याचिका दायर की है। अपनी याचिका में उन्होंने निर्वाचित प्रत्याशी सुधा गुप्ता पर नामांकन के दौरान गलत और भ्रामक जानकारी देने का गंभीर आरोप लगाया है। संध्या सिंह का कहना है कि संबंधित प्रत्याशी पहले कदमा क्षेत्र के मतदाता थे, लेकिन चुनाव से ठीक पहले उनका नाम मानगो क्षेत्र की मतदाता सूची में जोड़ा गया। जबकि उनके वास्तविक निवास में कोई बदलाव नहीं हुआ था। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या यह परिवर्तन सिर्फ चुनाव लड़ने की पात्रता हासिल करने के लिए किया गया। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि मतदाता सूची में नामांतरण प्रक्रिया के दौरान नियमों की अनदेखी हुई और रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा उचित जांच नहीं की गई, जिससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की है कि मानगो नगर निगम के मेयर निर्वाचित प्रत्याशी के चुनाव को शून्य और अवैध घोषित किया जाए और 27 फरवरी 2026 को घोषित चुनाव परिणाम को रद्द कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।।अब इस मामले में अदालत का फैसला ही तय करेगा कि मानगो नगर निगम के चुनाव परिणाम पर उठे ये सवाल किस दिशा में जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें...

समस्तीपुर में लोडेड ट्रैक्टर ने मजदूर को कुचला

समस्तीपुर. समस्तीपुर में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने साइकिल सवार मजदूर को रौंद दिया। मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान केवलारी गांव के निवासी महेंद्र यादव(60) के तौर पर हुई है। घटना बिथान थाना क्षेत्र के सुरहा गड़ही गांव की है। मृतक के छोटे भाई सियाराम यादव ने भैया ईंट भट्ठा पर काम करते थे। काम खत्म होने के बाद शनिवरा रात घर लौट रहे थे। रास्ते में मिट्टी लोडेड ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हादसे की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। चेकअप के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम अस्पताल पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंप दिया। मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, इस संबंध में रोसड़ा डीएसपी संजय सिन्हा ने बतलाया कि बुजुर्ग मजदूर की ट्रैक्टर की टक्कर से मौत हुई है। आरोपी ड्राइवर हादसे के बाद गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। केस दर्जकर छानबीन की जा रही है।

गयाजी में फर्जी आईबी अफसर गिरफ्तार

गयाजी. गयाजी रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के फर्जी अधिकारी बनकर घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचना पटना जिला के मसौढ़ी निवासी विक्रम कुमार के तौर पर हुई है। फर्जी आईकार्ड और एक टैब बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार, 11 अप्रैल देर शाम RPF पोस्ट के निरीक्षक बनारसी यादव और रेल थानाध्यक्ष शिवकुमार के निर्देश पर टीम स्टेशन पर विशेष जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-6 पर एक संदिग्ध युवक पर नजर पड़ी। टीम ने पूछताछ की तो उसने खुद को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) का जूनियर इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर बताया। शक होने पर पहचान पत्र की जांच की गई। आईकार्ड को स्थानीय आईबी कार्यालय भेजा गया। सत्यापन में यह पूरी तरह फर्जी पाया गया। जांच में साफ हुआ कि आरोपी फर्जी अधिकारी बनकर रेलवे परिसर में घूम रहा था और लोगों को भ्रमित कर रहा था। आरोपी के खिलाफ कांड संख्या 102/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 171 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है कि वह किस मकसद से फर्जी पहचान बनाकर घूम रहा था। कहीं किसी ठगी या अन्य आपराधिक गतिविधि में शामिल तो नहीं था।

सहरसा ईंट भट्ठा मामले में कार्रवाई, 7 नाबालिगों का संरक्षणः87 को सुरक्षित भेजा गया असम, 1 गिरफ्तार

सहरसा. सहरसा में शनिवार को 7 नाबालिग लड़कियों को संरक्षण में लिया गया है, जबकि 87 मजदूरों को सुरक्षित उनके गृह राज्य असम भेजा गया। घटना नगर निगम क्षेत्र के भेड़दरी वार्ड संख्या 46 स्थित एक ईंट भट्ठे की है। इस मामले में भट्ठा मालिक ओवेश करनी उर्फ चुन्नू मुखिया पर मजदूरों को प्रताड़ित करने और 7 नाबालिग लड़कियों के साथ रेप का आरोप है। सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। न्यायालय के आदेश के बाद, भट्ठे पर कार्यरत कुल 19 परिवारों के 94 सदस्यों में से सात नाबालिग लड़कियों को सुरक्षा और देखरेख के लिए वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है। 87 मजदूरों शनिवार को जिला प्रशासन ने मजिस्ट्रेट और पुलिस वालों की तैनाती कर उनके गृह राज्य वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई। सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रेयांश तिवारी के निर्देश पर श्रम विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन मजदूरों को सुरक्षित घर भेजने का प्रबंध किया। श्रम अधीक्षक संतोष कुमार झा के नेतृत्व में दो बसों की व्यवस्था कर सभी मजदूरों को असम के धुबरी जिला भेजा गया। प्रशासन ने रास्ते में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस बल भी तैनात किया। श्रम अधीक्षक संतोष कुमार झा ने बताया कि इनमें से करीब 60 मजदूर बंधुआ श्रमिक थे, जिनसे जबरन काम कराया जा रहा था और उनका शोषण किया जा रहा था। मजदूरों के अलग-अलग बयान के आधार पर श्रम विभाग ने सहरसा सदर थाने में ईंट भट्ठा मालिक और उसके मुंशी पर प्राथमिकी दर्ज कर चुकी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी भट्ठा मालिक और उसके मुंशी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुके है। प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले की गहन जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बिजली बिल के आधार पर होगा संपत्तियों का सर्वे

पटना. पटना नगर निगम की ओर से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सेल्फ असेसमेंट प्रक्रिया शुरू हो गई है। नागरिक अब पोर्टल के माध्यम से अपनी संपत्ति का टैक्स असेसमेंट ऑनलाइन कर सकते हैं। इसके साथ ही निगम कार्यालय आकर भी सेल्फ असेसमेंट फॉर्म जमा कर सकते हैं। वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही यानी कि 30 जून से पहले प्रॉपर्टी टैक्स का एकमुश्त भुगतान करने पर 5% की छूट का लाभ भी प्रॉपर्टी होल्डर को दिया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति ने पटना नगर निगम क्षेत्र में नई संपत्ति (जमीन, फ्लैट आदि) खरीदी है, तो संपत्ति अर्जन के 30 दिनों के भीतर उसका सेल्फ टैक्स असेसमेंट कराना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने पर आवासीय संपत्ति के मामले में 2,000 रुपए और गैर -आवासीय संपत्तियों के लिए 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। इसी प्रकार, सेल्फ टैक्स असेसमेंट के बाद यदि किसी आवासीय संपत्ति का उपयोग गैर-आवासीय प्रयोजन के लिए किया जाता है, यह किसी गैर-आवासीय संपत्ति का उपयोग आवासीय श्रेणी में किया जा रहा है या संपत्ति में नया निर्माण कराया जाता है, तो ऐसी स्थिति में उस संपत्ति का फिर से टैक्स असेसमेंट कराना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने पर 100 फीसदी पेनाल्टी के साथ राशि की वसूली की जाएगी। वर्तमान में पटना नगर निगम क्षेत्र में लगभग 3.06 लाख संपत्तियां रजिस्टर्ड हैं। बीते वर्षों में पटना के तेजी से हुए विस्तार, सड़कों की श्रेणी के पुनर्निर्धारण और संपत्तिधारकों की ओर से किए गए सेल्फ असेसमेंट के मद्देनजर पटना नगर निगम द्वारा बिजली कनेक्शन के आधार पर सभी आवासीय और गैर-आवासीय संपत्तियों का सर्वे और असेसमेंट किया जाएगा। इसके साथ ही, ऐसे संपत्तिधारकों पर कार्रवाई की जाएगी जिन्होंने सेल्फ एसेसमेंट के दौरान गलत जानकारी दी है।

पटना जू में देखने को मिलेंगे 24 नए जानवर

पटना. पटना जू में जल्द ही 24 नए जानवर देखने को मिलेंगे। पटना जू में एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दिल्ली जू और रोहतक जू से नए जानवर आ रहे हैं। दिल्ली जू के साथ हुए समझौते के तहत, पटना जू को 1 सफेद बाघिन मिलने वाली है। वहीं, 6 संघाई हिरण, 4 सफेद ब्लैकबक, 4 गुलाबी पेलिकन, 4 पेंटेड स्टॉर्क और 1 सफेद बगुला शामिल हैं। इसके साथ ही रोहतक जू से 2 ग्रीन इगुआना और 2 सिल्वर फिजेंट मिलेंगे। अप्रैल अंत तक इन जानवरों के पटना जू पहुंचने की उम्मीद है। दिल्ली जू से आने वाले संघाई हिरण में दो नर और चार मादा, सफेद ब्लैकबक में दो नर और दो मादा होंगे। इसके बदले दिल्ली जू को पटना जू की ओर से एक मेल टाइगर, 4 घड़ियाल, 4 इंडियन मृग, 4 इंडियन वुल्फ, 2 कॉमन रैट स्नेक और 2 बार्न आउल दिए जाएंगे। इसके साथ ही भेड़ियों की एक जोड़ी हरियाणा के रोहतक जू भेजी जाएगी। दोनों जू से एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम को मंजूरी मिल गई है। अब पटना जू की टीम दोनों चिड़ियाघरों का दौरा करेगी और उनकी टीमें भी इस प्रक्रिया को गति देने के लिए यहां आएंगी। जू प्रशासन के अनुसार सफेद ब्लैकबक और हरे इगुआना विजिटर्स के लिए एक नया आकर्षण होंगे। नए जानवरों के लिए ब्लैकबक के बगल में एक अलग बाड़ा बनाया गया है।

18-19 अप्रैल को समस्तीपुर में माले का जिला सम्मेलन

समस्तीपुर. भाकपा माले की ताजपुर प्रखंड कमेटी की बैठक गांधी चौक पर हुई। बैठक में समस्तीपुर में होने वाले दो दिवसीय जिला सम्मेलन की सफलता और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की गई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने की। जानकारी के अनुसार, भाकपा माले का जिला सम्मेलन 18 और 19 अप्रैल को कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर में आयोजित किया जाएगा। बैठक में आने वाले 15 अप्रैल को राज्य सम्मेलन के लिए डेलीगेट चुनाव और जिला सम्मेलन की तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में संगठनात्मक और आंदोलनात्मक कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें संगठन को मजबूत करना, सदस्यता अभियान को तेज करना और जनसमस्याओं को लेकर आंदोलन चलाने का फैसला शामिल है।

'चाचा झुकना पसंद किए, लालू जी लड़ना पसंद किए': तेजस्वी बोले- हम बोले थे भाजपा नीतीश जी को रहने नहीं देगा, देखिए जा रहे दिल्ली

पटना. पटना के बापू सभागार में पान महासम्मेलन आयोजित किया गया है। मुख्य अतिथि के तौर पर बिहार विधानसभा के विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव भी इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव की आरती उतारकर उनका स्वागत किया। उनके साथ मदन मोहन झा, आईपी गुप्ता सहित कई नेता मंच पर मौजूद हैं। मंच पर तेजस्वी यादव, आईपी गुप्ता और झलकारी बाई के वंशज मंगल सिंह को चांदी का मुकुट पहनाया गया। उन्हें चांदी की गदा भी दी गई। मंगल सिंह अपने साथ 1857 की लड़ाई के दौरान वीरांगना झलकारी बाई की तलवार लेकर आए, जिसे आईपी गुप्ता ने लहराकर समर्थकों को दिखाया। इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के अध्यक्ष और सहरसा के विधायक आईपी गुप्ता ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी निमंत्रण दिया था। मदन मोहन झा ने राहुल गांधी के नहीं आने पर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि, 'राहुल जी किसी काम की व्यस्तता के कारण नहीं आ पाए।'

अंतिम पायदान पर बैठे लोगों को मुख्य धारा में लाना है- तेजस्वी यादव

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि, 'अंतिम पायदान पर बैठे लोगों को जब तक आरक्षण नहीं मिलेगा, तब तक मुख्य धारा में लाना मुश्किल है।पहले गरीबों को, दलितों को घोड़ी पर नहीं बैठने देते थे। लालू जी ने तावा पर एक साइड जल रहे रोटी को पलट दिया। अब 90 के दशक से पहले वाला बात नहीं है। कोई अगर पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित और महादलित के साथ दिक्कत हो रही तो हम लोग खड़े रहेंगे।' उन्होंने कहा कि, 'चुनाव का जो रिजल्ट था, वो असली रिजल्ट नहीं था। वो मशीन का रिजल्ट था। हम लोग को वोट मिला 1 करोड़ 90 लाख, बैलेट पेपर में हम लोग 145 सीट जीते, लेकिन मशीन में 200 सीट हार गए। ये लोकतंत्र नहीं, मशीन तंत्र और धन तंत्र की जीत है।' तेजस्वी ने आगे कहा, 'ये लोग 10-10 हजार बांट रहे थे, अब काहे नहीं 2 लाख दे रहे हैं। बिजली फ्री देने का वादा किए, अब रेट ही बढ़ा दिए।

भाजपा वाले पिछड़ों का पार्टी नहीं देखना चाहते- तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने आगे कहा, 'भाजपा आरक्षण विरोधी पार्टी है। ये भाजपा वाले पिछड़ों का पार्टी नहीं देखना चाहते हैं। हम लोग सरकार मे थे तो 5 लाख से ज्यादा नौकरी दिए थे। अब ये लोग युवाओं का भविष्य खराब कर रहे हैं। बिहार मे प्राथमिक और माध्यमिक 76 हजार विद्यालय है, लेकिन एक भी संगीत टीचर नहीं है। फिर भी लगभग 160 करोड़ का ढोलक तबला सरकार खरीद लिया है।'

तेजस्वी यादव ने आगे कहा, 'जब तक दवाई, सिंचाई, सुनवाई का सरकार नहीं लाएंगे, तब तक चुप नहीं बैठेंगे। जब लालू जी नहीं झुके, कोई समझौता नहीं किया। चाचा झुकना पसंद किए, लालू जी लड़ना पसंद किए। आप लोग के आरक्षण के लिए हम लोग पटना से लेकर दिल्ली तक सदन में आवाज उठाएंगे।' उन्होने कहा कि, 'आईपी गुप्ता जी भी सरकार को खोदते रहते हैं। उम्मीद है आने वाले समय मे सरकार का ऐसा खुदाई हो। मिलकर सब लोग जीतने का काम करेंगे।'

13 अप्रैल को इंडियन इंक्लूसिव पार्टी का उदय हुआ था

आईपी गुप्ता ने कहा कि, बिहार में भाजपा की सरकार बनने वाली है और उससे पहले हम भी दिखाना चाहते हैं कि इंडियन इंक्लूसिव पार्टी, जिसे अभी 1 साल भी नहीं हुए है, वह अपनी ताकत से बापू सभागार में खड़ा है। 13 अप्रैल को इंडियन इंक्लूसिव पार्टी का उदय हुआ था। उन्होंने बताया कि, पान समाज के सम्मान के लिए इस बार 12 अप्रैल को इसका आयोजन किया जा रहा है, क्योंकि 13 अप्रैल को बापू सभागार में बुकिंग अवेलेबल नहीं थी।

1857 की लड़ाई में शामिल वीरांगना झलकारी बाई की तलवार लहराई

पिछले साल इसी दिन इंडियन इंक्लूसिव पार्टी का स्थापना दिवस और पान सम्मान दिवस के रूप में मनाया गया। आज आजादी की लड़ाई लड़ी वीरांगना झलकारी बाई के वंशज मंगल सिंह झांसी से पटना पहुंचे। वह अपने साथ 1857 की तलवार लेकर आएं हैं, जो कभी वीरांगना झलकारी बाई के हाथ की शोभा बनी थी।उन्होंने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, यूपी, असम, केरल, हैदराबाद से प्रदेश अध्यक्ष अपने लोगों के साथ पहुंचे। रात में पहुंचने वाले लोगों की दरोगा राय पथ स्थित पटेल भवन में रहने की व्यवस्था की गई थी। सम्मेलन में आने वाले लोगों की बसों की पार्किंग गांधी मैदान के गेट नंबर 4 पर थी। इसके साथ ही मरीन ड्राइव पर भी गाड़ियां रखने की व्यवस्था थी। गर्मी को देखते हुए बापू सभागार के गेट पर पानी की टैंकर की व्यवस्था की गई थी।

एसआई की सर्विस पिस्टल से पत्नी की मौतः पिता बोले- दामाद का महिला एसआई से संबंध, बेटी की हत्या हुई

मुंगेर. मुंगेर में शनिवार को एसआई चंदन कुमार की पत्नी मधु कुमारी (29) की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। पति की सरकारी रिवॉल्वर से उनके सीने में गोली लगी, जो आरपार हो गई। एसआई का कहना है कि घटना के समय वो बाथरूम में थे। इसी बीच पत्नी ने सुसाइड कर लिया। जबकि मधु के पिता का दावा है कि, उनकी बेटी की हत्या की गई है। दामाद के अवैध संबंध हैं। मधु समस्तीपुर के विधान गांव के रंजीत कुमार की बेटी थी। वह अपने पति के साथ तीन महीने से जमालपुर में किराए के मकान में रहती थी। एसआई चंदन बेतिया के रहने वाले हैं। वह मुंगेर और जमालपुर के बीच स्थित सफियासराय थाना में तैनात है। चंदन और मधु की शादी पिछले 7 फरवरी 2025 को हुई थी। मधु, बीपीएससी की प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करती थी, इसी दौरान वो चंदन के संपर्क में आई थी। आसपास के लोगों ने बताया कि शनिवार की सुबह पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। शाम साढ़े छह बजे मकान से गोली चलने की आवाज आई। इसके बाद बाद आसपास के लोग पहुंचे। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। लहूलुहान हालत में मधु को तुरंत मुंगेर के निजी इमरजेंसी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। देर रात तक अस्पताल में ही एसआई से भी पूछताछ की गई। वहीं एसआई चंदन कुमार ने बताया, 'मैं बाथरूम में था, अचानक गोली चलने की आवाज आई। मैं भागकर बाहर आया तो देखा मधु जमीन पर गिरी हुई है। उसके सीने से खून निकल रहा था। पड़ोसियों की मदद से अस्पताल ले गया लेकिन, वहां उसकी मौत हो गई।' घटना की जानकारी मिलने के बाद समस्तीपुर से मुंगेर

पहुंचे मधु के घर वालों का कहना है, 'बेटी की हत्या की गई है। बेटी खुद के सीने में गोली कैसे मार सकती है। जिस वक्त घटना हुई केवल पति ही घर में मौजूद था। दोनों के बीच कुछ महीनों से विवाद भी चल रहा था।'

दामाद का महिला एसआई से संबंधः पिता

मृतका के पिता ने रोते-रोते बताया, 'दामाद पर अवैध संबंध है। बरियारपुर थाने में महिला एसआई की पोस्टिंग है। इसे लेकर पति-पत्नी में विवाद होता था। एक साल पहले ही मैंने अपनी बच्ची की शादी की थी, आज उसकी लाश पड़ी है।' पिता ने बताया,' शाम 6 बजकर 52 मिनट पर फोन आया था। उस वक्त बात नहीं हो पाई। सात बजकर दो मिनट पर मैंने दामाद को फोन किया। उसने रिसीव नहीं किया तो बेटी को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। तभी थाने के सरकारी नंबर पर फोन करने पर घटना की जानकारी मिली।' घटना की सूचना मिलते ही SP सैयद इमरान मसूद घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मामला बेहद गंभीर है, क्योंकि आत्महत्या में सर्विस रिवॉल्वर का इस्तेमाल हुआ है। हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। एफएसएल की टीम ने कुछ नमूने लिए हैं। एसआई चंदन कुमार का मोबाइल जब्त कर लिया गया है। उसकी भी जांच की जाएगी। ताकि घटना के बारे में कुछ जानकारी मिल सके। मृतका के परिजनों के आवेदन पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर, जेल भेजा जा रहा है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों के द्वारा दिये गए आवेदन में दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। जबकि अवैध संबंध पर एसपी ने कहा, हर बिंदु पर जांच हो रही है। इस मामले में जो भी दोषी पाए जाएंगे उनपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मौत के लगभग 18 घंटे बाद मधु का मुंगेर सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया। जिसमें सिविल सर्जन डॉ राजू ने तीन सदस्यीय टीम बनाई। इसमें डॉ रूपेश, डॉ शशांक ओर डॉ रमन शामिल रहे। पूरे पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी कराई गई। डॉक्टर्स ने बताया कि गोली मधु की सीने से आरपार हो गई है। इसके अलावा शरीर पर और भी कोई जख्म के निशान नहीं है। चंदन कुमार और मधु कुमारी पढ़ाई के दौरान ही संपर्क में आए थे। BPSC तैयारी के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई। ये दोस्ती प्यार में बदली और दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। इस बीच चंदन की दरोगा पद पर नौकरी लगी। इसके बाद एकलौती बेटी के जिद्द के आगे परिजनों को झुकना पड़ा। परिजनों का कहना है कि 55 लाख रुपए दहेज और एक फोर व्हीलर गिफ्ट कर बेटी की शादी धूमधाम से की थी।

अररिया में रिश्वत लेते पकड़ा गया डेटा एंट्री ऑपरेटरः फारबिसगंज अंचल कार्यालय के योगेश चौधरी सेवा से बर्खास्त

अररिया. अररिया में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए फारबिसगंज अंचल कार्यालय के डेटा एंट्री ऑपरेटर योगेश कुमार चौधरी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उन्हें रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया था, जिसके बाद जिला पदाधिकारी के निर्देशों पर यह कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई विशेष निगरानी इकाई, बिहार की जांच और विभागीय जांच के आधार पर की गई है। अंचल अधिकारी फारबिसगंज द्वारा जारी आदेश के अनुसार, विशेष निगरानी इकाई की टीम ने 31 अक्टूबर 2025 को योगेश कुमार चौधरी को 10,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) तथा बीएनएस 2023 की धारा 61(2)(a) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को चिकित्सीय आधार पर जमानत मिल गई थी। जमानत मिलने के बाद 26 दिसंबर 2025 को योगेश कुमार चौधरी ने फारबिसगंज अंचल कार्यालय में दोबारा योगदान दे दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया। भूमि सुधार उप समाहर्ता के माध्यम से प्राप्त स्पष्टीकरण में उन्होंने आरोपों से इनकार किया। हालांकि, विशेष निगरानी इकाई द्वारा रंगे हाथ गिरफ्तारी को मुख्य साक्ष्य मान लिया गया। विभागीय जांच में पाया गया कि उनका आचरण न केवल भ्रष्टाचार से जुड़ा था, बल्कि सरकारी सेवा के अनुशासन और मानकों के पूरी तरह प्रतिकूल था। वरीय अधिकारियों ने कठोर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इन तथ्यों के आधार पर जिला प्रशासन ने योगेश कुमार चौधरी को 31 अक्टूबर 2025 से प्रभावी रूप से डेटा एंट्री ऑपरेटर पद से सेवा मुक्त कर दिया है।

जनता से रिश्वत नहीं की जाएगी बर्दाश्त

जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट संदेश दिया कि भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई है। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने वाले किसी भी कर्मी के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। सरकारी कार्यालयों में जनता से किसी भी प्रकार की रिश्वत या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वच्छ प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। यह कार्रवाई अररिया जिले में भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

खगड़िया में एईडीओ परीक्षा को प्रशासन अलर्टः 14 से 21 अप्रैल तक 18 केंद्रों पर होगी आयोजित

खगड़िया. खगड़िया में सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी परीक्षा 2026 को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। यह परीक्षा 14, 15, 17, 18, 20 और 21 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी। प्रत्येक पाली की अवधि 2 घंटे निर्धारित है। परीक्षा दो पालियों में होगी। प्रथम पाली सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 02:30 बजे से 04:30 बजे तक चलेगी। अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश का समय भी निर्धारित किया गया है। प्रथम पाली के लिए सुबह 8 से 9 बजे तक और द्वितीय पाली के लिए 01:00 से 01:30 बजे तक ही प्रवेश मिलेगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए शनिवार को एसपी राकेश कुमार और डीडीसी श्वेता भारती की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें सभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार गोंड ने बताया कि जिले में कुल 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें जेएनकेटी, कोशी कॉलेज, महिला कॉलेज, बीएड टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज राको, सेंट जेवियर्स स्कूल बछौता, प्लस टू एसआर विद्यालय और राष्ट्रीय उच्च विद्यालय गोगरी जैसे केंद्र शामिल हैं। परीक्षा के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और गश्ती दल लगातार सक्रिय रहेंगे। प्रत्येक केंद्र पर केंद्र अधीक्षक, स्टैटिक दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है। कदाचार रोकने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, जैमर और वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ, कैलकुलेटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

जमुई की पंचायत में आदेश नहीं मानने पर 5000 जुर्मानाःगांव की आबादी 1000 , सामाजिक बहिष्कार; नमाज और शादी पर रोक

जमुई. जमुई के चंद्रमंडी थाना क्षेत्र स्थित घोरमारा गांव में 'सरदार सिस्टम' को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में एक व्यक्ति के आदेशों का पालन न करने पर जुर्माना, सामाजिक बहिष्कार और अन्य तरह के प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। करीब 1000 की आबादी वाले इस गांव में तैयब अंसारी को ग्रामीणों ने 'सरदार' चुना था। हालांकि अब उन्हीं पर इस पद के दुरुपयोग और मनमानी करने के आरोप लग रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, उनका इतना प्रभाव है कि लोग खुलकर विरोध करने से कतराते हैं। ग्रामीणों का दावा है कि सरदार के आदेश की अवहेलना करने पर 5000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाता है। कई मामलों में लोगों का 'हुक्का-पानी बंद' कर सामाजिक बहिष्कार भी किया जाता है। आरोप है कि अब तक करीब 50 लोगों से इस तरह जुर्माना वसूला जा चुका है।

मस्जिद में नमाज अदा करने से रोका गया

पीड़ित एहसान अली ने बताया कि उनका परिवार पिछले दो वर्षों से इस स्थिति का सामना कर रहा है। उनके अनुसार, सरदार के फरमान का विरोध करने पर उन पर तीन बार 5000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही, उन्हें मस्जिद में नमाज अदा करने से रोका गया और गांव के दुकानदारों को उनके परिवार को सामान न देने के निर्देश दिए गए। एहसान अली ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी बेटी की शादी में गांव में बारात नहीं आने दी गई, जिसके कारण उन्हें दूसरे गांव में निकाह कराना पड़ा। इसके अलावा, उन्हें कब्रिस्तान जाने और सरकारी चापाकल से पानी लेने से भी रोका गया। गांव के एक अन्य निवासी सलीम मियां के अनुसार, हाल ही में एक नया फरमान जारी किया गया है, जिसमें कुछ परिवारों से गांव में रहने के लिए हर महीने 5000 रुपये देने को कहा गया है। साथ ही, गांव में आपसी मेलजोल बहाल करने के नाम पर 50,000 रुपये जमा करने की भी बात कही जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह विवाद मूल रूप से जमीन के झगड़े से शुरू हुआ था, लेकिन अब इसका असर पूरे गांव पर पड़ रहा है। आरोप है कि निजी विवाद को आधार बनाकर सामुदायिक स्तर पर दबाव बनाया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, मामले की सूचना कई बार पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची भी, लेकिन हर बार समझौते के जरिए मामला शांत हो गया।

भाभी की हत्या के आरोपी ने हाजत में खाया जहरःखुद फोन कर पुलिस को दी सूचना

हाजीपुर (वैशाली). वैशाली में प्रेम-प्रसंग में भाभी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार युवक ने हाजत में जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद पुलिस ने उसे तुरंत लालगंज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। युवक की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना बेलसर थाना क्षेत्र के मौना बिशनपुर गांव की है। शनिवार 11 अप्रैल को गर्भवती महिला का शव आंगन में पड़ा मिला। महिला से

पड़ोस में रहने वाले देवर ने पहले रेप का प्रयास किया। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। घटना की सूचना आरोपी खुद ही पुलिस को फोन पर दी। महिला की पहचान राधा कुमारी (26) के रूप में हुई है। उसके दो बच्चे (एक बेटा, एक बेटी) है। पुलिस जांच के दौरान महिला के देवर साहिल पटेल पर प्रेम-प्रसंग में हत्या का आरोप लगा। इसके बाद पुलिस ने शनिवार की रात उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद साहिल पटेल को बेलसर थाना लाया गया था। यहीं हाजत में उसने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया। वैशाली मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र की राधा कुमारी की शादी 7 साल पहले बेलसर थाने के दीपक पटेल के साथ हुई। दीपक पटेल शादी के बाद अक्सर काम के सिलसिले में घर से बाहर रहता था। घटना के दिन (शनिवार) को भी पति पुणे में नौकरी कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी दौरान घर से 100 मीटर की दूरी पर रहने वाले पड़ोसी साहिल पटेल से राधा की बातचीत शुरू हुई। दोनों को कई बार बातचीत करते परिजनों ने भी देखा। जिसके बाद पंचायत हुई और दोनों को समझा-बुझाकर अलग कर दिया गया। इसके बाद से महिला घर से बहुत कम ही बाहर निकलती थी। लेकिन पड़ोसी साहिल नहीं माना और महिला से बातचीत करने और उसके घर जाने के कोशिश करता रहा। महिला की सास ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि शनिवार की सुबह घर में सबकुछ नॉर्मल था। मैं खाना बनाकर काम पर चली गई। घर में बहू अकेली थी। इसी दौरान पड़ोसी साहिल पटेल आया और उसके साथ जबरदस्ती की। जब बहू ने इसका विरोध किया तो उसका गला दबा दिया। इसी दौरान उसने पुलिस को फोन कर हमलोगों का नाम फंसा दिया। अभी खुद ही फरार है।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, सोमवार, 13 अप्रैल, 2026

6

www.ksnewsupdates.com

अमेरिका और इजराइल पर ईरान को रत्ती भर भरोसा नहीं?

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पहली बार अमेरिका और ईरान के बीच आमने-सामने वार्ता हुई। इस बातचीत को लेकर अमेरिका और ईरान के जो प्रतिनिधि मंडल पाकिस्तान पहुंचे थे, उनमें आपसी सहमति नहीं बन पाई। बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचे यह बातचीत पूरी तरह से बेनतीजा रही। शनिवार को ईरान ने लेबनान पर हमले रोकने की शर्त रखी। अमेरिका ने इस पर चुप्पी साध रखी। दोनों देशों के प्रतिनिधि मंडल की सीधी वार्ता में राजनीतिक, सेना और अर्थव्यवस्था के मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिका की ओर से ईरान द्वारा पेश किए गए मुद्दों के किसी एक पर ऐसी कोई रुचि नहीं दिखाई, जिसे ईरान स्वीकार कर सके। अमेरिका का जो प्रतिनिधिमंडल आया था, वह भी हार्मोंज को खोलने के लिए अड़ा रहा। अमेरिका के इस प्रस्ताव को ईरान के प्रतिनिधि मंडल ने नहीं माना। ईरान का कहना था, सारे मुद्दों पर एक साथ बातचीत हो। एक साथ निर्णय लिए जाएं। ईरान पहले भी इस बात को कह चुका था। वह युद्धविराम के पक्ष में नहीं है। वह चाहता है, स्थाई रूप से युद्ध रुके। जो भी विवाद के कारण हैं, उन्हें दोनों पक्ष आपस में मिलकर सुलझायें। पाकिस्तान में हुई इस वार्ता में सबसे बड़ा अड़ंगा इजराइल ने लगा रखा था। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु लेबनान को निशाने पर रखना चाहते थे। दोनों ही पक्ष अपना-अपना प्रेशर एक दूसरे पर बनाते रहे। इस बैठक में चीन और पाकिस्तान की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। यदि होती तो कुछ ना कुछ समझौते की राह निकलती। दोनों ही पक्ष इसे अपनी हार और जीत के रूप में देख रहे थे। पाकिस्तान मे हुई वार्ता बेनतीजा रही। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और इजराइल का इतिहास रहा है, इन्होंने हमेशा युद्ध विराम की आड़ में धोखा किया है। ईरान के साथ भी कई बार धोखा हो चुका है। जिसके कारण ईरान इस बार पूरी तरह से सतर्क था। अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर जो संयुक्त रुप से हमला किया गया है, उसमें ईरान को बहुत अधिक नुकसान हुआ है, इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता है। ईरान अब आर-पार की लड़ाई लड़ने में आ गया है। सौ सुनार की और एक लोहार की तर्ज पर इस समय ईरान का वार अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा है। ईरान को अच्छी तरह से मालूम था, यह बातचीत बेनतीजा रहेगी। इसलिए उसने अपनी युद्ध की तैयारी में जरा भी कोताही नहीं बरती। ईरान विश्व को यह बताने से भी नहीं चूका, कि वह शांति के पक्ष में है। युद्ध विराम के बाद जब इजराइल ने लेबनान पर हमले किए, इसका जवाब ईरान ने हिजबुल्ला के माध्यम से इजराइल को देकर वहां पर भारी तबाही मचा दी है। जो राजनीति अभी तक अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान के साथ कर रहे थे, वही फार्मूला अब ईरान ने भी अपना लिया है। अमेरिका इस युद्ध में बुरी तरह से फंसा हुआ है। अमेरिका युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। इजराइल के दबाव में वह बाहर नही निकल पा रहा है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा रही है, जल्द ही अमेरिका समझौता के लिए नए रास्तों की तलाश करेगा। अमेरिका में जिस तरह से महंगाई एवं बेरोजगारी बढ़ रही है, उससे निपटने के लिए युद्ध बंद करना बहुत जरूरी हो गया है। इसके अलावा कुछ महीनो में अमेरिका में कुछ राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उसके पहले ट्रंप को अपनी स्थिति को मजबूत करना है। जिस तरह से अमेरिका और इजराइल की जनता सड़कों पर उतरकर विरोध कर रही है। उसके बाद अमेरिका और इजराइल के पास अन्य कोई विकल्प भी नहीं बचा है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने जीवन की सबसे कठिन पारी को खेल रहे हैं। युद्ध बंद होने की दशा में उन पर अंतरराष्ट्रीय अदालत और इजराइल की अदालत में मुकदमा चलना तय है। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप हैं। उससे बचने के लिए उन्होंने पिछले 3 वर्षों से फिलिस्तीन, गाजा, लेबनान एवं अन्य देशों पर जिस तरह के हमले किए हैं, उन्होंने अपनेआप को बचाने के लिए तबाही मचा रखी है। अब जिस तरह की स्थिति बनी है, उसके बाद अमेरिका और इजराइल को भविष्य का ध्यान रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ेंगे। जिस तरह से इजराइल में तबाही हुई है। उसके बाद वहां की जनता भी सड़कों पर आकर नेतन्याहू को हटाने की मांग कर रही है। जनता के गुस्से को कब तक नेतन्याहू काबू में रख पाएंगे, कितने समय तक बचे रहेंगे। यह कहना बड़ा मुश्किल है। भारतीय संदर्भ में कहा जाए तो इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जिस तरह छोटे-छोटे बच्चे-बच्चियों, महिलाओं, और बीमारों को मौत के घाट उतारा है, उसके बाद उनके पाप का घड़ा पूरी तरह से भर चुका है। जिस तरह का अहंकार उनमें दिख रहा है। उसको देखते हुए कहा जा सकता है, कि वह ज्यादा दिनों के मेहमान नहीं है। इस वार्ता के विफल होने से एक बार फिर दुनिया के देश, युद्ध के मुहाने पर खड़े हो गए हैं। ऊर्जा संकट और आयात-निर्यात व्यापार में बाधा बने हुये हैं। 100 से अधिक देशों पर इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। आशा की जा सकती है, जल्द से जल्द वैश्विक स्तर पर इस युद्ध को बंद कराने के लिए हर देश को हर संभव प्रयास करने होंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भविष्य में स्थिति बेहद चिंताजनक होगी।

सुनयोजित निर्णय क्षमता सफ़लता की कुंजी

मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां उस विशेष अनियोजित परिस्थितियों में अचानक ही निर्णय लेने की ज़रूरत होती है बस !यही वह समय होता है जब अपनी बुद्धि कौशलता के साथ हमें बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई कहावतों, मुहावरों, विचारों को रेखांकित करने की अत्यंत तात्कालिक ज़रूरत होती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, मेरा मानना है कि उससे हमें अति उच्च गुणवत्ता का सकारात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है,जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होते हैं और उन परिस्थितियों में पढ़ने वाले विपरीत नुकसान, दुष्परिणामों से बचा जा सकता है जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और हम उसका श्रेय बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के रूप में ले सकते हैं। साथियों बात अगर हम व्यवहारिक जीवन में निर्णय लेने की करें तो यह दो प्रकार का हो सकता है नियोजित और अनियोजित निर्णय, ऐसे निर्णय जो किसी परिस्थिति विशेष पर अकस्मात लेने पड़ते हैं जिसके लिए कोई पूर्व योजना नहीं होती है अनियोजित निर्णय कहलाते हैं। इसके विपरीत ऐसे निर्णय जो किसी पूर्व योजना पर आधारित होते हैं, नियोजित निर्णय कहलाते हैं। नियोजित निर्णय ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं क्योंकि यह पूर्व निर्धारित योजना पर आधारित होते हैं। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो, कहावत उस छोटे से वाक्य या लाइन को कहा जाता है जिसके माध्यम से बड़ी-बड़ी बातें कह दी जाती है। गाँव, घर में अक्सर बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बहुत सारी कहावतें सुनने को मिलती है। इन कहावतों को स्कूल में नही पढाया जाता है, इसे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बोलने में प्रयोग करते है। बहुत सारी ऐसी कहावतें होती है जो घर की महिलाओं के द्वारा प्रयोग की जाती है, कई बार गाँव में बड़े बुजुर्गों की कहावत का अर्थ तो पढ़े लिखे लोग भी नहीं निकाल पाते है, और शर्म में हाँ में हाँ मिलाकर आगे बढ़ जाते है। साथियों बात अगर हम तुरंत निर्णय लेने वाली परिस्थितियों की करें तो, मानव जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आती है जब मनुष्य समझ नहीं पाता कि उसे किस तरह उस परिस्थिति का सामना करना है । परिस्थितिवश उत्पन्न स्थिति स्वयं में इतनी उलझी होती है की अगर सूझ बूझ और दूर दृष्टि का सहारा न लिया जाये तो निर्णय गलत होने की पूरी सम्भावना रहती है ।अनेको बार छोटी छोटी बातें हमें नकारात्मक गहराई तक प्रभावित करती हैं । ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर बेहतर तो यह है की हम शांति और धैर्य से उस परिस्थिति का विश्लेषण करें तथा उस स्थिति के पक्ष विपक्ष दोनों के बारे में सोंचे क्योंकि प्रत्येक स्थिति के दो पहलू होते है , एक अगर सकारात्मक है तो दूसरा नकारात्मक अवश्य होगा । हमें परिस्थिति के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए न कि जल्दबाजी में या घबराकर कोई कदम उठाना चाहिए जिससे की हमारे पक्ष में होने वाली बात का भी विपरीत असर हो जाये ।सबसे बड़ी बात हमें किसी भी विपरीत स्थिति में धैर्य , सहनशीलता और शांति से निर्णय लेने की आदत डालनी चाहिए अगर ऐसा हुआ तो हम अपने जीवन में अवश्य सफल होंगे । साथियों बात अगर हम कानों सुनी और आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेने की करें तो,आँखों देखी या कानों से सुनी हर बात सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। हम उस एक ही पक्ष को देखते और सुनते हैं, जो हमें प्रत्यक्ष दिखाई या सुनाई देता है। उसके दूसरे पहलू के विषय में जानकारी न होने के कारण हम कोई विशेष धारणा बना लेते हैं। जब हमारा वास्तविकता से सामना होता है तब पश्चाताप करना पड़ता है। अपनी नजरों को झुकाकर क्षमा-याचना करनी पड़ती है। उस दयनीय स्थिति से बचने के लिए मनुष्य को सावधान रहना चाहिए। उसे ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहिए जो उसके तिरस्कार का कारण बन जाए।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

> ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं। वहीं ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहे हैं। युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और ख़त्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृश्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है। खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ये युद्ध इजराइल के लिए ख़त्म नहीं हुआ है।

संजय गोस्वामी

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वार्ताकारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है। पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ये आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है। जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघठन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ये सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया। ये सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है। पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद क़ोई नया नहीं है। 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी। जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ये उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया। फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था। क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिस तरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ। ये अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत है। क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्रबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया। इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है। 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने येसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ों मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की। अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय। संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर क़ोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से क़ोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे क़ोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में क़ोई लेना देना नहीं है। कई जहाजों को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया। ये सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है। क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा। हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं। ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं। वहीं ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहे हैं। युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और ख़त्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृश्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है। खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ये युद्ध इजराइल के लिए ख़त्म नहीं हुआ है। आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ये सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना। इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ये युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ। और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को दुरूस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है। जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरुशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है।

आशा भोसलेः सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

> संगीत की दुनिया में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी।

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज़ ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी। सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत "चला चला नव बाल" गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी।

हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरुआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह

उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, ग़ज़ल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वर्सेटाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। "दम मारो दम" और "पिया तू अब तो आजा" जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी। अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दर्शाता है।

यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियां में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

दांपत्य जीवन में बढ़ रही है तकरार कमजोर पड़ रहे सात जन्मों के रिश्ते

मनोज कुमार अग्रवाल

अब भारतीय समाज में दांपत्य जीवन असुरक्षित हो चला है। पति पत्नी के बीच विश्वास प्रेम और सात जन्मों तक साथ निभाने के वादे कमजोर पड़ रहे हैं। आए दिन पति पत्नी एक दूसरे के खून से हाथ रंग रहे हैं। आपको इसी सप्ताह की दो वारदातों के मार्फत पति-पत्नी के बीच हिंसक वारदातों से अवगत कराने का प्रयास करते हैं। पहली वारदात जयपुर में सामने आइ है बैंक मैनेजर पति से मिलने के लिए अर्चना अक्सर टैक्सी से जयपुर जाया करती थी, लेकिन यही सफर उसकी जिंदगी बदल गया. टैक्सी ड्राइवर से बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई. एक दिन पति उसी ड्राइवर की गाड़ी में था, जब उसने दोनों की बातचीत सुन ली. जिसमें उसे रास्ते से हटाने की बात हो रही थी. यहीं से खुला पूरा मामला और पुलिस तक पहुंची कहानी. अलवर की यह कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है. एक सामान्य टैक्सी का सफर, ड्राइवर से कुछ बातचीत, फिर बढ़ती नजदीकियां. इस बाद पूरा मामला दोनों की गिरफ्तारी तक पहुंच जाता है. कहानी की शुरुआत होती है अर्चना अरोड़ा से, जो एक बैंक मैनेजर कर्णव खत्री की पत्नी है. पति जयपुर में नौकरी करता था, इसलिए अर्चना का वहां आना-जाना लगा रहता था. सफर के लिए टैक्सी लेना रोजमर्रा की बात थी लेकिन एक दिन यही सफर उसकी जिंदगी का मोड़ बन गया.

सफर के दौरान उसकी मुलाकात हुई टैक्सी ड्राइवर ऋषभ शर्मा से. शुरुआत में कितनी दूरी है, कितना समय लगेगा जैसी बात होती थी, लेकिन धीरे-धीरे बातचीत का दायरा बढ़ता गया. फोन नंबर शेयर हुए, फिर कॉल्स शुरू हुईं और देखते ही देखते यह रिश्ता एक अलग दिशा में बढ़ गया. अब हालात ये थे कि दोनों के बीच बातचीत सिर्फ कभी-कभार नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी थी. घंटों फोन पर बात होती और धीरे-धीरे यह रिश्ता इतना गहरा हो गया कि दोनों ने एक-दूसरे के बिना सोचना भी मुश्किल कर दिया.

एक दिन कर्णव खत्री (अर्चना के पति) जयपुर से अलवर लौट रहे थे. संयोग से टैक्सी वही थी और ड्राइवर भी वही ऋषभ था. कर्णव पीछे की सीट पर बैठे और कुछ देर बाद सो गए. ऋषभ को लगा कि वह गहरी नींद में हैं. उसने तुरंत फोन मिलाया अर्चना को. फोन पर बातचीत शुरू हुई और जो बातें हुईं, उन्होंने इस कहानी को पूरी तरह बदल दिया. ऋषभ ने कहा कि तुम्हारा पति मेरे साथ ही गाड़ी में है... अगर कहो तो आज ही इसे रास्ते से हटा दूं. पीछे की सीट पर लेटे कर्णव की आंखें खुल चुकी थीं.उन्होंने बिना कुछ बोले पूरी बातचीत अपने फोन में रिकॉर्ड कर ली. एक रिकॉर्डिंग ने कर्णव के शक को यकीन में बदल दिया. उन्होंने चुपचाप और सबूत जुटाने शुरू किए. कॉल डिटेल, बातचीत, फोन रिकॉर्डिंग सब कुछ धीरे-धीरे सामने आने लगा. अब साफ हो चुका था कि यह सिर्फ जान-पहचान नहीं, बल्कि गहरा रिश्ता है. जब कर्णव ने अर्चना से इस बारे में बात की, तो मामला संभलने के बजाय और बिगड़ गया. बातचीत बहस में बदली और बहस विवाद में. रिश्ता अब उस मोड़ पर पहुंच चुका था, जहां से लौटना आसान नहीं था. कुछ समय बाद मामला तलाक तक पहुंच गया.

इसी बीच अर्चना की तरफ से 50 लाख रुपये की मांग की बात सामने आई. कर्णव ने इनकार किया, तो दोनों के बीच तनाव और बढ़ गया. एक दिन अचानक अर्चना घर छोड़कर चली गई. पुलिस के मुताबिक, वह अपने साथ नकदी और जेवरात भी ले गई और बाद में अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. घर, परिवार, बच्चे सब पीछे छूट गया.

मार्च 2026 में कर्णव ने आखिरकार पुलिस का दरवाजा खटखटाया. शिकायत दर्ज हुई, जांच शुरू हुई, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं मिला. करीब एक महीने बाद अचानक अर्चना और ऋषभ खुद ही अलवर के एसपी ऑफिस पहुंच गए. जैसे ही पुलिस को जानकारी मिली, दोनों को वहीं से गिरफ्तार कर लिया गया. अदालत में पेशी हुई महिला को जेल भेजा गया और आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू हुई. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में कई पहलुओं की जांच की जा रही है. रिकॉर्डिंग और अन्य सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी.

आशा भोंसले के निधन से एक सुनहरे युग का हुआ अंत !

आठ दशकों तक भारतीय संगीत की आत्मा बनी रहीं आशा भोंसले

भारतीय संगीत जगत के लिए 12 अप्रैल 2026 की तारीख एक ऐसी रिक्ति छोड़ गई, जिसे शब्दों में समेट पाना कठिन है। महान पार्श्व गायिका आशा भोंसले के निधन के साथ ही सुरों के एक ऐसे अध्याय का पटाक्षेप हो गया, जिसने पीढ़ियों को भावनाओं की भाषा सिखाई। उनकी जादुई, चंचल, दर्दभरी और शरारती आवाज़ ने आठ दशकों तक दुनिया को मंत्रमुग्ध किया। 92 वर्ष की आयु में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। अचानक आए कार्डियक अरेस्ट के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन तमाम चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद जीवन की डोर थामे रखना संभव नहीं हो सका।

"दम मारो दम" से "इन आंखों की मस्ती" सदाबहार गीतों की अमर विरासत

आशा भोंसले के गाए गीत केवल सुने नहीं गए, जिए गए। "दम मारो दम", "पिया तू अब तो आजा", "चुरा लिया है तुमने जो दिल को", "इन आंखों की मस्ती", "रातों को चोरी-चोरी", "जाने जान ढूंढता फिर रहा"—ऐसे हजारों गीत हैं, जो आज भी हर उम्र के लोगों की जुबान पर हैं। इन गीतों में कहीं मस्ती है, कहीं इंतज़ार, कहीं प्रेम की गहराई, तो कहीं विद्रोह की चिंगारी। आशा भोंसले की आवाज़ ने हर भावना को जीवंत बना दिया।

आशा भोंसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय संगीत की चलती-फिरती विरासत थीं। 8 सितंबर 1933 को जन्मीं आशा गणपतराव भोंसले, संगीत उनके लिए पेशा नहीं बल्कि साधना थी। वे पंडित दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री और स्वर-कोकिला लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। ऐसे संगीत-परिवार में जन्म लेने के बावजूद, आशा भोंसले ने अपनी अलग पहचान बनाई—संघर्ष, प्रयोग और आत्मविश्वास के सहारे। उनका बचपन कठिनाइयों से भरा रहा। पिता के असमय निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियां कम उम्र में ही कंधों पर आ गईं। यही संघर्ष आगे चलकर उनकी गायकी की आत्मा बना—दर्द, चुलबुलापन, विद्रोह और प्रेम, सब कुछ उनकी आवाज़ में उतर आया।

पहली पंक्ति से शिखर तक—संघर्ष, अस्वीकृति और आत्मविश्वास की कहानी: 1948 में फिल्म चुनरिया के लिए गाया गया उनका पहला गीत भले ही उन्हें तुरंत स्टारडम न दिला सका, लेकिन यह उनकी लंबी यात्रा की शुरुआत थी। शुरुआती वर्षों में उन्हें "लता मंगेशकर की बहन" के रूप में देखा गया, न कि एक स्वतंत्र कलाकार के तौर पर। कई बार उन्हें कम बजट की फिल्मों और द्वितीय श्रेणी के गीतों से संतोष करना पड़ा।

लेकिन आशा भोंसले ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी आवाज़ के साथ प्रयोग किया—कभी नटखट, कभी रहस्यमयी, कभी दर्द में डूबी, तो कभी बेफिक्र। यही प्रयोग आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बने। उन्होंने साबित किया कि वे किसी की परछाईं नहीं, बल्कि स्वयं एक पूर्ण व्यक्तित्व हैं।

हर भाषा, हर भाव—आशा भोंसले की आवाज़ की कोई सीमा नहीं: आशा भोंसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुभाषी और बहुआयामी गायकी थी। हिंदी के अलावा उन्होंने मराठी, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, भोजपुरी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, अंग्रेज़ी और यहां तक कि रूसी भाषा में भी गीत गाए। लगभग 15 से 16 हजार गीतों का उनका विशाल संग्रह अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

उनकी आवाज़ ने हर भाषा में उसी आत्मीयता से जगह बनाई, जैसे वह उनकी मातृभाषा हो। यही कारण है कि भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में उनके प्रशंसक फैले हुए हैं।

शास्त्रीय से पॉप तक—हर विधा में अद्वितीय अधिकार: आशा भोंसले उन विरले कलाकारों में थीं, जिन्होंने शास्त्रीय संगीत की गंभीरता और पॉप संगीत की चंचलता—दोनों को समान अधिकार से साधा। ग़ज़ल, भजन, ठुमरी, कव्वाली, लोकगीत और पॉप—हर शैली में उन्होंने अपनी अलग छाप छोड़ी।

उनकी ग़ज़लों में ठहराव और दर्द था, भजनों में भक्ति और समर्पण, जबकि पॉप गीतों में आधुनिकता और प्रयोग। यही बहुआयामी प्रतिभा उन्हें भीड़ से अलग करती है।

पंचम दा और ओ.पी. नैयर—संगीत में अमर जुगलबंदियां: आशा भोंसले के करियर में संगीतकारों के साथ उनकी जुगलबंदियां ऐतिहासिक रहीं। आर. डी. बर्मन (पंचम दा) के साथ उनका रिश्ता व्यक्तिगत और पेशेवर—दोनों स्तरों पर बेहद खास रहा। दोनों ने मिलकर संगीत को नए आयाम दिए।

वहीं ओ. पी. नैयर के साथ उनकी जोड़ी ने तेज़, रिदमिक और शरारती गीतों को लोकप्रिय बनाया। "आईये मेहरबान", "ये है रेशमी जुल्फें" जैसे गीत इसका उदाहरण हैं।

सम्मान और उपलब्धियां, सुरों की साधिका को देश का नमन

आशा भोंसले को उनके अतुलनीय योगदान के लिए भारत सरकार ने दादासाहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण जैसे सर्वोच्च सम्मानों से सम्मानित किया। इसके अलावा उन्हें अनगिनत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले। लेकिन उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान श्रोताओं का प्रेम था, जो उन्हें जीवन भर मिलता रहा।

निजी जीवन—संघर्ष, प्रेम और आत्मनिर्भरता की मिसाल: आशा भोंसले का निजी जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा। कम उम्र में विवाह, पारिवारिक जिम्मेदारियां और फिर अकेले बच्चों की परवरिश—इन सबके बीच उन्होंने अपने करियर को कभी पीछे नहीं छोड़ा। बाद में आर.डी. बर्मन के साथ उनका विवाह हुआ, जो संगीत की दुनिया में भी एक यादगार अध्याय बना। उन्होंने हमेशा आत्मनिर्भरता को महत्व दिया और यही संदेश अपनी गायकी और जीवन—दोनों से दिया।

अंतिम विदाई—संगीत प्रेमियों की नम आंखें: उनके निधन की खबर मिलते ही देश-विदेश से शोक संदेशों का तांता लग गया। संगीतकार, गायक, अभिनेता और आम श्रोता—हर कोई इस क्षति से स्तब्ध है। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर के बाद आशा भोंसले का जाना संगीत प्रेमियों के लिए एक ऐसा खालीपन छोड़ गया है, जिसे भर पाना असंभव है।

आज हर वह व्यक्ति शोक में है, जिसने कभी आशा जी की आवाज़ में अपने जीवन का कोई भाव महसूस किया हो—प्यार, दर्द, खुशी या अकेलापन।

अमर रहेंगी आशा—स्वर कभी नहीं मरते: जीवन और मृत्यु प्रकृति का शाश्वत नियम है। इसी नियम के अनुसार आशा भोंसले की देह भले ही हमारे बीच न रही हो, लेकिन उनकी आवाज़ कभी मौन नहीं होगी। रेडियो, फिल्मों, मंचों और दिलों में उनकी गायकी सदा गूंजती रहेगी। आशा भोंसले केवल एक नाम नहीं, बल्कि भारतीय संगीत की आत्मा थीं। उन्हें शत-शत नमन।

फलों और हरी सब्जियों की कमी से मधुमेह का शिकार हो रहे बच्चे

बच्चों में मधुमेह के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जानकारों के अनुसार फलों और हरी सब्जियों की कमी से मधुमेह (डायबिटीज) का रोग बढ़ा है। 10 या 11 साल की की उम्र में ज्यादातर बच्चें अधिक वजन वाले या मोटापे का शिकार हो रहे है जिससे उनमें डायबिटीज जैसी बीमारी के लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि हर दिन दो तिहाई से अधिक लोग फलों और हरी सब्जियों का खाने में कम इस्तेमाल करते है, जिससे उनमें डायबिटीज टाइप 2 जैसी गंभीर बिमारी होने के खतरा हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि व्यस्क हर दिन फलों और सब्जियों के तीन या उससे कम हिस्से का सेवन करते हैं जिससे करीब 12 मिलियन लोग, डायबिटीज टाइप 2 के शिकार हो सकते हैं।

एक सर्वे में पाया गया कि 66 प्रतिशत व्यस्क हर दिन केवल तीन या उससे कम मात्रा में फल और सब्जियां खाते हैं। जिनमें से 90 प्रतिशत लोगों को टाइप 2 डायबिटीज हैं। चैरिटी का कहना है कि अगर लोग अपने रहन सहन में बदलाव लाए तो डायबिटीज के पांच मामलों में से तीन से बचा जा सकता है। हर कोई जानता है कि उन्हें पांच दिन फल और सब्जियां खाना चाहिए लेकिन फिर भी यह सर्वेक्षण बताता है कि यह संदेश लोगों तक ठीक तरह से नहीं पहुंच रहा है।

यह जानना खतरनाक है कि अधिकांश लोग अभी भी पर्याप्त फलों और सब्जियों के सेवन से काफी दूर हैं। इतना ही नहीं, कई लोगों को इस बारे में भी नहीं पता हैं कि उन्हें कितनी मात्रा में फल और सब्जियां खाना चाहिए। डायबिटीज वाले लोगों के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ हेल्दी खाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जिससे उनको इस गंभीर बीमारी को रोकने में आसानी होगी। लोगों को बंद डिब्बों में मिलने वाले खाद्य पदार्थों में कितनी मात्रा में चीनी पाई जाती है इसकी जानकारी नहीं है। दो तिहाई लोगों को यह नहीं पता कि एक टिन बेक्ड बीन्स में चीनी के पांच चम्मच तक शामिल हो सकते हैं। लगभग दस में से छह लोगों ने कहा कि वे ज्यादा सब्जियां खाना चाहते है, लेकिन 23 प्रतिशत का कहना है कि वे काफी महंगी होती हैजबकि 10 लोगों में से लगभग एक का कहना हैं कि इसे बनाने में बहुत समय लगता है।

बच्चों को टाइफाइड से बचायें

बरसात के मौसम में मच्छर आदि की संख्या बढ़ जाती है, और रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। इन्ही में एक संक्रामक रोग टाइफाइड है, यह बुखार ऐसा है जो एक निश्चित समय के लिए होता है। यह किसी संक्रमित व्यक्ति के मल के माध्यम से दूषित वायु और जल से होता है।

टाइफाइड एक संक्रामक बीमारी है जो की लिवर से सम्बंधित है। हर साल तक़रीबन 2 लाख से ज्यादा लोग टाइफाइड की बीमारी के कारण जान गवाते है टाइफाइड की बीमारी मैं लिवर ठीक तरह से काम नही करता जिसकी वजह से बुखार के साथ ही पुरे शरीर में दर्द होने लगता है। अगर सही समय पर ध्यान ने दिया जाये तो टाइफाइड जानलेवा भी हो सकता है। समय के अंदर इसका इलाज ने किया जाये तो बच्चे की जान तक जा सकती है।

बच्चों में टाइफाइड के लक्षण

टाइफाइड के लक्षणों को जानना बहुत जरुरी है क्यूंकि समय रहते टाइफाइड के लक्षणों को पहचान लिए जाये तो समय से टाइफाइड से पीड़ित बच्चे का सही इलाज किया जा सकता है।

-टाइफाइड से पीड़ित बच्चे में प्रतिदिन बुखार होता है, जो हर दिन कम होने की बजाय बढ़ता रहता है।
-अत्यधिक कमज़ोरी और थकान महसूस होना।
-सिर में दर्द होना।
-पेट में दर्द और भूख न लगना।
-छाती पर गुलाबी निशान होना।
-दस्त आना।
-लिवर का बढ़ जाना।
-पेट में अल्सर की संभावना।
-कभी - कभी रोगी बच्चे को चपटे चकत्ते भी पड़ जाते हैं।
-सूखी खाँसी आना।
-जीभ पर मोटी परत जम जाना।

इन लक्षणों के नजर आने के बाद देर नहीं करनी चाहिए। चिकित्सक को दिखाएं और इलाज करवाना आवश्यक हो जाता है, ताकि बच्चा शीघ्र स्वस्थ हो सके।

बच्चों के टिफिन में न दे ये चीजें

अगर आप भी अपने बच्चों को लंच में रोज आलू का पराठा या सैंडविच-पास्ता देकर उसके पोषण का ध्यान रख रही हैं तो आप गलत हैं। बच्चों के विकास के लिए स्कूल लंच में इन चीजों को न दें। इससे बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ने लगता है।

आलू पराठा: सुबह नाश्ते में अधिकतर परिवारों में आलू का पराठा बनाकर खाया जाता है। आलू का पराठा पेट तो भर देता है लेकिन कार्बोहाइड्रेट और वसा से भरपूर होता है। जिससे बच्चों में फाइबर और प्रोटीन की कमी पैदा हो सकती है। इसके अलावा यह पचाने में भी भारी होता है, जिससे बच्चे सुस्ती महसूस कर सकते हैं।

सैंडविच: सैंडविच बनाने के लिए जरूरी चीजों में सफेद ब्रेड, मक्खन, आलू और चीज की जरूरत पड़ती है। जो पोषण की कमी पैदा कर सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सफेद ब्रेड, जिसे मैदा से बनाया जाता है, में फाइबर की कमी होती है। जो बच्चों के बार-बार भूख लगने और मोटापे का कारण बन सकता है।

मीठे स्नैक्स: चॉकलेट, कैंडी, कुकीज, केक, मिठाइयां जैसी चीजें स्कूल लंच में पैक करके ना दें। इस तरह की चीजों में चीनी की मात्रा अधिक होने से दांतों की सड़न और एनर्जी लेवल लो हो सकता है। जिससे बच्चे को जल्दी थकान महसूस हो सकती है।

मसालेदार खाना: बच्चे के लंच में स्पाइसी फूड जैसे मसालेदार चटनी, तीखी सब्जियां, मिर्ची वाले स्नैक्स भी पैक ना करें। जरूरत से ज्यादा मसाले बच्चों के पेट को नुकसान पहुंचाकर उनके लिए स्कूल में असुविधा पैदा कर सकते हैं।

मैगी: मैगी या इंस्टेंट नूडल्स के लिए प्यार, बच्चों से लेकर बड़ों में भी देखा जा सकता है। लेकिन सुबह की पहली मील में मैगी का सेवन, सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें मौजूद प्रिजर्वेटिव, सोडियम और मैदा बच्चों के पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है।

बच्चों की इन गलत आदतों को नजरअंदाज न करें

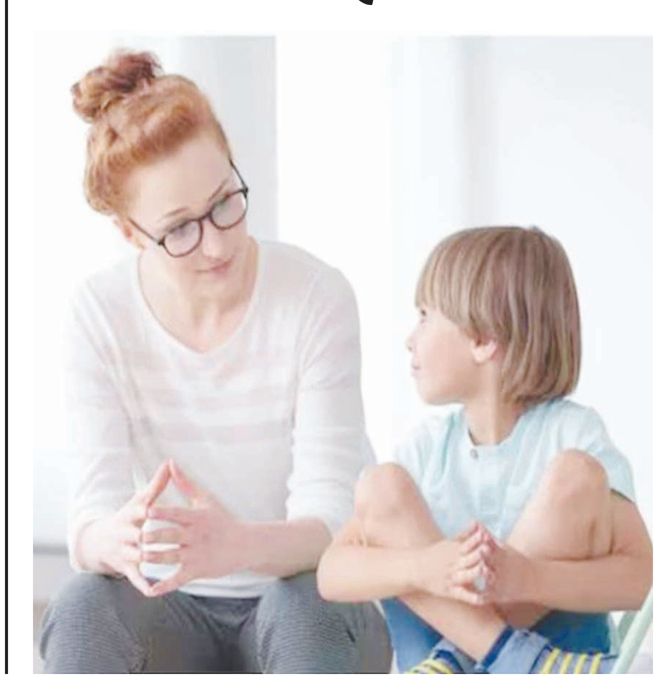

बचपन इंसान की जिंदगी की नींव होती है। एक बच्चा अपने बचपन में किस तरह का व्यवहार सीखता है उसका प्रभाव उसकी पूरी जिंदगी पर पड़ता है। । कई बार अभिभावक बच्चों की कुछ छोटी-छोटी गलत आदतों को ये सोचकर नजरअंदाज कर देते हैं कि बड़ा होने पर वो सुधर जाएगा पर यही लापरवाही आगे चलकर बच्चे के व्यवहार पर को खराब कर देती है। इसलिए इन आदतों की अनदेखी न करें।

बड़ों से बदतमीजी करना

कई बच्चे अपने से बड़ों से बात करते समय शिष्टाचार का ध्यान नहीं रखते। वे चिल्लाकर बोलते हैं या उल्टा जवाब देते हैं। बच्चे की ये आदत बहुत ही खराब होती है। जब कोई बच्चा अपने माता-पिता, दादी-दादा या किसी और बड़े से बदतमीजी करता है, तो लोग अभिभावकों की परवरिश पर सवाल उठाने लगते हैं। सबको लगता है कि घर में ही बच्चे को ऐसे संस्कार सिखाए जा रहे हैं। ऐसे में ये जरूरी है कि बच्चे को बड़े और छोटे दोनों का लिहाज करना सिखाया जाए।

नकल करना या मजाक उड़ाना

बच्चे अक्सर किसी की चाल, बोलने के ढंग की नकल करते हैं। जब तक यह नकल पॉजिटिव तरीके से की जाती है, तो ठीक रहती है। लेकिन बच्चे अगर किसी का मजाक उड़ाने लगें, किसी की कमजोरियों की नकल करने लगें, तो ये बदतमीजी होती है। बच्चों की इस हरकत की वजह से अभीभावकों को शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। इसलिए बच्चे अगर इस तरह की हरकत करें तो उन्हें प्यार से समझाएं कि किसी का मजाक उड़ाना गलत है और हर किसी का सम्मान करना चाहिए।

झूठ बोलने की आदत

अगर बच्चा बार-बार झूठ बोलने लगे, तो ये बहुत ही खराब आदत है। यूं तो शुरू में ये आदत खेल-खेल में या किसी डांट से बचने के लिए होती है, लेकिन अगर बच्चे को समय रहते समझाया ना जाए तो बच्चा धीरे-धीरे इसे सही समझने लगता है। ऐसा बच्चा स्कूल, दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच भरोसेमंद नहीं रहता। बच्चा जब झूठ बोलने लगता है तो इसका असर परिवार की इमेज पर भी पड़ता है। इसलिए बच्चे को सच बोलना सिखाना बहुत जरूरी है, चाहे इसके लिए थोड़ी सख्ती ही क्यों ना करनी पड़े।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 21 अवैध बंकर नष्ट और 13 आईईडी बरामद

इंफाल,(ईएमएस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। राज्य के उखरुल जिला में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया, जबकि अलग-अलग अभियान में तेंगनौपाल जिला से 13 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई हाल ही में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि शनिवार को उखरुल जिले के अंतर्गत लिटान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आने वाले सिकिबुंग गांव में सुरक्षा बलों ने 14 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा मोंगकोट चेपु इलाके में सात अन्य बंकरों को भी नष्ट किया गया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को 11 खाली कारतूस भी बरामद हुए, जिससे इलाके में हाल ही में हुई गतिविधियों के संकेत मिलते हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ये बंकर असामाजिक और उग्रवादी तत्वों द्वारा छिपने और गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बनाए गए थे। इन बंकरों के नष्ट होने से क्षेत्र में उनकी छिपने और ऑपरेशन क्षमता पर बड़ा असर पड़ेगा। इसी तरह, तेंगनौपाल जिले में चलाए गए एक अलग सर्च ऑपरेशन में 13 आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे एक बड़ी संभावित दुर्घटना टल गई। अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोटक संवेदनशील मार्गों और इलाकों को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा हो सकते थे। मणिपुर के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से सुरक्षा स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में सुरक्षा बल लगातार सर्च ऑपरेशन, गश्त और तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि शांति व्यवस्था बहाल की जा सके।

मनरेगा पर 47.86 करोड़ की बकाएदारी, कई-कई महीने नहीं हुआ पेमेंट

-पुराने भुगतान न होने के कारण ही योजना जिले में तोड़ रही दम

प्रयागराज,(ईएमएस)। भुगतान की लचर व्यवस्था के कारण मनरेगा पर करीब 47.86 करोड़ की बकाएदारी है। इसमें से करीब 46.86 करोड़ निर्माण सामग्री का बकाया है, जबकि बकाएदारी में तकरीबन एक करोड़ की धनराशि मजदूरी के हिस्से वाली है। यह बकाएदारी आने वाले दिनों में वीबी-जी राम-जी पर भारी पड़ सकती है। बता दें मनरेगा को बंद करके वीबी-जी राम-जी को धरातल पर लाने की तैयारी है। वैसे तो सरकारी सिस्टम इसकी तमाम खूबियां गिना रहा है, लेकिन शासन की उम्मीदों पर खरा उतरना इस योजना के लिए आसान नजर नहीं आ रहा। सबसे बड़ी वजह लंबे समय से चली आ रही करोड़ों की बकाएदारी है। नियमों के अनुरूप 15 दिन के अंदर मजदूरी श्रमिक के बैंक खाते में पहुंच जानी चाहिए, लेकिन कई-कई महीने पेमेंट ही नहीं होते हैं। वहीं निर्माण सामग्री की आपूर्ति तो एक-एक साल तक अटकी रहती है। भुगतान होता भी है तो आधा अधूरा। यही वजह है कि जनपद में मनरेगा पर बकाएदारी बढ़ती गई। इसकी वजह से न तो मजदूर इसमें दिलचस्पी दिखा रहे हैं और न ही मैटेरियल आपूर्ति करने में फर्में रुचि ले रहीं हैं। जानकारों का कहना है कि मनरेगा के पुराने भुगतान समय पर न हुए तो इसका असर वीबी-जी राम-जी पर भी देखने को मिलेगा। शंकरगढ़ ब्लाक में 339, धनुपुर में 347, करछना में 317, प्रतापुपर में 301, मेजा में 287 और उरुवा में 272 लाख रुपये का भुगतान बाकी है। श्रृंगवेरपुर में 263 और कौंधियारा में 241 लाख का भुगतान लंबित है। कुछ यही हाल अन्य ब्लाकों का भी है। पुराने भुगतान न होने के कारण ही योजना जिले में दम तोड़ रही है।

जेद्दा जा रहे यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान से उतारा, यात्री नाराज

लखनऊ,(ईएमएस)। सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट एसवी-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जा रहे थे। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट एसवी-588 से जाना था, लेकिन कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया। इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए और उन्हें लखनऊ में ही रोक दिया। यह घटना बीती रात की है। उड़ान का तय समय तड़के 2:30 बजे था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अचानक लिए गए फैसले से यात्रियों में नाराजगी दिखी। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय रहते सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। शुरुआत में रिफंड न मिलने से वह आक्रोशित भी थे। बाद में एयरलाइन अधिकारियों ने रिफंड का आश्वासन दिया, जिसके बाद यात्री घर लौट गए। सूत्रों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण कनेक्टिंग फ्लाइट रद्द की गई। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

दिव्यांगता का पुनर्मूल्यांकन होने के बाद बार-बार जांच के लिए बुलाना गलतः हाईकोर्ट

जयपुर,(ईएमएस)। फर्जी दिव्यांगता सर्टिफिकेट से नौकरी पाने वालों की चल रही जांच के बीच हाईकोर्ट ने कहा कि दिव्यांगता का पुनर्मूल्यांकन होने के बाद बार-बार किसी को जांच के लिए बुलाना गलत है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की कोर्ट ने यह टिप्पणी कुलदीप चौधरी की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के तहत सरकार का कर्तव्य है कि वह कानून के प्रावधानों का दुरुपयोग रोके, लेकिन यदि किसी व्यक्ति की मानक विकलांगता का आकलन विभाग के निर्देश पर किया जाता है, तो उसे बार-बार पुनर्मूल्यांकन के लिए उपस्थित होने के लिए नहीं कहा जा सकता है। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता लो विज़न कैटेगिरी की विकलांगता से ग्रसित है, वहीं उसकी विकलांगता 60 फीसदी आंकी गई है। याचिकाकर्ता का मेडिकल बोर्ड से विकलांगता का पुर्नमूल्यांकन हो चुका हैं, जिसमें उसकी विकलांगता 40 फीसदी से अधिक आंकी गई है, लेकिन अब एक बार फिर से किसी शिकायत पर एसओजी ने उसे नोटिस जारी करके पुर्नमूल्यांकन के लिए उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। वहीं सरकार की ओर से कहा गया कि राज्य को याचिकाकर्ता द्वारा दावा की गई मानक विकलांगता का पुनर्मूल्यांकन करने का अधिकार है। विभाग के अधिकार को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी दिव्यांग व्यक्ति ने आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत विकलांगता सर्टिफिकेट प्राप्त किया है और विभाग के कहने पर उसका पुनर्मूल्यांकन भी हो गया है।

बीजेपी ने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया:16-18 तक संसद में मौजूद रहना होगा; महिला आरक्षण के लिए विशेष सत्र; पीएम ने पत्र लिखा

नई दिल्लीः बीजेपी ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी। सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

इससे पहल रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए।

पीएम ने सभी दलों को चिट्ठी लिखी

पीमए मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है।

इस व्हिप के मुताबिक 16 से 18 अप्रैल तक सभी सांसदों की मौजूदगी अनिवार्य होगी। इसमें विशेष रूप से केंद्रीय मंत्रियों और सभी सदस्यों को निर्देशित किया गया है कि वे इन तीनों दिनों के दौरान सदन में मौजूद रहें। कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सदस्यों से अनुरोध है कि वे व्हिप का सख्ती से पालन करें और सदन में अपनी निर्बाध उपस्थिति तय करें। बता दें पीएम मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में सभी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर समर्थन का आग्रह किया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि इस संशोधन को पारित कराने के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए और इस विषय पर संसद में अपने विचार रखने चाहिए। उन्होंने इसे किसी एक पार्टी या व्यक्ति से ऊपर का विषय बताया है। पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर मिलते हैं। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए महिलाओं की पूर्ण भागीदारी को जरुरी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि आज देश में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और भारत की बेटियां अंतरिक्ष, खेल, सशस्त्र बलों और स्टार्ट-अप जैसे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वे अपने परिश्रम, संकल्प और बड़े सोच के साथ निरंतर सफलता हासिल कर रही हैं।

खड़गे बोले- सर्वदलीय बैठक हो

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खड़गे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भई विस्तार से चर्चा की जाए। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

पीएम के पत्र की 5 बातें...

- हम सार्वजनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देख रहे हैं।
- 2023 में संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए सभी दल साथ आए थे।
- संवैधानिक जानकारों और राजनीतिक दलों से बातचीत के बाद फैसला लिया गया।
- 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के साथ संपन्न होंगे।
- यह अधिनियम देश की महिलाओं के प्रति एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग बिल लाएगी सरकारः सरकार एक संशोधन बिल के एक संविधान साथ-साथ परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग साधारण बिल भी लाएगी। ताकि नए सिरे से सीटों का निर्धारण हो सके। नई सीटों का निर्धारण 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जा सकता है। यह कानून राज्यों की विधानसभाओं और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में भी लागू किया जाएगा।

कांग्रेस बोली-सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहतीः जयराम बोले- महिला आरक्षण में बदलाव से देश को गुमराह किया जा रहा

नई दिल्लीः कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। साथ ही महिला आरक्षण कानून में बदलाव के जरिए देश को गुमराह कर रही है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- सरकार अनुच्छेद 334-A में संशोधन की बात कर रही है। यह तर्क दे रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में समय लगेगा। लेकिन बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने 6 महीने से कम समय में जाति सर्वे पूरा किया है। उन्होंने कहा कि ये सरकार का छिपा हुई एजेंडा है। सरकार का असल मकसद जाति जनगणना नहीं कराना है। अनुच्छेद 334-A में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है। सरकार अब इसे अलग करने की कोशिश कर रही है, ताकि इसे जल्द लागू किया जा सके।

जयराम रमेश ने चार सवाल उठाए

20 जुलाई 2021 को सरकार ने लोकसभा में बताया था कि SC/ST के अलावा जातिवार जनगणना नहीं कराई जाएगी। 21 सितंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट में भी यही रुख रखा गया था।

28 अप्रैल 2024 को एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने जाति जनगणना के समर्थन को अर्बन नक्सली सोच बताया था। इसके बाद 30 अप्रैल 2025 को सरकार ने अगली जनगणना में जाति गणना शामिल करने की घोषणा की। 30 मार्च 2026 को जनगणना आयुक्त ने कहा था कि 2027 की जनगणना के कई आंकड़े उसी साल जारी हो जाएंगे, क्योंकि पूरी प्रक्रिया डिजिटल है। इसके बावजूद अब नतीजों में देरी की बात कही जा रही है। सरकार अब उस प्रावधान में बदलाव करना चाहती है, जिसे संसद ने सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित किया था।

महिला आरक्षण बिल के लिए 3 दिन का विशेष सत्र

जयराम रमेश का बयान ऐसे समय आया है, जब 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद का विशेष सत्र प्रस्तावित है। इसमें महिला आरक्षण कानून लागू करने और लोकसभा सीटें बढ़ाने से जुड़े बिल लाए जा सकते हैं। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

1 अप्रैल से जनगणना का पहला फेज शुरू हुआ

जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से शुरू हुआ। यह 30 सितंबर 2026 तक चलेगा। जनगणना के पहले फेज में 'हाउस लिस्टिंग' यानी मकानों की गिनती की जा रही है। दूसरा फेज 'जनसंख्या गणना' फरवरी 2027 में होगा। इसमें लोगों से उनकी जाति पूछी जाएगी। आजादी के बाद पहली बार जाति का डेटा जुटाया जाएगा। इससे पहले 1931 में ऐसा हुआ था। पहली बार जनगणना पूरी तरह से डिजिटल माध्यम से होगी। कर्मचारी मोबाइल ऐप के जरिए डेटा सीधे अपने स्मार्टफोन पर कलेक्ट करेंगे।

बंगाल में एसआईआरः सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाईः 23 को वोटिंग

नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट सोमवार को एसआईआर पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। 10 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह मतदाता सूची फ्रीज होने के खिलाफ नई याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करेगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट मालदा जिले में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव से जुड़े मामले में भी सुनवाई करेगा। चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को बंगाल के लिए एसआईआर की सूची जारी की थी। इसके बाद 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे।

बंगाल में 11.85% नाम हटे

पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए। बांग्लादेश सीमा से लगे जिलों में भी बड़े स्तर पर नाम हटे। नॉर्थ 24 परगना में 5.91 लाख में से 3.25 लाख नाम हटे। वहीं, 8.28 लाख में से 2.39 लाख नाम हटे।

चुनवा आयोग और टीएमसी के बीच मतभेद

8 अप्रैल को सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में टीएमसी का प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा था। लेकिन बैठक के बाद डेरेक ने कहा कि हमने एसआईआर के मुद्दे पर समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ने हमें सिर्फ 5 मिनट में भगा दिया। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन ने सीईसी को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे। चुनाव आयोग के एसआईआर के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में फाइनल वोटर लिस्ट जारी की गई। 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट में कुल 6.08 करोड़ नाम कम हुए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को एसआईआर शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाता करीब 51 करोड़ थे। फाइनल लिस्ट के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई।

भागवत बोले- हिंदू समाज में एकता की कमीः ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह

हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए आरएसएस बनाया था

निजामाबादः राष्ट्रीय स्वयं सेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था। भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी एक कमी थी। भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।

भागवत की स्पीच की 4 बातें

- हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। आरएसएस की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है और शाखा में आने वालों में यही संस्कार विकसित होते हैं।
- हेडगेवार हिंदुओं को मजबूत, निडर और अच्छा इंसान बनाने के पक्ष में थे। हेडगेवार का मानना था कि अगर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो देश को बार-बार आजादी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।
- आरएसएस की स्थापना किसी के खिलाफ नहीं हुई थी। इसे किसी पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी मातृभूमि को गुलामी से मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया था।
- जैसा हेडगेवार ने सोचा था, उसी दिशा में काम करने वाले कार्यकर्ता आज सक्रिय हैं और समाज को मजबूत बनाने में लगे हैं। कंडाकुर्थी में बना स्फूर्ति केंद्र देश के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा देगा।

जोधपुर के मंदिर में बड़ी चोरी, 5 किलो चांदी समेत लाखों का सामान गायब

जोधपुर,(ईएमएस)। राजस्थान के जोधपुर जिला में एक मंदिर में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। लूणी थाना क्षेत्र के सजाडा गांव स्थित त्रिलोक चंद भारती मंदिर में अज्ञात चोरों ने देर रात सेंध लगाकर लाखों रुपये के चांदी के आभूषण और धार्मिक सामान चुरा लिया। पुलिस के अनुसार, यह वारदात 10 अप्रैल की रात करीब 12:30 बजे से 3:30 बजे के बीच हुई। उस समय मंदिर के पुजारी पिंटू भारती परिसर में ही सो रहे थे, लेकिन चोरों ने बेहद शातिर तरीके से बिना किसी को भनक लगे वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर से करीब 5 किलो चांदी के गहने, 7 मुकुट और 22 छत्र लेकर फरार हो गए। सुबह जब पुजारी की नींद खुली तो मंदिर का सामान बिखरा देखकर वह हैरान रह गए। इसके बाद उन्होंने तुरंत ट्रस्ट के सदस्यों और ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले में शंभूसिंह की रिपोर्ट पर लूणी थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच की जिम्मेदारी एएसआई छोटूराम को सौंपी गई है।

सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं पर एक्शन की तैयारी में आलाकमान

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक नेतृत्व के एकीकरण को लेकर कांग्रेस में तनाव बढ़ गया है। कहा जा रहा है कि पार्टी हाईकमान सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं की पार्टी विरोधी गतिविधियों से नाराज हैं। ऐसे में इन नेताओं पर पार्टी आलाकमान जल्द एक्शन ले सकता है। हाल ही में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था। अब सीएम के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद को पद छोड़ने के लिए कहा गया है। शनिवार को सिद्धामैया और हाईकमान के बीच देर रात तक कई दौर की बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकमान ने निर्देश दिया है कि दावणगेरे दक्षिण में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी और पूर्व जद(एस) नेता जमीर अहमद खान भी इस जांच के घेरे में आ गए हैं। इंटेलिजेंस विंग और एआईसीसी सचिव अभिषेक दत्त की दो अलग-अलग रिपोर्टों में जब्बार, नजीर अहमद और जमीर को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया। उनपर आरोप हैं कि उन्होंने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों का समर्थन किया। इसके साथ ही उनके कंपेन के लिए फंडिंग की और चुनाव में भी मदद की।

पार्टी को शक है कि इनमें से कुछ नेताओं ने वित्तीय रूप से एसडीपीआई की मदद की होगी, जो कांग्रेस के लिए किसी बड़ी राजनीतिक चुनौती से कम नहीं है। इंटेलिजेंस इनपुट्स ने दावणगेरे दक्षिण में एक एसडीपीआई उम्मीदवार के समर्थन से जुड़े वित्तीय लेनदेन को ट्रैक किया है। तीनों नेताओं ने एक अल्पसंख्यक उम्मीदवार, सादिक पहलवान के लिए भी पुरजोर दबाव बनाया था। इसके बाद सिद्धारमैया को आंतरिक असंतोष को शांत करने के लिए सेकेंड लाइन मुस्लिम नेताओं रिजवान अरशद और सलीम अहमद को आगे लाना पड़ा।

आशा भोसले को कभी रिकॉर्डिंग स्टूडियो से निकाला गयाः गरीबी में बहन लता के साथ चोरी-छिपे स्कूल जाती थीं, 16 की उम्र में भागकर शादी की

सुरों की मल्लिका आशा भोसले का आज 92 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें शनिवार रात चेस्ट इन्फेक्शन के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था। आशा भोसले बीते 70 सालों से हिंदी सिनेमा का हिस्सा थीं। उन्होंने कई भाषाओं में रिकॉर्ड 12 हजार गाने गाए। हालांकि एक समय ऐसा भी था जब आशा को यह कहकर रिकॉर्डिंग स्टूडियो से निकाल दिया गया कि उनकी आवाज खराब है। आज दुनियाभर के कई होटलों की मालकिन आशा भोसले का बचपन गरीबी में बीता। तंगहाली का आलम ये था कि फीस नहीं होने के चलते उन्हें स्कूल से बाहर निकाल दिया गया था।

बहन के साथ चोरी-छिपे स्कूल जाती थीं आशा भोसले

8 सितंबर 1933 में आशा भोसले का जन्म महाराष्ट्र के सांगली में हुआ। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर, रंगमंच कलाकार थे। घर में तंगहाली का वो आलम था कि बड़ी बहन लता मंगेशकर का जब स्कूल में दाखिला करवाया गया, तो वो आशा को चोरी-छिपे स्कूल ले जाने लगीं। मास्टर से छिपकर वो आशा को साथ बैठा लेती थीं। स्कूल जाते हुए महज दो दिन ही हुए थे कि मास्टरजी ने चोरी पकड़ ली। उन्होंने दोनों को क्लासरूम से बाहर कर दिया और कहा कि एक फीस में एक ही बच्चा स्कूल आ सकता है। दोनों घर लौट गए।

अगले दिन लता ने फैसला किया कि वो छोटी बहन को पढ़ाएंगी। उन्होंने पिता से बात कर स्कूल से अपना नाम कटवा दिया और अपनी जगह बहन आशा का एडमिशन करवाया। आशा महज 9 साल की थीं, जब उनके पिता का निधन हो गया। ऐसे में लता ने ही संघर्ष कर हिंदी सिनेमा में कदम रखा और

बहन की परवरिश की।

गाना रिकॉर्ड करने पहुंचीं, तो आवाज पर ताना देकर स्टूडियो से निकाला गया

आशा भोसले को एक बार खराब आवाज बताकर किशोर कुमार के साथ रिकॉर्डिंग स्टूडियों से बाहर निकाल दिया गया था। बात 1947 की है। आशा, किशोर कुमार के साथ फेमस स्टूडियों में राज कपूर और नर्गिस स्टारर फिल्म 'जान पहचान' के लिए एक गाना रिकॉर्ड करने गई थीं। इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर खेमचंद प्रकाश थे। तब स्टूडियो में कोई खास सुविधा नहीं होती थी। माइक भी सिर्फ एक ही रहता था और गायकों को उसके सामने खड़े होकर गाना पड़ता था। आशा और किशोर दा ने जैसे ही गाना शुरू किया, वहां रिकॉर्डिस्ट रॉबिन चटर्जी ने धीरे से म्यूजिक डायरेक्टर खेमचंद्र से बंगाली में कहा- इन दोनों की आवाज माइक में अच्छी नहीं लग रही, दूसरे सिंगर लाओ। पास खड़े किशोर दा ये बात समझ गए। उन्होंने आशा से कहा कि यहां कुछ गड़बड़ है। उनका गाना भी रोक दिया गया और थोड़ी देर में ही उन्हें वहां से निकल जाने को कहा गया। रात के 2 बज चुके थे। दोनों इस अपमान से टूट गए और वहां से निकलकर महालक्ष्मी स्टेशन के पास बैठे और ये चर्चा करने लगे कि आखिर उनसे कहां चूक हुई।

सालों बाद किशोर कुमार ने अपने और आशा के अपमान का बदला लिया

1957 तक आशा भोसले हिंदी सिनेमा में पहचान बना चुकी थीं। उनके गाने उड़ें जब-जब जुल्फें तेरी काफी हिट रहा था। किशोर कुमार भी अपनी पहचान बना चुके थे। कामयाबी मिलने के बाद एक रोज उन्हें फिर उसी स्टूडियो में रिकॉर्ड करने का मौका मिला। वहां रॉबिन चटर्जी भी मौजूद थे, जिन्होंने सालों पहले उन्हें और आशा को स्टूडियो से निकलवाया था। आशा ताई तो झिझक में कुछ कह नहीं सकीं, लेकिन किशोर कुमार ने मौके का फायदा उठाया और रिकॉर्डिस्ट से कहा- क्यों, आपने तो कहा था कि हम गा नहीं सकते। आप देख लीजिए कि अब हम कहां हैं।

अमेरिका-ईरान में नहीं बनी बात, पर 16 जहाजों को निकलने दिया

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई है। इस पूरे विवाद और वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र स्ट्रेट ऑफ होर्मुज रहा है। युद्ध के बाद से ही इस सामरिक समुद्री मार्ग पर कड़ा पहरा है। राहत की बात यह रही कि वार्ता के बेनतीजा रहने के बावजूद शनिवार को इस मार्ग से कम से कम 16 जहाज गुजरे, जो युद्धविराम के बाद से अब तक का सबसे व्यस्त दिन दर्ज किया गया।

दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी तनाव को कम करने के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर आम सहमति नहीं बन सकी। हालांकि यह वार्ता द्विपक्षीय थी, लेकिन वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिहाज से पूरी दुनिया की निगाहें इस पर टिकी हुई थीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस फ्रैंक ई. पीटरसन और यूएसएस माइकल मर्फी इस क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय हैं। इन युद्धपोतों को विशेष रूप से ईरानी समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने और मार्ग को सुरक्षित करने के अभियान में लगाया गया है। निगरानी संस्था मैरीन ट्रैफिक ने पुष्टि की है कि अमेरिकी सुरक्षा घेरे में चीन, हांगकांग और लाइबेरिया के झंडे वाले तीन विशाल तेल टैंकरों को सफलतापूर्वक निकाला गया।

दूसरी ओर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपने संबोधन में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने जैसे संवेदनशील विषय पर किसी भी गहरे मतभेद का जिक्र नहीं किया। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है,

जहाँ से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। इसका बंद होना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए किसी बड़े संकट से कम नहीं है।

इस गतिरोध को तोड़ने के लिए पाकिस्तान ने एक संयुक्त गश्त का प्रस्ताव भी पेश किया है। इस्लामाबाद में हुई इस सीधी बातचीत के दौरान पाकिस्तान ने सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुचारू बनाने के लिए इस विवादित जलमार्ग में एक संयुक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। पाकिस्तान की इस रूपरेखा का उद्देश्य क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। अब देखना यह होगा कि क्या भविष्य में दोनों देश इस प्रस्ताव पर विचार करते हैं या तनाव की स्थिति बरकरार रहती है।

होर्मुज में बिछाई गई समुद्री माइंस बनी ईरान के लिए मुसीबत, चाहकर भी नहीं खोल पा रहा रास्ता

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति वार्ता के बीच एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों और हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को फिलहाल पूरी तरह से नहीं खोल सकता। इसका कारण कोई राजनीतिक गतिरोध नहीं, बल्कि वे समुद्री माइंस हैं, जिन्हें ईरान ने पिछले महीने युद्ध के दौरान खुद बिछाया था। विडंबना यह है कि ईरान अब खुद इन माइंस की सटीक लोकेशन का पता लगाने में असमर्थ है।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने संघर्ष के दौरान ईरान ने छोटे जहाजों का उपयोग करके होर्मुज के जलक्षेत्र में बड़ी संख्या में माइंस बिछाई थीं। यह प्रक्रिया व्यवस्थित सैन्य ऑपरेशन के बजाय काफी अफरातफरी में की गई थी। इसके चलते कई माइंस की लोकेशन का रिकॉर्ड नहीं रखा गया। वहीं, कुछ माइंस समुद्री धाराओं के तेज बहाव के कारण अपनी मूल जगह से खिसक कर दूर बह गई हैं। अब ये माइंस ईरान के लिए एक बड़ी तकनीकी चुनौती बन गई हैं, क्योंकि जब तक इन्हें हटाया नहीं जाता, तब तक इस रास्ते से गुजरने वाले किसी भी जहाज के लिए बड़ा खतरा बना रहेगा।

ईरान के सामने वर्तमान में दोहरी समस्या खड़ी है। पहली यह कि उसे खुद नहीं पता कि सभी घातक माइंस समुद्र में कहां छिपी हैं। दूसरी, जिन माइंस की जानकारी उपलब्ध है, उन्हें हटाने के लिए ईरान के पास पर्याप्त तकनीकी क्षमता की कमी है। इसी जटिलता के कारण ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने हाल ही में संकेत दिया था कि होर्मुज को 'तकनीकी सीमाओं' को ध्यान में रखते हुए ही खोला जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि उनका यह बयान सीधे तौर पर माइंस से उत्पन्न खतरे की ओर इशारा था। हालांकि, ब्रिटेन जैसे देशों के पास माइंस हटाने की उन्नत तकनीक है, जो इस संकट के समाधान में सहायक हो सकती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य का महत्व इसी बात से समझा जा सकता है कि दुनिया के कुल तेल और एलएनजी आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। यहां माइंस बिछाने के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार और शिपिंग उद्योग पर बुरा असर पड़ा है। फिलहाल, ईरान ने एक बहुत ही संकरा सुरक्षित कॉरिडोर खुला रखा है, जहां से चुनिंदा जहाजों को गुजरने की अनुमति दी जा रही है। लेकिन इस कॉरिडोर के आसपास का विशाल समुद्री क्षेत्र अब भी अनिश्चितता और जोखिम के साये में है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कुछ सुरक्षित मार्गों के नक्शे तो जारी किए हैं, लेकिन वे पूरे होर्मुज क्षेत्र की सुरक्षा की गारंटी देने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम पर नेतन्याहू का एर्दोगन पर तीखा हमला

तेल अवीव,(ईएमएस)। मध्य पूर्व की राजनीति में एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन पर तीखा हमला बोला है। यह प्रतिक्रिया अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए युद्धविराम समझौते पर एर्दोगन की टिप्पणियों के बाद आई है। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि उनके नेतृत्व में इजरायल ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। उन्होंने एर्दोगन पर आरोप लगाते हुए कहा कि तुर्की ऐसे तत्वों को शरण देता है, जबकि इजरायल अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता से खड़ा है। साथ ही, उन्होंने एर्दोगन पर अपने ही कुर्द नागरिकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का भी आरोप लगाया। दरअसल, इस सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी थी, जिसके बाद एर्दोगन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संभावित उकसावों और तोड़फोड़ को लेकर चेतावनी दी थी। उन्होंने आशंका जताई थी कि कुछ ताकतें इस समझौते को विफल करने की कोशिश कर सकती हैं, हालांकि उन्होंने किसी विशेष देश या संगठन का नाम नहीं लिया। इससे पहले नेतन्याहू ने दावा किया था कि अमेरिका और इजरायल के संयुक्त अभियान ने ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इजरायल ऐसी स्थिति में पहुंच चुका है, जहां ईरान की कोई सक्रिय संवर्धन (एनरिचमेंट) सुविधा शेष नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बयानों से क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है, खासकर ऐसे समय में जब कूटनीतिक स्तर पर शांति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। तुर्की, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती बयानबाजी से मध्य पूर्व में अस्थिरता की आशंका बनी हुई है। फिलहाल, युद्धविराम के बावजूद क्षेत्रीय समीकरण तेजी से बदल रहे हैं और वैश्विक शक्तियों की नजर इस पूरे घटनाक्रम पर टिकी हुई है।

तुर्किये में नेतन्याहू समेत 35 पर केस, 4,596 साल तक जेल की मांग

तुर्किये,(ईएमएस)। तुर्किये में एक बड़ा कानूनी मामला सामने आया है, जिसमें बेंजामिन नेतन्याहू समेत 35 लोगों के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज किया गया है। यह मामला गाजा जा रहे एक राहत मिशन पर कथित हमले से जुड़ा बताया जा रहा है। इस्तांबुल के मुख्य सरकारी वकील के कार्यालय द्वारा दाखिल आरोपपत्र में सभी आरोपियों के लिए बेहद कठोर सजा की मांग की गई है। इसमें उम्रकैद के साथ-साथ 1,102 साल से लेकर 4,596 साल तक की अतिरिक्त सजा का भी उल्लेख किया गया है, जिसे अब तक के सबसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय मामलों में से एक माना जा रहा है। आरोपों में मानवता के खिलाफ अपराध, नरसंहार, गैरकानूनी हिरासत, यातना और लूट जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। यह पूरा मामला पिछले वर्ष सितंबर में हुए उस घटनाक्रम से जुड़ा है, जब 'सुमुद फ्लोटिला' नामक एक राहत मिशन गाजा की ओर खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य जरूरी सहायता लेकर जा रहा था। जांच के अनुसार, जब यह फ्लोटिला अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में था, तब कथित रूप से इजराइली नौसेना ने उसे रोक लिया। आरोप है कि सैनिक जहाजों पर चढ़े, राहत कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और मिशन को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। तुर्किये का कहना है कि यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है क्योंकि घटना अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई थी और जहाज मानवीय सहायता लेकर जा रहे थे। इसी आधार पर इस मामले को गंभीर अपराध मानते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। फिलहाल यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है और आने वाले दिनों में इसके कूटनीतिक असर और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता बेनतीजा, फिर भी पाकिस्तान थपथपा रहा अपनी पीठ

इस्लामाबाद (ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग को रोकने के लिए पाकिस्तान ने मध्यस्थता की। इस्लामाबाद में शांति वार्ता का आयोजन किया। हालांकि ये बातचीत बेनतीजा रही। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी पीठ थपथपाने से पीछे नहीं है। विदेश मंत्री इशाक डार ने बातचीत में शामिल होने के लिए अमेरिका और ईरान का आभार जताया है। शांति वार्ता के बाद इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान इन शांति वार्ताओं की मेजबानी करके सम्मानित महसूस कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डार ने कहा कि हम इस्लामाबाद में शांति वार्ता आयोजित करने के लिए ईरान और अमेरिका का शुक्रिया अदा करते हैं। ये न सिर्फ मिडिल-ईस्ट बल्कि पूरी दुनिया की स्थिरता के लिए एक अच्छा संकेत है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने इस दौरान उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष भविष्य में भी सीजफायर पर समझौतों को जारी रखेंगे। उन्होंने शांति के लिए पाकिस्तान की कोशिशें जारी रहने का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने आगे बताया कि इस पूरी शांति वार्ता के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि मुनीर ने सीजफायर करने के लिए कई दौर की वार्ताओं में मदद की।

बता दें इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच 21 घंटों तक बातचीत का दौर चला। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कई मुद्दों पर सहमति भी बनी, लेकिन परमाणु हथियार और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच बात नहीं बन पाई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि वह बातचीत की नीयत से वार्ता में शामिल हुए थे, लेकिन ईरान अमेरिका का शर्तें मानने पर तैयार नहीं है। वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका रवाना हो गए हैं। वहीं, ईरानी मीडिया का दावा है कि अमेरिका अपनी शर्तों में बहुत कुछ मांग रहा था।

पाकिस्तान को उम्मीदः 10 दिन बाद एक बार फिर ईरान-अमेरिका के बीच हो सकती है बातचीत

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच आयोजित उच्च स्तरीय शांति वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस विफलता की पुष्टि करते हुए घोषणा की है कि वह बिना किसी समझौते के स्वदेश लौट रहे हैं। इतना सब होने के बाद भी पाकिस्तान को उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच 10 दिन बाद बातचीत होगी और कुछ न कुछ रास्ता निकलेगा। विफलता के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और गहराने की आशंका बढ़ गई है। हालांकि, पाकिस्तान को अब भी उम्मीद की किरण नजर आ रही है। विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि हालांकि मौजूदा दौर की बातचीत खत्म हो गई है, लेकिन अगले 10 दिनों में दोबारा वार्ता शुरू होने की संभावना है। डार के मुताबिक, स्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं पर संघर्षविराम की उम्मीदें अभी खत्म नहीं हुई हैं। बातचीत विफल होते ही समंदर में सैन्य गतिविधियां तेज हो गई हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जानकारी दी कि अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में माइंस हटाने और समुद्री मार्ग को सुरक्षित करने के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि ईरान के सहयोग के बिना भी अमेरिका वैश्विक व्यापारिक मार्ग को सुरक्षित करने के लिए सैन्य कार्रवाई करेगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता अब काफी कमजोर हो चुकी है। मीडिया से बातचीत में वेंस ने मेजबान पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के प्रयासों को सराहा, लेकिन कूटनीतिक गतिरोध दूर करने में उन्हें कामयाबी नहीं मिली। उपराष्ट्रपति वेंस के अनुसार, दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच लगभग 21 घंटे तक गहन मंथन चला। कई जटिल मुद्दों पर चर्चा आगे बढ़ी, लेकिन अंतिम सहमति की मेज तक नहीं पहुंच सकी। वेंस ने कहा कि वार्ता का गंभीर होना सकारात्मक पहलू है, लेकिन किसी समझौते का न होना एक बड़ा झटका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह स्थिति ईरान के लिए अधिक नुकसानदेह साबित होगी, क्योंकि अमेरिका ने अपनी रेड लाइन्स पहले ही स्पष्ट कर दी थीं, जिन्हें ईरान ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

नेतन्याहू ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विफल करने का किया दावा, लेबनान में 2000 लोगों की मौत

तेल अवीव(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आयोजित शांति वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस विफलता की पुष्टि करते हुए कहा कि 21 घंटे तक चले गहन मंथन के बावजूद कोई सार्थक परिणाम नहीं निकल सका, जिसके बाद वह अमेरिका वापस लौट रहे हैं। वार्ता के विफल होने से क्षेत्र में शांति की उम्मीदों को करारा झटका लगा है।

इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल करने का दावा किया है। शनिवार को जारी एक वीडियो संदेश में नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ईरान और उसके सहयोगियों का नक्शा साझा करते हुए कड़ा रुख अपनाया और कहा कि जो लोग इजराइल का गला घोंटना चाहते थे, हमने उन्हें ही करारा जवाब दिया है। नेतन्याहू के अनुसार, इजराइल ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को काफी हद तक नाकाम कर दिया है।

ईरान के परमाणु खतरे पर चर्चा करते हुए उन्होंने दावा किया कि तेहरान परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब था और रोजाना सैकड़ों मिसाइलें बनाने की क्षमता विकसित कर रहा था। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को जमीन के भीतर इतना गहरा छिपाना चाहता था कि वहां शक्तिशाली बमवर्षक विमान भी न पहुंच सकें। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान के पास अब भी 400 किलोग्राम से अधिक संवर्धित यूरेनियम मौजूद है, जिसे या तो कूटनीति के माध्यम से या बल प्रयोग द्वारा हटाया जाएगा।वहीं, लेबनान मोर्चे पर स्थिति और भयावह होती जा रही है। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष में लेबनान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,020 हो गई है। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह हफ्तों से जारी इस युद्ध में अब तक 248 महिलाएं, 165 बच्चे और 85 स्वास्थ्यकर्मी अपनी जान गंवा चुके हैं। पिछले 24 घंटों में ही लगभग 100 लोगों की मौत हुई है, जबकि घायलों की कुल संख्या 6,436 तक पहुंच गई है। नेतन्याहू ने लेबनान में युद्धविराम की संभावनाओं पर कहा कि जब तक हिजबुल्लाह का पूर्ण निरस्त्रीकरण नहीं हो जाता, तब तक स्थायी शांति पर फैसला नहीं लिया जा सकता।

वेस्ट बैंक के तुलकरेम में दो अलग-अलग हमलों में पांच लोगों की मौत

बैरूत,(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच इजराइली डिफेंस फोर्सेस ने एक बड़ी कार्रवाई का दावा किया है। इजराइली सेना ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि उन्होंने लेबनान और वेस्ट बैंक के तुलकरेम में दो अलग-अलग ऑपरेशनों में आतंकी हमलों की बड़ी साजिशों को नाकाम कर दिया है। इस हमले में पांच लोगों की मौत हुई है। सेना का कहना है कि हमले के लिए तैयार खड़े रॉकेट लॉन्चर और बम बनाने वाली एक हाईटेक लैब को पूरी तरह तबाह कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में आईडीएफ के मुताबिक, दक्षिणी लेबनान के ज्वेया इलाके में एक रॉकेट लॉन्चर तैनात किया गया था। यह लॉन्चर इजराइल की तरफ रॉकेट दागने के लिए तैयार था, लेकिन इससे पहले कि हमला हो पाता, इजराइली सेना ने इसे ट्रैक किया और सटीक हमला कर मलबे में तब्दील कर दिया। इजराइली सेना का कहना है कि अगर वक्त रहते कार्रवाई नहीं होती, तो इजराइली नागरिक इलाकों में बड़ा नुकसान हो सकता था। दूसरी ओर वेस्ट बैंक के तुलकरेम इलाके में खुफिया जानकारी के आधार पर आईडीएफ ने एक बड़ी छापेमारी की। यहां सेना को विस्फोटक बनाने वाली एक गुप्त लैब मिली। इस लैब के अंदर जो सामान मिला, उसने सुरक्षा एजेंसियों के भी होश उड़ा दिए। लगभग 200 पाइप बम बरामद किए गए। गाड़ियों में धमाका करने के लिए तैयार किए गए फायर एक्सटिंग्विशर। गाड़ियों के नीचे लगाकर ब्लास्ट करने के लिए रखे गए बड़े गैस सिलेंडर। 50 किलो से ज्यादा विस्फोटक पाउडर और अन्य सामग्री। इजरायली सेना का कहना है कि इस लैब में तैयार किए जा रहे बमों का इस्तेमाल जूडिया और सामरिया में ऑपरेशन कर रहे इजराइली सैनिकों के खिलाफ होना था। साथ ही इन विस्फोटकों के जरिए इजराइली नागरिकों को निशाना बनाकर बड़े आतंकी हमलों की प्लानिंग की गई थी। इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

ट्रंप की चीन को चेतावनी! अगर ईरान को हथियार सप्लाई किए तो... बड़ी मुश्किलें खड़ी कर देंगे

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को चीन को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि ईरान को हथियार भेजने की स्थिति में चीन के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी हो जाएगी जिसका बुरा अंजाम होगा । ट्रंप ने कहा है कि मौजूदा वक्त में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है, लेकिन उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि ईरान के साथ कोई समझौता होता है या नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि चाहे जो भी हो, जीत अमेरिका की ही होगी। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी है कि ईरान ने पानी में कुछ समुद्री बारूद बिछाए हो सकते हैं, जिसके जवाब में अमेरिकी माइन स्वीपर्स वहां तैनात हैं और होर्मुज़ स्ट्रेट की सफाई कर रहे हैं। वहीं, ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से कोई सैन्य जहाज नहीं गुजरने दिया जा रहा है। अमेरिका का कोई शिप होर्मुज से नहीं गुजरा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने चीन के संभावित हस्तक्षेप को लेकर अपनी स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने कहा कि चीन को बड़ी समस्याएं होने वाली हैं अगर वह ईरान को हथियारों की खेप भेजता है। अमेरिका इसे अपनी सुरक्षा और चल रही बातचीत के लिए एक बड़ी बाधा के रूप में देख रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही इस्लामाबाद वार्ता और दो हफ़्ते की एक नाज़ुक सीज़फ़ायर डील होने के बावजूद कई लोगों को डर है कि यह जंग अभी खत्म होने से कोसों दूर है। अमेरिकी सेना और जंगी जहाज अभी भी ईरान के पास तैनात हैं। वहीं, तेहरान भी चुप नहीं बैठा है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी इंटेलिजेंस का मानना है कि ईरान को अगले कुछ हफ्तों में चीन से नए एयर डिफ़ेंस सिस्टम मिलने की संभावना है।

हालांकि, चीन इस एक महीने लंबी जंग के दौरान ज़्यादातर चुप ही रहा है और उसने अपने सहयोगी ईरान को सीजफायर डील के लिए राजी करने में आखिरी मौके पर दखल भी दिया था, लेकिन चीन का ऐसा कोई भी कदम अमेरिका को उकसाने वाला लगेगा। इसका असर ट्रंप के अगले महीने चीन के बहुप्रतीक्षित दौरे पर भी पड़ेगा, जहां उन्हें शी जिनपिंग से बातचीत करनी है। हालांकि, चीन ने इस इंटेलिजेंस आकलन को गलत बताया है। वॉशिंगटन में चीनी दूतावास ने कहा कि चीन ने इस संघर्ष में शामिल किसी भी पक्ष को कभी हथियार नहीं दिए हैं। हम अमेरिका से गुजारिश करते हैं कि वह बेबुनियाद आरोप लगाने, जान-बूझकर गलत संबंध जोड़ने और सनसनी फैलाने से परहेज़ करे। हमें उम्मीद है कि संबंधित पक्ष तनाव कम करने में मदद के लिए और ज़्यादा कोशिश करेंगे।

हालांकि, ईरान ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी है, लेकिन उसके इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इस हमले के पीछे एक नए एडवांस डिफेंस सिस्टम का हाथ बताया है। यह पता नहीं है कि क्या यह कोई चीनी सिस्टम था। एक्सपर्ट्स ने पहले कहा है कि ईरान शायद चीनी एचक्यू-9बी का इस्तेमाल कर रहा हो, जो एक बहुत ही एडवांस लंबी दूरी की मिसाइल सिस्टम है। अप्रैल के पहले हफ़्ते में ट्रंप ने भी इशारा किया था कि ईरान के ऊपर मार गिराए गए एफ-15ई विमान को एक हाथ से दागी जाने वाली, गर्मी का पता लगाने वाली कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल से निशाना बनाया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर चीन हथियारों की आपूर्ति करता है, तो यह पहली बार नहीं होगा जब उसने युद्ध के दौरान ईरान की मदद की हो. मार्च की शुरुआत में चीन ने दो जहाज़ों को ईरान के लिए रवाना होने की अनुमति दी थी, जिनमें शायद सोडियम परक्लोरेट लदा हुआ था। यह ठोस रॉकेट ईंधन बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक मुख्य घटक है।

धरती ही हमारा साझा घरः आर्टेमिस-2 के नायकों ने साझा किए चांद की यात्रा के अनुभव

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। चांद के चारों ओर ऐतिहासिक फ्लाईबाय पूरा कर लौटे आर्टेमिस-2 मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्रियों का शनिवार को ह्यूस्टन में भव्य स्वागत किया गया। 10 दिनों तक अंतरिक्ष की गहराइयों में रहने और मानव इतिहास की सबसे लंबी दूरी तय करने का रिकॉर्ड बनाने के बाद जब यह दल अपने परिवार से मिला, तो जॉनसन स्पेस सेंटर खुशियों और आंसुओं का गवाह बना। नासा के प्रशासक जारेड आइजैकमैन ने इस मिशन को मानवता के लिए एक बड़ी छलांग करार दिया। इस ऐतिहासिक मिशन के अनुभवों को साझा करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों ने विज्ञान से परे मानवीय भावनाओं और जुड़ाव पर ज़ोर दिया।

मिशन कमांडर रीड वाइसमैन ने भावुक होते हुए बताया कि पृथ्वी से 2 लाख मील से भी अधिक की दूरी पर रहना एक बड़ी चुनौती थी। उन्होंने साझा किया कि शून्य

के बीच रहकर उन्हें सबसे ज्यादा अपने परिवार और दोस्तों की कमी महसूस हुई। वाइसमैन के अनुसार, यह उनके जीवन का सबसे अनमोल अनुभव था जिसे शब्दों में समेटना कठिन है। अंतरिक्ष यात्री विक्टर ग्लोवर ने अपनी इस रहस्यमयी यात्रा को अविस्मरणीय बताया। उन्होंने सुरक्षित वापसी के लिए ईश्वर का धन्यवाद किया और कठिन प्रशिक्षण से लेकर मिशन के अंत तक परिवार से मिले समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया। क्रिस्टीना कोच ने अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखने के अपने अनुभव को एक गहरा जीवन दर्शन बताया। उन्होंने कहा कि जब आप अंतरिक्ष की असीम गहराइयों से धरती को एक छोटे से बिंदु के रूप में देखते हैं, तो अहसास होता है कि पृथ्वी ही हमारा साझा घर है। उन्होंने टीम वर्क के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि एक क्रू होने का मतलब हर स्थिति में एक-दूसरे का संबल बनना है। कनाडाई अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसन ने मिशन के दौरान टीम की ऊर्जा को जॉय ट्रेन का नाम दिया। उन्होंने कहा कि यह मिशन केवल तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि इंसानी जुड़ाव की एक अद्भुत कहानी है। आर्टेमिस-2 की इस सफलता ने अब 2027 में होने वाले आर्टेमिस-3 मिशन का मार्ग प्रशस्त कर दिया है, जिसके तहत मनुष्य एक बार फिर चंद्रमा की सतह पर कदम रखेगा। फिलहाल, ये चारों यात्री अपने अनुभवों के जरिए दुनिया को अंतरिक्ष की विशालता और पृथ्वी की महत्ता का पाठ पढ़ा रहे हैं।

चेरनीहीव में रुस के कब्जे से मुक्त हुए यूक्रेनी सैनिकों को देखती हुई एक महिला अपने लापता रिश्तेदार की तस्वीर लाथ में लिए हुए रोती हुई।

अमेरिका ने ईरान को दिया फाइनल ऑफर, बिना किसी ठोस नतीजे के वापस लौटे जेडी वेंस

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान की मेजबानी में इस्लामाबाद में आयोजित अमेरिका और ईरान के बीच की महत्वपूर्ण शांति वार्ता बेनतीजा समाप्त हो गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस वार्ता के किसी भी सार्थक परिणाम तक न पहुंचने पर गहरी निराशा व्यक्त की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल अब वापस लौट रहा है। हालांकि उन्होंने विफलता शब्द का सीधा प्रयोग नहीं किया, लेकिन उन्होंने इसे एक बुरी खबर जरूर बताया कि इतने प्रयासों के बाद भी दोनों पक्ष किसी साझा सहमति पर नहीं पहुंच सके।

जेडी वेंस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि अमेरिका ने ईरान के सामने एक बेहद सामान्य और अंतिम प्रस्ताव (फाइनल ऑफर) रख दिया है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में 21 घंटे तक चली बातचीत किसी भी निर्णय पर पहुंचने के

लिए पर्याप्त समय था। अब गेंद ईरान के पाले में है और उसे यह तय करना है कि वह इस सर्वश्रेष्ठ और अंतिम प्रस्ताव को स्वीकार करता है या नहीं।

बता दें कि इस वार्ता की शुरुआत बड़े पैमाने पर हुई थी। पहले दिन की चर्चा 14 घंटे से अधिक समय तक चली, जिसमें दोनों देशों ने अपने-अपने मसौदे और दस्तावेज पेश किए थे। वार्ता की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता था कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वहां की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालबाफ कर रहे थे, जिनके साथ विदेश मंत्री अब्बास अराघची और 71 सदस्यीय एक विशाल दल मौजूद था। वहीं, अमेरिकी दल में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर जैसे दिग्गज शामिल थे। इस विफलता ने मेजबान देश पाकिस्तान की उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और गृह मंत्री मोहसिन नकवी इस पूरी प्रक्रिया में समन्वय कर रहे थे। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि यदि युद्धविराम पर सहमति बनती है, तो उसे एक सफल मध्यस्थ के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि मिलेगी। ईरान ने पहले ही अमेरिका की प्रतिबद्धता पर संदेह जताया था। पाकिस्तान में ईरान के दूत रज़ा अमिरी मोघदाम ने कहा था कि उनका उद्देश्य ईरानी राष्ट्र के खिलाफ जारी अवैध युद्ध को समाप्त करना है, लेकिन उन्हें अमेरिका पर भरोसा नहीं है। हिजबुल्लाह के करीबी सूत्रों ने भी इस वार्ता का समर्थन किया था, लेकिन अमेरिका और ईरान के बीच गहरे अविश्वास ने एक बार फिर शांति की राह में रोड़ा अटका दिया है। अब दुनिया की नजरें ईरान के अगले कदम पर टिकी हैं।

भले ही बातचीत बेनतीजा रही, संघर्ष-विराम समझौते का पालन होना चाहिए

पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीदों को उस समय बड़ा झटका लगा, जब इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई 21 घंटे की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। 40 दिनों के युद्ध और दो हफ्तों के संघर्ष-विराम के बाद शुरू हुई यह पहल विफल रही। ईरानी प्रतिनिधिमंडल भी स्वदेश लौट गया। इस प्रतिनिधिमंडल में ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल थे। जेडी वेंस ने स्पष्ट किया कि ईरान ने वाशिंगटन की शर्तों को मानने से इनकार कर दिया है, जिसके कारण कोई समझौता नहीं हो सका। वार्ता विफल होने के बावजूद ईरान ने कूटनीति के दरवाजे बंद नहीं किए हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि कूटनीति कभी खत्म नहीं होती। यह राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का एक जरिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान, पाकिस्तान और अन्य मित्र पड़ोसी देशों के साथ बातचीत का सिलसिला जारी रखेगा। मेजबान देश पाकिस्तान ने इस स्थिति पर चिंता जताई है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने दोनों पक्षों से अपील की है कि भले ही बातचीत बेनतीजा रही हो, लेकिन उन्हें मौजूदा संघर्ष-विराम समझौते का पालन करना चाहिए। पाकिस्तान ने जोर दिया कि क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए युद्धविराम का जारी रहना बेहद जरूरी है।

वैभव सूर्यवंशीः इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन, स्ट्राइक रेट है 215.55 का

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकॉर्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हॉज और शॉन मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकॉर्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकॉर्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। अपनी आक्रामक शैली और निडर अप्रोच के साथ, वैभव के लिए यह रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल नहीं लगता। आईपीएल में भी यह युवा खिलाड़ी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्हें 500 आईपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 48 रनों की आवश्यकता है। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह गौतम गंभीर के सबसे तेज 500 आईपीएल रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। 15 साल के सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 11 पारियों में 452 रन बनाए हैं, उनका औसत 41 से अधिक और स्ट्राइक रेट करीब 230 का है, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला राजस्थान का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा, जहाँ उनके पास इतिहास रचने के कई मौके होंगे।

पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की तरह है सैमसन का स्वभाव : गेंदबाजी कोच

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक साइमन ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भी भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जैसे है। कोच के अनुसार जिस प्रकार धोनी शांत रहते हैं और कठिन हालातों में भी दबाव में नहीं आते, एसा ही सैमसन के साथ भी है। सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती तीन मैचों में विफल होने के बाद तीसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए बड़ी पारी खेली। साइमन ने कहा कि सैमसन भी शांत रहते हैं और उन्हें भी धोनी की तरह ही खेल की काफी समझ है। उन्होंने धोनी को अब तक के सबसे शांत खिलाड़ियों में से एक बताया है।

साइमन ने कहा कि सैमसन भी बिल्कुल वैसी ही सोच रखते हैं, वे कभी घबराते नहीं और अपना मनोबल बनाये रखते हैं। वह धोनी की तरह ही तैयारी में ज्यादा जोर नहीं लगाते। साइमन ने कहा, "मुझे कई सालों तक धोनी के साथ खेलने और उनके साथ जुड़े रहने का मौका मिला है। वे सबसे शांत क्रिकेटरों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूं। सैमसन भी इसी प्रकार के स्वभाव वाले हैं। वह भी खेल को इसी प्रकार से समझते हैं। मैंने उनके अंदर कोई भव नहीं देखा है।"

साइमन ने कहा कि सैमसन जैसे क्लास के खिलाड़ी खराब फॉर्म से अपने आप उबर जाते हैं। उनकी क्षमताओं पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है। उन्होंने बताया कि बड़े खिलाड़ियों को फार्म में नहीं होने पर भी अपने कौशल पर भरोसा रखते हुए मनोबल बनाये रखना चाहिये। साइमन ने कहा, "सभी जानते हैं कि खराब फॉर्म सिर्फ अस्थायी है। इसलिए सफलता के लिए सैमसन जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताना जरुरी है।."

नितीश राणा और रुतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना

सीएसके के खिलाफ मैच में दौहरा झटका लगा है। मैच में हार के बाद अब दिल्ली के बल्लेबाज नितीश राणा पर अंपायर के फैसले के खिलाफ का विरोध करने के लिए मैच फीस का 25 जुर्माना लगा है। वहीं विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। मैच के दौरान ग्लव्स बदलने को लकर राणा की चौथे अंपायर से काफी बहस हुई थी। यह मामला 19वें ओवर का है। उस समय अंपायर ने कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन का कहना था कि उनके ग्लव्स पसीने से गीले हो गये हैं, इसलिए वह इन्हें बदलना चाहते है। ऐसे में राणा भड़क गये और चौथे अंपायर से उनकी बहस शुरु हो गयी। इस कारण उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ।

आईपीएल की ओर कहा गया कि बल्लेबाज राणा पर उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके नाम पर आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। उन्हें आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दूसरी ओर विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज पर भी मैच में धीमी ओवर गति बनाए के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ऐस में सीएसके की पहली जीत की खुशी कम हो गयी। यह सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था। इसलिए उनपर कम जुर्माना लगा है।

दिल्ली के खिलाफ शतक लगाने वाले सीएसके के दूसरे खिलाड़ी बने सैमसन

संजू सैमसन के शानदार शतक से आंखिरकार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को आईपीएल में पहली जीत मिल ही गयी। सैमसन ने 52 गेंदों पर 102 रन बनाए। शुरुआती तीन मैचों में हार के बाद सीएसके ने दिल्ली कैपटल्स को हराया। इस मैच में सैमसन ने शतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। उन्होंने इसी के साथ ही लीग में अपना चौथा शतक लगाया है। ये आईपीएल कैरियर में सैमसन को चौथा शतक है। वहीं कैपिटलस के खिलाफ शतक लगाने वाले वह सीएसके के दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले साल 2012 में मुरली विजय ने दिल्ली के खिलाफ शतक लगाया था। सैमसन ने 52 गेंदों जबकि मुरली ने 58 गेंदों पर शतक लगाय था। इस प्रकार तेजी के मामले में सैमसन उनसे आगे हैं।

सैमसन ने अपना पहला शतक पुणे में साल 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट के खिलाफ लगाया था। तब उन्होंने 63 गेंदों पर 102 रन बनाए थे। वहीं 2019 में सैमसन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 55 गेंदों पर 102 रन बनाए जबकि पंजाब किंग्स के खिलाफ साल 2021 में वानखेड़े में 63 गेंदों पर 119 रन बनाए थे।

निंगबो में महिलाओं के युगल मुकाबले में खेलती हुई चीन की खिलाड़ी ली जिनहो और लवो जमिन।

पीएसएल छोड़ने के कारण पाक में आलोचना का शिकार हुए कुसल मेंडिस

कराची (ईएमएस)। श्रीलंकाई क्रिकेटर कुसल मेंडिस को अचानक ही पाक सुपर लीग (पीएसएल) छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शामिल होने के फैसले के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ा है। कुशल जब मीडिया से बात कर रहे थे। तभी एक पाक पत्रकार ने उनसे कहा कि पीएसएल ने उन्हें सम्मान दिया इसके बाद भी वह क्यों उसे इस प्रकार छोड़कर जा रहे हैं तो माहौल तनावपूर्व हो गया। उनसे सुरक्षा चिंताओं के नाम पर टूर्नामेंट छोड़ने और फिर गुजरात टाइटंस से जुड़ने पर सवाल पूछे गए, जिस पर वे असहज हो गये और कुछ भी नहीं कह पाये। पत्रकार ने पूछा कि अचानक ही लीग छोड़कर जाने का उन्हें पछतावा है कि नहीं। इसके बाद मीडिया मैनेजर उनके बचाव में आये और कहा कि ये सही सवाल नहीं है। उन्हें लीग से जुड़े सवाल ही करने चाहिये। कुसल मेंडिस ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए एक मैच खेला, जिसमें उन्होंने 10 गेंदों पर 20 रन बनाए।

ऑस्ट्रिया में रुस की मिरा एंड्रीवा रोमानिया की इलीना के खिलाफ मुकाबले में खेलती हुई।

पीएसएल में खेलने पाकिस्तान पहुंचे मैक्सवेल

लाहौर (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने के लिए लाहौर पहुंच गये हैं। पीएसएल में वह हैदराबाद किंग्समेन की ओर से खेलेंगे।मैक्सवेल के पास इस लीग में खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिया था। इसके अलावा वह आईपीएल नीलामी में भी शामिल नहीं थे। आईपीएल में मैक्सवेल का प्रदर्शन कभी भी अच्छा नहीं रहा था। वह केवल एक सत्र में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाये थे। पंजाब किंग्स की ओर से पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण इस बार उन्होंने आईपीएल 2026 के लिए हुई मिनी-नीलामी में भाग नहीं लिया था। इसके बाद वह पीएसएल में में शामिल होकर किंग्समेन से जुड़ गए। वह टी20 लीग में मार्नस लाबुशेन की कप्तानी में खेलेंगे। किंग्समेन का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह चारों मैच हारे हैं और अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। ऐसे में मैक्सवेल के जुड़ने से टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी मजबूत होगी। किंग्समेन को उम्मीद है कि मैक्सवेल के आने से उसे लाभ होगा। मैक्सवेल ने अब तक 503 टी20 मैचों में 10986 रन और 198 विकेट लिए हैं। वहीं 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2897 रन और 51 विकेट हैं। मैक्सवेल ने आईपीएल में अलग-अलग टीमों से करीब एक दशक तक खेला है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैंदराबाद के बीच मुकाबला

शाम 07:30 बजे से शुरू होगा

हैदराबाद (ईएमएस)। आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में राजस्थान का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। राजस्थान की टीम ने युवा रियान पराग की कप्तानी में अपने अब तक के सभी चारों मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। सनराइजर्स की कमजोरी इस बार भी गेंदबाजी रही है। यहां की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है और ऐसे में अगर सनराइजर्स की टीम टॉस जीतती है तो उसका लक्ष्य पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। इस सत्र में अब तक राजस्थान हावी रही है। ऐसे में इस मैच में भी उसका पलड़ा भारी है। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 21 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स से 12 जबकि रॉयल्स ने 9 जीते हैं। गौरतलब है कि इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी आईपीएल मुकाबला पिछले सीजन हैदराबाद के मैदान पर ही खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 286 रन का स्कोर डिफेंड करके राजस्थान रॉयल्स से 44 रनों से जीता। बताते चलें कि इस मुकाबले में ईशान किशन ने महज़ 47 गेंदों पर नाबाद 106 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली थी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड पर आधारित रहेगी। वहीं रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के जैसे बल्लेबाजों के अलावा शिवम दुबे जैसा ऑलराउंडर है। गेंदबाजी में उसके पास जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई हैं। सनराइजर्स के पस गेंदबाज के तौर पर ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा।

राजस्थान रॉयल्स- शिवम दुबे, वैभव सुर्यवंशी, डेवोन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, शिमरन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, युद्धवीर सिंह, रवींद्र जडेजा, सैम करन, जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई सुशांत मिश्रा, यशराज पुंजा, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह , अमन राव, बृजेश शर्मा, कुलदीप सेन और एडम मिलने।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरताः चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है। इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फॉर्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार-बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

न्यूजीलैंड दौरे का कार्यक्रम

न्यूजीलैंड टीम सोमवार को बांग्लादेश पहुंचेगी। इस दौरे में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाएंगे।

पहला और दूसरा वनडेः 17 और 20 अप्रैल, ढाका

तीसरा वनडेः 23 अप्रैल, चट्टोग्राम

T20 सीरीजः 27, 29 अप्रैल और 2 मई

बांग्लादेश टीम (स्क्वाड) - लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्य सरकार, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज (कप्तान), रिशाद हुसैन, तानवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान।

ओवरटन को दिया जाना चाहिये था प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड : जाफर

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की दिल्ली कैपटल्स के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की भूमिका अधिक बड़ी थी। इसलिए संजू सैमसन की जगह पर जेमी ओवरटन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि ओवरटन की गेंदबाजी से ही मैच में बदलाव आया जिससे दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सैमसन को 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया जबकि बल्लेबाजों के लिए सहायक पिच पर ओवरटन ने केवल 18 रन देकर चार विकेट लेकर कैपिटल्स की बल्लेबाली को ढ़हा दिया था। इससे दिल्ली 189 रनों पर ही सिमट गयी। जाफर ने कहा, मैरा मानना है कि अवॉर्ड ओवरटन को मिलना चाहिए था। अगर उन्होंने घातक गेंदबाजी नहीं की होती तो सीएसके नहीं जीत पाती क्योंकि उन्होंने बहुत बड़े विकेट लिए। चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिए जबकि लक्ष्य 210 रनों का था। इसलिए लगता है कि यही वह अंतर था जिससे कैपिल्स उबर नहीं पायी। उन्होंने ये माना कि अगर सैमसन शतक नहीं लगाते तो टीम 200 से ऊपर नहीं पहुंच पाती पर कहा कि इस मैच में बल्लेबाजी आसान थी पर गेंदबाजी नहीं।

पथिराना को मिला श्रीलंकाई बोर्ड से एनओसी, आईपीएल टीम केकेआर से जुड़ेंगे

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। पथिराना को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने आईपीएल खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में पाथिराना शीघ्र ही अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़ सकेंगे। अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती केकेआर को भी पाथिराना की वापसी से लाभ होगा। पाथिराना के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी का शिकार हो रही केकेआर को राहत मिलेगी। पाथिराना आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। अब उनकी वापसी से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा। पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच से अपने इस सत्र की शुरुआत कर सकते हैं। 14 अप्रैल को चेपॉक में होने वाले इस मुकाबले में उनके उतरने से सीएसके की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

कोलकाता नाइट राइडर्स इस सत्र में खासकर डेथ ओवर्स में कमजोर नजर आई है। हर्षित राणा के बाहर होने और मुस्तफिजुर रहमान के रिलीज होने के बाद टीम का का गेंदबाजी आक्रामक काफी कमजोर रहा है। जिससे उसके प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। पथिराना ने अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं।

बाबर आजम पाकिस्तान सुपर लीग में 4000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

लाहौर (ईएमएस)। स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने 4000 रन पूरे कर लिये है। पीएसएल में ये रिकार्ड बनाने वाले वह पहले पाक बल्लेबाज हैं। बाबर ने अपने 4000 रन लाहौर कलंदर्स के खिलाफ लीग स्तर के मैच में पूरे किये। इस मैच में पेशावर ज़ल्मी की कप्तानी करते हुए बाबर ने 40 गेंद पर ही 43 रन बना दिये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 107.50 का रहा और उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और तीन चौके लगाए। अब बाबर के 104 मैचों में कुल 4004 रन हो गए हैं। बाबर के नाम इस लीग में 2 शतक और 37 अर्धशतक भी हैं। वह साल 2016 में पीएसएल की शुरुआत से ही इस लीग में खेल रहे हैं। इसमें उनका औसत 45.50 है। बाबर ने इस लीग में सबसे पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड से खेला था। इसके बाद वह 2017 से ही कराची किंग्स में शामिल हुए और उसमें छह साल तक शामिल रहे। इससे पहले वह पेशावर ज़ल्मी में आ गए और तभी से उसकी ओर से खेल रहे हैं।

बाबर के अच्छे प्रदर्शन से अभी पेशावर ज़ल्मी इस सत्र में शीर्ष पर है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसी साल हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही पाक टीम के बाहर चल रहे बाबर क प्रयास इस लीग में अपने प्रदर्शन के बल पर वापसी करना है। इस सत्र में उन्होंने एक अर्धशतक सहित चार मैचों में 212 रन बनाए हैं। वहीं फखर जमां लीग में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। फखर के नाम इस लीग में 3039 रन हैं। वह पीएसएल में 100 मैच खेलने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 87 पारियों में 2853 रन हैं।

रॉयल्स के मैनेजर को मोबाइल चलाते देखकर हैरान ललित मोदी ने उठाये सवाल

गुवाहाटी (ईएमएस)। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आसीबी) के बीच बीच हुए मैच में मोबाइल फोन चलाने को लेकर रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर पर निशाना साधा है। ललित मोदी ने कहा है कि रॉयल्स के मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है। इसके साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि उसे भी इस मामले में सजग रहना चाहिये था। रॉयल्स और आरसीबी मैच के दौरान मैनेजर भिंडर खिलाड़ियों के पास बैठकर फोन ही फोन चला रहे थे जबकि मैव के दौरान मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरणों का इस्तेमाल करने की इजाजत मैनेजर को नहीं है। पूर्व कमिश्नर ललित इससे हैरान दिखे। उन्होंन सोशल मीडिया पर एंटी-करप्शन अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिये थी। गौरतलब है कि नियमों के तरत मैनेजर डगआउट में फोन रख सकते हैं पर चला नहीं सकते। ड्रेसिंग रूम में मोबाइल के उपयोग की अनुमति है पर मैदान में नहीं है।आईपीएल नियमों के तहत ही मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरणों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है। टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन डगआउट में नहीं। इसमें ये भी कहा गया कि सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्टेडियम पहुंचते ही अपने मोबाइल फोन और स्मार्टवॉच जैसे उपकरण बंद करने होंगे।

डेविड मलान के बयान से क्रिकेट जगत में हंगामाः बॉल टैंपरिंग को कानूनी बना देना चाहिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड मलान ने क्रिकेट जगत में एक नया विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने बॉल टैंपरिंग को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई है। मलान ने सुझाव दिया है कि गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए, गेंद से छेड़छाड़ को कानूनी मान्यता दे देनी चाहिए। उनका मानना है कि यह कोई नई प्रथा नहीं है, बल्कि लंबे समय से इसकी प्रैक्टिस होती आ रही है।

एक पॉडकास्ट में बोलते हुए, मलान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि सालों से खिलाड़ी गेंद से छेड़छाड़ करते पकड़े गए हैं। उनके अनुसार, यह अब कोई गोपनीय बात नहीं है, और इसे कानूनी बना देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बाहरी पदार्थों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होनी चाहिए। उनका तर्क है कि फील्डिंग टीम को गेंद को जल्दी रिवर्स स्विंग कराने के लिए उसे खरोंचने की छूट मिलनी चाहिए, क्योंकि इसमें भी एक विशेष कौशल होता है। मलान का यह भी मानना है कि यदि गेंदबाजों को गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता मिलती है, तो मैच अधिक रोमांचक और कड़े होंगे। इससे अंतिम ओवरों तक मुकाबला बराबरी का रहेगा और टीमें आसानी से कई विकेट हाथ में लेकर नहीं जीत पाएंगी, जिससे पूंछ के बल्लेबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में बॉल टैंपरिंग का एक ताजा मामला पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में सामने आया था। लाहौर कलंदर्स के बल्लेबाज फखर जमान को एक मैच के आखिरी ओवर से ठीक पहले गेंद की हालत बदलते हुए कैमरे में पकड़ा गया था। इस घटना के परिणामस्वरूप, कलंदर्स को पांच रन की पेनल्टी मिली थी और कराची किंग्स ने वह लो-स्कोरिंग मैच जीत लिया था।

तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और लाभांश घोषणाओं से बाजार की दिशा तय होगी, बैंकिंग-सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर नजर

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्ध विराम और शांति वार्ता की उम्मीदों से पिछले सप्ताह मजबूत तेजी दिखाने के बाद भारतीय शेयर बाजार अब एक बेहद अहम सप्ताह में प्रवेश कर रहा है। 12 से 17 अप्रैल के बीच निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रम के साथ-साथ घरेलू आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और लाभांश घोषणाओं पर रहेगी। यह सप्ताह बाजार के लिए निर्णायक माना जा रहा है, क्योंकि बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां अपने परिणाम जारी करने वाली हैं। इस सप्ताह 25 से अधिक कंपनियां अपने चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 के नतीजे घोषित करेंगी। इसके साथ ही 8 से अधिक कंपनियों के बोर्ड अंतरिम और अंतिम लाभांश पर भी निर्णय लेंगे। बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो और यश बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वहीं क्रिसिल और जस्ट डायल के परिणाम भी निवेशकों की नजर में रहेंगे। 13 अप्रैल को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट और जस्ट डायल अपने नतीजे जारी करेंगे, जबकि 14 अप्रैल को आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स और नुवोको विस्टास कॉर्पोरेशन जैसे कंपनियों के परिणाम आएंगे। 15 अप्रैल को आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के नतीजे घोषित होंगे। 16 अप्रैल को विप्रो अपने चौथी तिमाही के परिणाम जारी करेगी और साथ ही शेयर पुनर्खरीद पर भी विचार कर सकती है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हलचल संभव है। लाभांश से जुड़ी गतिविधियों में मुथुट फायनेंस प्रमुख है, जिसने 30 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। 17 अप्रैल को यह एक्स-लाभांश ट्रेड करेगी। इसके अलावा 18 अप्रैल को बैंकिंग क्षेत्र की बड़ी कंपनियां जैसे एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक अपने ऑडिटेड नतीजे घोषित करेंगी, जिन पर पूरे बाजार की नजर रहेगी। कुल मिलाकर यह सप्ताह घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। महंगाई के आंकड़े, वैश्विक तनाव में बदलाव और कॉरपोरेट नतीजे मिलकर भारतीय शेयर बाजार की अगली दिशा तय करेंगे।

सेंसेक्स की शीर्ष आठ कंपनियों का मार्केट कैप 4.13 लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम को लेकर बाजार की धारणा मजबूत बनी रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज़ और इन्फोसिस की बाजार हैसियत घट गई।समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 91,282.67 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,478.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 76,036.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,46,741.85 करोड़ रुपये हो गया।बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 60,980.35 करोड़ रुपये बढ़कर 5,75,206.47 करोड़ रुपये हो गई। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 47,624.97 करोड़ रुपये बढ़कर 5,44,736.59 करोड़ रुपये रहा, जबकि भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 45,873.43 करोड़ रुपये बढ़कर 10,66,293.69 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 43,614.67 करोड़ रुपये बढ़कर 9,84,629.98 करोड़ रुपये हो गया।

टीसीएस की भर्ती योजनाः 2026-27 में 25,000 फ्रेशर्स को नौकरी देने की घोषणा

बाजार की मांग पर आगे और भर्तियों के संकेत, अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती फिलहाल सीमित

मुंबई (ईएमएस)। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की घोषणा की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि आगे की भर्ती वैश्विक बाजार की मांग पर निर्भर करेगी। टीसीएस के एक मुख्य कार्यकारी ने साक्षात्कार में बताया कि कंपनी लगातार बड़े पैमाने पर फ्रेशर्स की भर्ती कर रही है, लेकिन भविष्य की रणनीति पूरी तरह बिजनेस डिमांड पर आधारित होगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने लगभग 44,000 फ्रेशर्स को नौकरी दी थी, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से अधिक नए कर्मचारियों की भर्ती करती आ रही है। हालांकि, 2026-27 के लिए यह संख्या घटकर 25,000 निर्धारित की गई है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया जा सकता है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। नए फ्रेशर्स को प्रोजेक्ट्स में शामिल करने से पहले लगभग नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अनुभवी कर्मचारी तुरंत कार्य शुरू कर सकते हैं। हाल ही में लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी को लेकर उठे सवालों पर कंपनी ने कहा कि इसका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सीधा संबंध नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट डिलीवरी मॉडल में बदलाव इसका कारण रहा है।

कंपनी ने FY26 में नए सौदों के तहत करीब 40 अरब डॉलर की कुल कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू दर्ज की है। इसके साथ ही इन नए सौदों को रेवेन्यू में बदलने की रफ्तार भी पहले की तुलना में बेहतर हुई है, हालांकि कंपनी ने इसके विस्तृत आंकड़े साझा नहीं किए हैं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेजमें ग्राहकों के व्यवहार में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। कंपनी के सीईओ के क्रिथीवासन ने बताया कि अब ग्राहक सिर्फ बड़े या मेगा डील्स तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे अपने प्रोजेक्ट्स में पहले से ज्यादा काम खुद भी जोड़ रहे हैं। इसका असर यह हो रहा है कि कई ग्राहक धीरे-धीरे कंपनी के लिए ज्यादा राजस्व वाले वर्ग में शामिल होते जा रहे हैं।

एनसीएलएटी का फैसला, रियल एस्टेट दिवाला प्रक्रिया अब सिर्फ संबंधित प्रोजेक्ट तक सीमित

एक प्रोजेक्ट की चूक पर पूरी कंपनी नहीं, सिर्फ उस परियोजना पर चलेगी दिवाला कार्यवाही

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) केवल उसी परियोजना तक सीमित रहेगी, जिसमें डिफॉल्ट हुआ है। यह प्रक्रिया किसी भी स्थिति में कंपनी की अन्य परियोजनाओं तक नहीं बढ़ाई जाएगी। एनसीएलटी ने अपने एक अहम फैसले में रियल एस्टेट कंपनियों के लिए दिवाला प्रक्रिया को लेकर बड़ा स्पष्टिकरण दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि यदि किसी रियल एस्टेट कंपनी की किसी विशेष परियोजना में चूक (डिफॉल्ट) होती है, तो उसके खिलाफ शुरू की गई कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) केवल उसी परियोजना तक सीमित रहनी चाहिए, न कि पूरी कंपनी या उसकी अन्य परियोजनाओं तक फैलाई जानी चाहिए। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परियोजना-आधारित दिवाला प्रक्रिया घर खरीदारों और अन्य हितधारकों के हित में अधिक न्यायसंगत है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी एक प्रोजेक्ट की वित्तीय समस्या का असर अन्य बिना विवाद वाली परियोजनाओं पर नहीं पड़ना चाहिए। यह फैसला नवीन एम रहेजा की अपील पर सुनाया गया है और इसका सीधा संबंध रियल एस्टेट कंपनी रहेजार डेवलपर्स की परियोजनाओं से जुड़ा है। न्यायाधिकरण ने पहले भी एक आदेश में कहा था कि रहेजा शिलास परियोजना तक ही सीआईआरपी सीमित रहेगी। इसी सिद्धांत को आगे बढ़ाते हुए अब कृष्णा हाउसिंग स्कीम को भी अलग परियोजना के रूप में दिवाला प्रक्रिया के दायरे में रखा गया है।

एनसीएलएटी ने समाधान पेशेवर को निर्देश दिया है कि वह केवल संबंधित परियोजना के हितधारकों से ही दावे आमंत्रित करे और 14 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करे। न्यायाधिकरण के अनुसार, यह व्यवस्था न केवल घर खरीदारों के हितों की रक्षा करती है, बल्कि रियल एस्टेट सेक्टर में दिवाला मामलों को अधिक व्यावहारिक और संतुलित बनाती है।

पश्चिम एशिया में 'युद्धविराम' से लग्जरी कार बाजार में तेजी की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद घोषित युद्धविराम से भारत के लग्जरी कार बाजार में सकारात्मक माहौल बनने की उम्मीद बढ़ गई है। उद्योग से जुड़े शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि इससे उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा और महंगी कारों की बिक्री फिर रफ्तार पकड़ सकती है। देश में बीएमडब्ल्यू ग्रुप, मर्सिडिज बेंज और आडी जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि युद्धविराम के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और ग्राहक फिर से शोरूम की ओर लौट सकते हैं। उन्होंने कहा कि युद्धविराम समय पर हुआ है और यह ग्राहकों के निर्णय के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कई ग्राहकों ने पहली तिमाही में खरीद टाल दी थी, लेकिन स्थिति सुधरने पर वे वापस खरीदारी कर सकते हैं। मार्च में कंपनी को अब तक के सबसे मजबूत ऑर्डर मिले थे, लेकिन कई डिलीवरी आगे बढ़ा दी गई हैं, रद्द नहीं की गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अप्रैल और आने वाले महीने बेहतर रहेंगे। बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि युद्धविराम से अनिश्चितता कम होगी और उपभोक्ताओं में खर्च करने की इच्छा बढ़ेगी। उनके अनुसार, कई ग्राहक व्यवसाय से जुड़े हैं और वैश्विक घटनाओं का सीधा असर उनकी निर्णय क्षमता पर पड़ता है।

अमरावती को बड़ा फंडिंग बूस्ट! वर्ल्ड बैंक ने जारी किए $340 मिलियन, अप्रैल में और $150 मिलियन मिलने की उम्मीद

आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती के विकास कार्य को लेकर फंडिंग तेज हो गई है। वर्ल्ड बैंक ने अब तक इस प्रोजेक्ट के लिए 340 मिलियन डॉलर जारी कर दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था के एक अधिकारी के मुताबिक, यह राशि अमरावती कैपिटल फेज-1 के विकास के तहत दी गई है। वहीं, राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अप्रैल के अंत तक आंध्र प्रदेश को करीब 130 से 150 मिलियन डॉलर और मिलने की उम्मीद है। यह राशि वर्ल्ड बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक दोनों से आएगी। अधिकारियों के अनुसार, इस फंड पर ब्याज दर फिलहाल करीब 8 से 8.5 फीसदी के बीच है और अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से इसमें उतार-चढ़ाव होता रहेगा। गौरतलब है कि वर्ल्ड बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक ने अमरावती परियोजना के लिए कुल 1600 मिलियन डॉलर देने का वादा किया है, जिसमें दोनों की हिस्सेदारी 800-800 मिलियन डॉलर है। इसके अलावा केंद्र सरकार भी इस प्रोजेक्ट में सहयोग कर रही है और 15 हजार करोड़ रुपये के कुल कमिटमेंट में से 1400 करोड़ रुपये देगी।

वर्ल्ड बैंक के प्रवक्ता के अनुसार, अप्रैल 2026 तक 340 मिलियन डॉलर की राशि जारी की जा चुकी है। अमरावती इंटीग्रेटेड अर्बन डेवलपमेंट प्रोग्राम को प्रोग्राम फॉर रिजल्ट्स फ्रेमवर्क के तहत लागू किया जा रहा है। इसमें फंडिंग तय समय पर नहीं, बल्कि तय लक्ष्यों और उपलब्धियों के आधार पर जारी की जाती है। अमरावती विकास परियोजना को लेकर विश्व बैंक के एक अधिकारी ने अहम जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट के लिए आगे मिलने वाली फंडिंग तय लक्ष्यों और माइलस्टोन पूरे होने पर निर्भर करेगी। इस ऋण में छह साल की राहत अवधि दी गई है, जबकि कुल अवधि 29 साल की है। कर्ज की अदायगी 15 जून 2031 से शुरू होगी। अधिकारी के मुताबिक, पहले 14 महीनों में सरकार की प्राथमिकता संस्थागत ढांचे को मजबूत करने और जरूरी क्षमता विकसित करने पर रही है, ताकि अमरावती को एक समावेशी और रोजगार देने वाला ग्रोथ हब बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस दिशा में कई अहम अध्ययन और आकलन किए जा रहे हैं। इनसे आंध्र प्रदेश सरकार को नए शहर के लिए बेहतर शहरी प्रबंधन और गवर्नेंस सिस्टम तैयार करने में मदद मिलेगी, जिससे निवेश आकर्षित किया जा सके।

साथ ही, रोजगार पर फोकस करते हुए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम भी शुरू किए गए हैं। इनका मकसद खासतौर पर महिलाओं और युवाओं को नए अवसरों के लिए तैयार करना है, ताकि शहर के विकास के साथ वे सीधे फायदा उठा सकें। इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर भी काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। सड़कों के नेटवर्क, आवासीय इमारतों और पानी, सीवरेज व ड्रेनेज जैसी जरूरी सेवाओं के लिए ठेकेदारों ने काम शुरू कर दिया है। अधिकारी ने बताया कि बाढ़ प्रबंधन से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर भी अच्छी प्रगति हो रही है और छह अलग-अलग स्थानों पर 35 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है।

दैनिक पंचांग

13 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

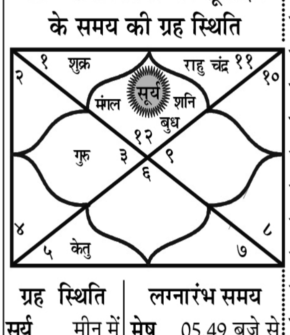

सोमवार 2026 वर्ष का 103 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 01.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 16.04 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 17.17 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.19 बजे तदनन्तर बालव 01.09 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 08° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872678 **जूलियन दिन** 2461143.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 24 **विशेष** वरूथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती, जलियॉवाला बाग दिवस।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	05.49 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	07.29 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.27 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.40 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.56 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.08 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.19 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.34 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.50 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	मकर	00.55 बजे से
		कुंभ	02.41 बजे से
		मीन	04.14 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7254

बाएँ से दाएँ
1. दुर्व्यवहार, बुरा आचरण-4
4. पंजाब की एक नदी-4
7. अनाथालय-5
9. दूसरा, पराया-2
11. चलने का तरीका-2
12. नृत्य-2
13. समीप, पास, नजदीक-3
15. बुरी आदत-2
16. नृत्य करना-3
17. प्रलोभन, हवस, तृष्णा-3
18. मालिक, ईश्वर-2
19. निहित, कारण-3
21. भाग्य (अंग्रेजी-2)
23. थूक, लेस-2
24. नवीन, नव-2
25. नयापन, अनूठापन-5
29. नामवाला, नामचिन-4
30. करिश्मा, चमत्कार-4

ऊपर से नीचे
1. मनोरचना, मनगढ़ंत-4
2. कोक, कहवा-2
3. कामदेव की पत्नी-2
4. मित्र, दोस्त-2
5. पेड़ का मध्य भाग-2
6. नादानी, अनाड़ीपन-4
8. बंदर नचाने वाला-3
10. रचना करने वाला-5
11. आरचण, चरित्र-5
13. कपड़े की दिवार-3
14. उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18. पूजा, प्रार्थना-4
20. खूबसुरत, सुन्दर-3
22. कहर, भूचाल-4
25. नया, नवीन-2
26. शूर, बहादूर, सूरमा-2
27. अवधि में, पर्यंत-2
28. मृत, अप्रबल-2

शब्द पहेली -7253 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1605 थियोडोर द्वितीय रूस के जार बने।

1699 सिख गुरुगोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की।

1743 अमेरिकी राष्ट्रपति थामस जेफरसन का जन्म हुआ।

1772 वारेन हेस्टिंग्स ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल परिषद् के अध्यक्ष चुने गये।

1796 नेपोलियन बोनापार्ट के नेतृत्व में फ्रांस ने आस्ट्रियायी फौजों को उत्तरी इटली में पराजित किया।

1919 ब्रिगेडियर जनरल आर. ई.एच. डायर ने जलियांवाला बाग में निहत्थों पर गोलियां चलवाई जिसमें 389 लोग मारे गये और 1516 अन्य घायल हो गये।

1976 फिनलैंड में हथियारों के कारखाने में विस्फोट से 45 व्यक्ति मारे गए।

1990 सोवियत राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव ने लिथुआनिया ने स्वतंत्रता की घोषणा वापस लेने को कहा।

1993 सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव का तख्ता पलटने की साजिश में शामिल १२ व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा शुरू हुआ।

अंकजाल - 6795

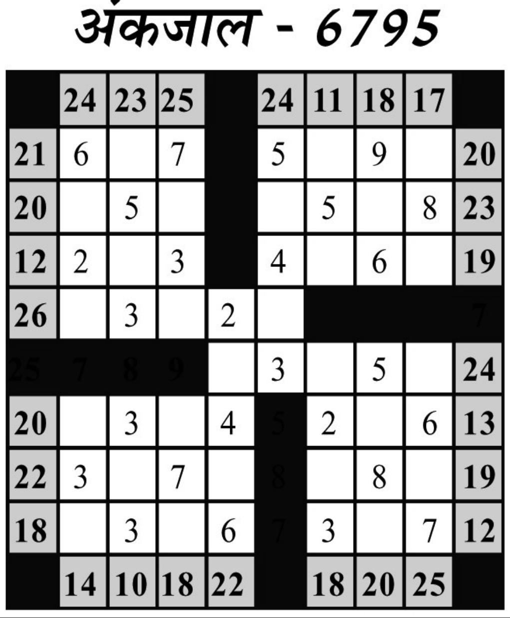

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6794 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5739

3	6		4	7		5
	36		29		30	1
2		5			4	
	33		29	4	34	
1	7	3				2
	34		32	6	36	7
5		7		1		3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5738 का हल

5	3	1	4	6	7	2
4	28	2	25	2	36	7
2	5	6	3	1	7	4
6	34	3	35	5	33	6
3	2	7	6	4	5	1
7	34	5	42	3	30	5
1	5	4	6	7	2	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5099

29		77		47		61	=	120
68		25		39		13	=	95
25		5		5		12	=	37
31		20		44		7	=	49
=		=		=		=		=
41		37		47		43	=	13 / 74

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5098

60	-	28	+	6	-	24	=	14
+		-		x		-		+
40	+	20	-	5	+	10	=	65
-		+		-		-		-
20	x	4	-	20	÷	4	=	15
-		-		x		+		-
60	÷	6	x	2	+	10	=	30
=		=		=		=		=
20	+	6	-	20	+	20	=	34 / 26

शब्दजाल - 6786

शा	न	मे	रि	का	पा	तू	फा	रू	ही	क
न	ख	क	ह	इं	डो	ने	त	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	ल	ग	स	जु	ह	प	का
आ	ग	ल	पा	ब	औ	स	र्बा	ह	लि	ल
वा	ना	ह	न	य	ज	र	कि	या	प	का
रा	इ	इ	थ	व	प	वा	बं	ह	यु	बां
जिं	ज	ल	ह	क	प	रि	न	दू	प	ग
द	रि	भा	र	त	ड़ी	स	रा	ल	क	ला
गी	या	स	ज	मी	न	आ	स	मा	न	दे
प	बे	प	ना	ह	सिं	ब	स	अ	प	श
या	स	ए	क	ही	भू	ल	त्ता	प	क	र

शब्द जाल में 'मजहर खान' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शान, आवारा जिंदगी, हल और बंदूक, तजुर्बा, जमीन आसमान,हथकड़ी, कालका, एक ही भूल, बेपनाह, रूही

शब्दजाल - 6785 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

रांची से रामगढ़ तक भड़की आक्रोश की आग, भाजपा ने उत्पाद सिपाही पेपर लीक मामले में सरकार को घेरा

रांची: झारखंड उत्पाद सिपाही परीक्षा में कथित पेपर लीक और तमाड़ में हुई 164 लोगों की गिरफ्तारी के बाद राज्य में राजनीतिक पारा चढ़ गया है. मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने इसे युवाओं के साथ बड़ा विश्वासघात बताते हुए रविवार, 12 अप्रैल को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया. रांची महानगर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक विशाल आक्रोश जुलूस निकाला. यहां कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार का पुतला फूंका. महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कड़े शब्दों में कहा कि वर्तमान सरकार पिछले छह वर्षों से केवल युवाओं को ठगने का काम कर रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी संरक्षण के बिना इतना बड़ा भ्रष्टाचार संभव नहीं है. रामगढ़ के सुभाष चौक पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव कुमार बावला के नेतृत्व में मुख्यमंत्री का पुतला जलाया गया. उन्होंने पिछली बहाली के दौरान हुई 20 अभ्यर्थियों की मौत का मुद्दा उठाते हुए सरकार को घेरा. वहीं, अनगड़ा के गेतलसूद चौक पर विनय महतो धीरज और आरती कुजूर के नेतृत्व में प्रदर्शन हुआ. भाजपा नेताओं ने इस पूरे मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की है. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे पूरे सिस्टम की विफलता बताया. उन्होंने सवाल किया कि आखिर ये माफिया किसके संरक्षण में काम कर रहे हैं? संजय सेठ ने मांग की है कि मामले की पारदर्शिता के लिए CBI जांच कराई जाए और भविष्य की सभी परीक्षाएं हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में हों. बता दें कि 11 अप्रैल की रात तमाड़ में एक निर्माणाधीन भवन से पुलिस ने 5 गिरोह सदस्यों और 159 अभ्यर्थियों को दबोचा था. मौके से 10-15 लाख में सौदेबाजी के सबूत, बैंक चेक और प्रश्न-उत्तर के सेट बरामद हुए थे. गिरोह का सरगना अतुल वत्स पहले भी कई राज्यों में पेपर लीक का मास्टरमाइंड रह चुका है.

सामाजिक जीवन में संस्कार और शुचिता पर मंथन, मारवाड़ी समाज की संगोष्ठी में गूंजे सशक्त विचार

रांची: अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में सामाजिक जीवन में "संस्कार और शुचिता—चर्चा एवं चिंतन" विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन रांची के हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन परिसर में किया गया। कार्यक्रम में समाज के बुद्धिजीवियों, पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने की। विषय प्रवर्तक डॉ. संजय हरलालका ने कहा कि भौतिकता के बढ़ते प्रभाव से सामाजिक मूल्यों में गिरावट आई है, ऐसे में संस्कारों का संरक्षण और शुचिता का पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने परिवार को संस्कारों की पहली पाठशाला बताते हुए अभिभावकों से आदर्श प्रस्तुत करने का आग्रह किया। प्रमुख वक्ता गोवर्धन गाड़ोदिया ने कहा कि संस्कार जीवन जीने की संपूर्ण पद्धति है, जो समाज को नैतिक मजबूती प्रदान करती है। पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने विचारों, आचरण और निर्णयों में शुचिता को जरूरी बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने वर्चुअल माध्यम से समाज की परंपराओं और मूल्यों को सहेजने पर बल दिया। अध्यक्षीय संबोधन में सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि यह संगोष्ठी समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में सार्थक पहल है।

धनबाद में सीमेंट फैक्ट्री के कर्मी की मौत के बाद बवाल, परिजनों और ग्रामीणों ने किया उग्र प्रदर्शन

धनबाद: धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित भितिया में संचालित श्री खाटू श्याम जी सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत वेल्डर सुरेश राम महतो (53) की मौत के बाद रविवार को भारी बवाल हुआ। परिजनों और ग्रामीणों ने शव के साथ फैक्ट्री पहुंचकर प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप था कि दो माह पहले काम के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए कर्मी के इलाज में प्रबंधन ने सहयोग नहीं किया और दो माह का बकाया वेतन भी नहीं दिया। घायल कर्मी का इलाज सीएमसी वेल्लोर में चल रहा था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। प्रदर्शन को JLKM और BJP के स्थानीय नेताओं का समर्थन मिला। प्रशासन की मध्यस्थता से हुई वार्ता के बाद फैक्ट्री प्रबंधन ने 5.5 लाख रुपये मुआवजा और मृतक के बेटे को नौकरी देने पर सहमति जताई। बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार ने समझौते की पुष्टि की।

गुमला में महिला को हाथी ने उतारा मौत के घाट

गुमला: जिले में महुआ चुनने के लिए जंगल गई एक महिला पर जंगली हाथी ने हमला कर दिया. जिससे मौके पर ही महिला की मौत हो गई. बसिया प्रखंड के महाराजगंज कारालोया क्षेत्र में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है. रविवार सुबह बाघ धरा जंगल में महुआ चुनने गई एक 56 वर्षीय महिला बिरसमुनि उराइन को जंगली हाथी ने बेरहमी से कुचल दिया. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है. मिली जानकारी के अनुसार, बिरसमुनि उराइन जंगल में महुआ बीन रही थी तभी झुंड से बिछड़ा एक जंगली हाथी अचानक उनके पीछे से आ पहुंचा. महिला जब तक कुछ समझ पाती या भाग पाती, हाथी ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और पैरों से कुचल दिया. ग्रामीणों ने घटना की सूचना तुरंत वन विभाग और स्थानीय पुलिस को दी. मौके पर पहुंचे वन विभाग की टीम ने परिजन को तत्काल सहायता राशि प्रदान की. सूचना मिलते ही फॉरेस्टर शेखर सिंह और बसिया थाना प्रभारी कृष्ण कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे. वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के परिजनों को तत्काल 25 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की है. फॉरेस्टर ने बताया कि कागजी कार्रवाई पूरी होते ही शेष मुआवजा राशि भी जल्द सौंप दी जाएगी. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना के बाद ग्रामीण अब भी डरे हुए हैं.

बोकारो का 'कंकाल' कांडः पुलिस व्यवस्था पर गिरी गाज

हत्या मामले में थाना प्रभारी सहित पिंड्राजोरा थाना के सभी 28 पुलिसकर्मी हुए निलंबित

बोकारो: बोकारो जिले के बहुचर्चित 'कंकाल' कांड में पुलिस की गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। बोकारो के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र में हुए पुष्पा महतो अपहरण एवं हत्या मामले में कड़ा कदम उठाते हुए पिंड्राजोरा थाना के थाना प्रभारी अभिषेक रंजन सहित थाने में पदस्थापित सभी 28 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को निलंबित कर दिया है।

निलंबित किए गए कर्मियों में दस अवर निरीक्षक (सब इंस्पेक्टर), पांच सहायक अवर निरीक्षक, दो हवलदार और 11 सिपाही शामिल हैं। यह कार्रवाई पुलिस जांच में लापरवाही, निर्देशों की अवहेलना और आरोपित को लाभ पहुंचाने के गंभीर आरोपों के आधार पर की गई है।

बताया गया कि युवती पुष्पा महतो के लापता होने की सूचना उसकी मां ने 24 जुलाई 2025 को थाने में दी थी, लेकिन इसके बावजूद दस दिन बाद 4 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज की गई। इस देरी को जांच में गंभीर चूक माना गया। मामले के खुलासे के लिए थाना प्रभारी अभिषेक रंजन की अगुवाई में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया था, लेकिन समीक्षा में पाया गया कि इस टीम ने वरीय अधिकारियों के निर्देशों का समुचित पालन नहीं किया।

एसपी ने बताया कि थाना स्तर पर गोपनीयता भंग होने, आरोपित को बचाने के लिए कथित रूप से रुपये के लेनदेन और थाना परिसर में आरोपित के साथ पार्टी करने जैसी गंभीर शिकायतें भी सामने आई हैं। उल्लेखनीय है कि न्याय के लिए परिजनों ने उच्च न्यायालय का रुख किया था, जहां से पुलिस की लापरवाही पर सख्त टिप्पणी के बाद यह कार्रवाई की गई। शनिवार को युवती का कंकाल बरामद होने के साथ ही यह मामला राज्यभर में पुलिस कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है।

पुलिस अधीक्षक के अनुसार, प्रारंभिक एसआईटी की जांच न केवल सुस्त रही, बल्कि अभियोजन पक्ष को कमजोर करने वाले कदम भी सामने आए। इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में दूसरी एसआईटी का गठन किया गया। इस टीम ने महज एक दिन में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया और उसकी निशानदेही पर युवती की हत्या की पूरी सच्चाई उजागर कर दी। जांच में जंगल से युवती के कंकाल के अवशेष, हड्डियां और बाल बरामद किए गए। साथ ही हत्या में प्रयुक्त चाकू भी जब्त किया गया।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित दिनेश और पुष्पा के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। पुष्पा द्वारा लगातार विवाह का दबाव बनाए जाने से परेशान होकर दिनेश ने उसकी हत्या की साजिश रची। उसने चास कॉलेज बुलाने के बहाने युवती को जंगल ले जाकर चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में छिपा दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की मुलाकात

विकास व स्वास्थ्य सेवाओं पर हुई चर्चा

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रविवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मुलाकात की। इस दौरान डॉ. अंसारी ने इस भेंट को औपचारिक नहीं बल्कि छोटे भाई द्वारा बड़े भाई से की गई आत्मीय और भावनात्मक मुलाकात बताया। मुलाकात के दौरान राज्य में चल रही स्वास्थ्य योजनाओं, जनकल्याणकारी पहलों और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने झारखंड के समग्र विकास, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और आम जनता तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस संबंध में डॉ. अंसारी ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कुछ लोग अफवाहें फैलाकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी विचारधारा और लक्ष्य पूरी तरह एक हैं। डॉ. अंसारी ने कहा कि राहुल गांधी और हेमंत सोरेन दोनों ही जनहित, न्याय और विकास के मार्ग पर अग्रसर नेता हैं, जो एक-दूसरे के पूरक हैं और देश व प्रदेश को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार जनहित के मुद्दों पर पूरी तरह केंद्रित है और किसी भी तरह की भ्रामक खबरों से प्रभावित हुए बिना विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाया जाएगा।

रसायन के क्षेत्र में स्थापित किया नया आयाम

आईआईटी-आईएसएम के युवा वैज्ञानिक पीएम ईसीआरजी ग्रांट से हुए सम्मानित

धनबाद: देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शामिल आईआईटी आईएसएम का नाम एक बार अपनी खोज को लेकर फिर से सुर्खियों में है. इस बार रसायन एवं केमिकल बायोलॉजी विभाग के तीन युवा फैकल्टी को सम्मान मिला है.

रसायन एवं केमिकल बायोलॉजी विभाग के तीन युवा फैकल्टी, प्रो. अनन्या बनिक, प्रो. जादब माझी और प्रो. सुनील पुलेटिकुर्ति को प्रधानमंत्री अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट (PM ECRG) से सम्मानित किया गया है. यह उपलब्धि न सिर्फ इन शिक्षकों की शोध क्षमता को दर्शाती है, बल्कि संस्थान की बढ़ती शोध प्रतिष्ठा का भी संकेत है.

प्रो. अनन्या बनिक का शोध ठोस अवस्था रसायन के क्षेत्र में केंद्रित है. जहां वे ऊर्जा रूपांतरण और स्टोरेज के लिए उन्नत मटेरियल, विशेष रूप से सॉलिड स्टेट बैटरियां और आयोनिक कंडक्टर पर काम कर रही हैं. उनका काम भविष्य की

ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

वहीं, प्रो. जादब माझी सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं. उनका शोध फोटोरिडॉक्स, ऑर्गेनोमेटालिक और बायोकैटालिसिस जैसे आधुनिक क्षेत्रों में टिकाऊ और प्रभावी सिंथेसिस तकनीकों के विकास पर केंद्रित है, जो केमिकल इंडस्ट्री में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है.

प्रो. सुनील पुलेटिकुर्ति का कार्य फॉस्फोलिपिड्स की सिंथेसिस और उनके ड्रग डिलीवरी सिस्टम में उपयोग पर आधारित है. इसके साथ ही वे माइक्रोरिएक्टर तकनीक, लिपिड ऑक्सीडेशन और जीवन की रासायनिक उत्पत्ति जैसे जटिल विषयों पर भी शोध कर रहे हैं, जो मेडिकल और बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र के लिए अहम हैं.

विभागाध्यक्ष प्रो. सुमंत कुमार पाधी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान युवा फैकल्टी के उत्कृष्ट शोध कार्य का प्रमाण है और संस्थान में उच्च स्तरीय रिसर्च वातावरण को मजबूत करता है.

पीएम ईसीआरजी एक अत्यंत प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी ग्रांट है, जिसका उद्देश्य शुरुआती करियर के शोधकर्ताओं को नवाचार और प्रभावशाली अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना है. इस उपलब्धि से आईआईटी (आईएसएम) धनबाद एक बार फिर देश के अग्रणी शोध संस्थानों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है.

झारखंड में बढ़ने लगी गर्मी, सरायकेला और डाल्टनगंज में पारा 37 डिग्री के पार

रांची: झारखंड में एक बार फिर गर्मी ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। यानी फिलहाल गर्मी से राहत मिलने के आसार कम ही हैं।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 37.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान खूंटी में 15.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। डाल्टनगंज में भी अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक पहुंच गया है। राजधानी रांची में रविवार को मौसम सुबह से साफ रहा, जिससे दिनभर गर्मी महसूस की गई। हालांकि, बीच-बीच में चलने वाली हवाओं ने थोड़ी राहत जरूर दी। रांची में अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य शहरों की बात करें, तो जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री और न्यूनतम 21.2 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 36.1 डिग्री और न्यूनतम 18.6 डिग्री, चाईबासा में अधिकतम 36.8 डिग्री और न्यूनतम 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार बढ़ते तापमान के बीच मौसम विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि तेज धूप में बाहर निकलने से बचें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, ताकि गर्मी से होने वाली समस्याओं से बचा जा सके।

पतरातू में 'राहुल दुबे गैंग' का खौफ, फायरिंग से इलाके में दहशत

रामगढ़: जिला के पतरातू थाना क्षेत्र में इन दिनों अपराधियों के हौसले बुलंद हैं. इंडस्ट्रियल एरिया में शनिवार रात एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट गूंज उठी. शनिवार रात हथियारों से लैस बाइक सवार अपराधियों ने अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के मुख्य गेट पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैला दी. हालांकि वारदात के बाद घटना किसी को मालूम ना चले इसको लेकर गेट पर पेंट किया जा रहा है. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अपराधियों ने करीब आठ राउंड गोलियां चलाईं, जिससे गेट पर कई छेद हो गए. इस घटना की जिम्मेदारी कुख्यात राहुल दुबे गैंग ने ली है. एक सोशल मीडिया पेज पर राहुल दुबे के नाम से बने पेज पर

धमकी भरा पोस्ट करते हुए इस फायरिंग की जिम्मेदारी इस गैंग के द्वारा ली गयी है. पूरे मामले में पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल गुप्ता ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है देर रात बाइक पर सवार अपराधियों ने 7 -8 राउंड फायरिंग गेट पर किया है. पिछले सभी कांडों का लगभग खुलासा हो चुका है, पुलिस टीम काम कर रही है जल्द ही दहशत फैलाने वाले अपराधियों को धर दबोचा जाएगा.

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि घटना के तुरंत बाद सीमेंट प्लांट प्रबंधन द्वारा गोली लगे गेट को जल्दबाजी में पेंट कर सबूतों को छिपाने की कोशिश की गई. जिससे पूरे मामले पर पर्दा डालने की आशंका भी जताई जा रही है.

बता दें कि 4 अप्रैल को ओएसएम दूध प्लांट में भी इसी तरह की फायरिंग हुई थी. उससे तीन दिन पहले पतरातू रेलवे फाटक के पास निर्माणाधीन ओवरब्रिज साइट पर गोलीबारी में एक सुरक्षा गार्ड घायल हो गया था. लगातार हो रही इन घटनाओं से स्थानीय लोग और उद्योगों में काम करने वाले कर्मचारी खौफ में हैं.

हालांकि पुलिस ने 5 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए राहुल दुबे गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था. इसके अलावा भुरकुंडा क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के दौरान गैंग का एक सक्रिय अपराधी घायल भी हुआ था. इन कार्रवाइयों के बावजूद गैंग की सक्रियता पर लगाम नहीं लग पाना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहा है.

पुरुषोत्तम बने गिद्धौर के नए थाना प्रभारी

विधि व्यवस्था सुचारू रूप से संधारित करना मेरा प्रथम उद्देश्य-थाना प्रभारी

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतरा: जिले में पुलिस महकमे में अहम फेरबदल करते हुए हंटरगंज थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक (एसआई) पुरुषोत्तम अग्निहोत्री को गिद्धौर थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। यह जिम्मेदारी उन्हें जिले के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल द्वारा सौंपी गई है। जानकारी के अनुसार, गिद्धौर थाना के पूर्व प्रभारी शिवा यादव सहित दो पुलिस जवानों के निलंबन के बाद यह पद रिक्त हो गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुरुषोत्तम अग्निहोत्री को वहां की कमान सौंपी है, ताकि थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।

आरएसएस शताब्दी वर्ष पर खलारी में हिन्दू सम्मेलन, सनातन मूल्यों पर जोर

खलारी: खलारी के डकरा स्थित दुर्गा मंडप में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में सनातनी महिला-पुरुष शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीसीएल एनके एरिया के महाप्रबंधक दिनेशकुमार गुप्ता ने की। मुख्य वक्ता महंत दिव्यानंद जी महाराज ने कहा कि प्रत्येक सनातनी को हनुमान चालीसा, गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र स्मरण में रखना चाहिए तथा पूर्वजों की धर्म-संस्कार परंपरा को सुरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने हिन्दुस्तान, हिन्दू और हिन्दी को नहीं भूलने का आह्वान किया और बच्चों के मोबाइल उपयोग पर ध्यान देने की सलाह दी। आरएसएस के झारखंड प्रांत प्रचारक गोपाल शर्मा ने संघ की स्थापना और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मजबूत पारिवारिक व्यवस्था के कारण ही सनातन संस्कृति आज भी जीवित है। सम्मेलन का उद्देश्य समाज में सनातन मूल्यों और संघ की भूमिका को सुदृढ़ करना रहा।

सरायकेला में छऊमहोत्सव का भव्य आगाज

सांसद जोबा मांझी ने किया उद्घाटन, छऊ नृत्य की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

सरायकेला: जिले की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक 'राजकीय चैत्र पर्व सह छऊ महोत्सव-2026 शनिवार को स्थानीय बिरसा मुंडा स्टेडियम में अत्यंत गरिमापूर्ण वातावरण में शुरू हुआ. 11 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक चलने वाले इस तीन दिवसीय महोत्सव का विधिवत शुभारंभ सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र की सांसद जोबा मांझी द्वारा किया गया. उद्घाटन समारोह स्थानीय पूजा-पाठ, पौराणिक रीति-रिवाजों और पारंपरिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ.

सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन

महोत्सव के पहले दिन स्थानीय प्रसिद्ध छऊ कलाकारों ने सरायकेला छऊ शैली की अद्वितीय छटा बिखेरी. कलाकारों द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं पौराणिक प्रसंगों पर आधारित मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं. छऊ के मुखौटों और सधे हुए पदचापों के माध्यम से जब कलाकारों ने रंगमंच पर कहानियों को जीवंत किया तो वहां मौजूद विशाल जनसमूह मंत्रमुग्ध हो उठा.

गरिमामय उपस्थिति

इस अवसर पर जिले के प्रशासनिक और पुलिस महकमे के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही. कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपायुक्त नीतिश कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक मुकेश लुनायत, जिला परिषद अध्यक्ष, महापौर नगर निगम, और नगर पंचायत अध्यक्ष (सरायकेला) उपस्थित रहे. इसके अलावा अपर उपायुक्त तथा अनुमंडल पदाधिकारी (सरायकेला) ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया.

परंपरा और गौरव का संगम

सांसद जोबा मांझी ने अपने संबोधन में कहा कि छऊ नृत्य केवल एक कला नहीं बल्कि सरायकेला की पहचान और झारखंड का गौरव है. प्रशासन और स्थानीय निकाय के सहयोग से आयोजित यह महोत्सव आगामी 13 अप्रैल तक कला प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहेगा.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।